www.shabdawanisamachar.page
राष्ट्रीय हिन्दी समाचार पत्र
RNI NO. DELHI/2003/09049

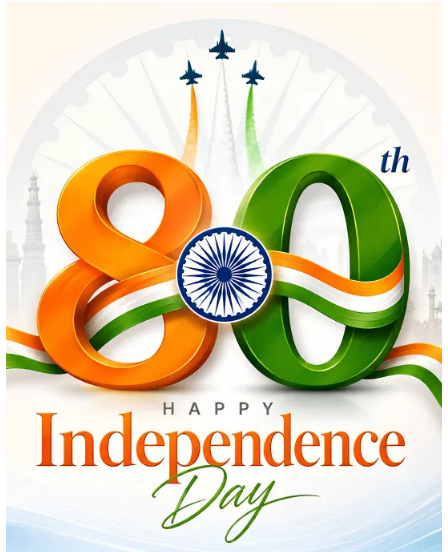

दैनिक शब्दवाणी समाचार

नई सोच, नई उम्मीद, बेहतर भविष्य, बेहतर भारत

वर्षः 24 अंकः 295 नई दिल्ली, मंगलवार, 18 अगस्त, 2026 पृष्ठः संख्या 12 मूल्यः 10 रुपये

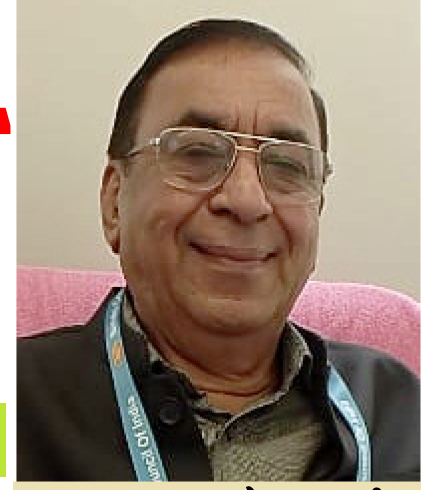

सलाहकार संपादक : अशोक लालवानी

Dedicated to Sindhi Council of India

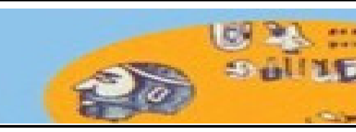

सार संक्षेप

फोटोः एएनआई

जनरल धीरज सेठ को मिली नेपाली 'जनरल' की मानद रैंक

नई दिल्ली। भारत और नेपाल के बीच दशकों पुरानी सैन्य परंपरा को आगे बढ़ाते हुए नेपाल के राष्ट्रपति रामचंद्र पौडेल ने सोमवार को भारतीय थल सेना प्रमुख जनरल धीरज सेठ को नेपाली सेना के जनरल की मानद रैंक प्रदान की। जनरल धीरज सेठ को काठमांडू स्थित राष्ट्रपति भवन में आयोजित एक विशेष अलंकरण समारोह में यह मानद रैंक प्रदान किया गया।

झारखंड सरकार ने जेएसएससी सीजीएल की परीक्षा रद्द की

रांची। झारखंड में जेएसएससी सीजीएल की परीक्षा रद्द कर दिया गया है। मुख्यमंत्री हेमंत सोरेन कैबिनेट मंत्रियों के साथ बैठक के बाद आज रात निर्णयों की आधिकारिक जानकारी देते हुए कहा कि सिर्फ सीजीएल परीक्षा ही नहीं बल्कि टीडीपीएल एजेंसी द्वारा ली गई सभी परीक्षाएं रद्द होंगी।भले ही उसकी चयन प्रक्रिया पूरी ही क्यों न हो हो गई हो। साथ सीजीएल परीक्षा में हुई गड़बड़ी की जांच होंगी। मुख्यमंत्री ने कहा कि आंदोलन कर रहे युवा हमारे राज्य के नौजवान हैं। सरकार उनके साथ खड़ी है।

शहजाद पूनावाला ने फिर दिया भाजपा से इस्तीफा

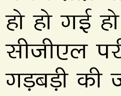

नई दिल्ली। भारतीय जनता पार्टी (भाजपा) नेता शहजाद पूनावाला ने एक बार फिर पार्टी से इस्तीफा देने की पेशकश करते हुए पार्टी अध्यक्ष नितिन नवीन से इसे स्वीकार करने की गुजारिश की है। श्री पूनावाला ने अपने इस्तीफे की प्रति सोमवार को सोशल मीडिया एक्स पर साझा करते हुए कहा, ' यह मेरे लिए अत्यंत भावुक करने वाला था कि पार्टी ने मेरे त्यागपत्र को तुरंत स्वीकार करने से इनकार कर दिया और मुझसे अपने निर्णय पर पुनर्विचार करने का अनुरोध किया था।

एयर इंडिया ने दो अन्य पायलट को ड्यूटी से हटाया

नई दिल्ली। फुकेत-दिल्ली फ्लाइट में हुए हादसे के बाद शुरू किए गए बड़े स्क्रीनिंग प्रोग्राम के तहत, एयर इंडिया के दो और पायलट शुरुआती ड्रग टेस्ट में फेल हो गए हैं। सूत्रों के हवाले से कहा गया कि एयरलाइन द्वारा किए गए इस शुरुआती ड्रग टेस्ट में दो अतिरिक्त पायलट फेल हो गए हैं। हालांकि, अंतिम ड्रग टेस्ट के नतीजों का इंतजार किया जा रहा है, फिलहाल दोनों पायलट को ड्यूटी से बाहर कर दिया गया है।

सर्वोच्च अदालत ने कहा, 7 दिन में फाइनल करें हवाई किराया नियम

मनमाने हवाई किराए पर सुप्रीम कोर्ट सख्त

अगर एयरलाइंस न मानें तो उड़ान रोक दो

- केंद्र सरकार ने तीन हफ्ते का समय मांगा था
- याचिका में फ्री रेगुलेटरी अथॉरिटी बनाने की मांग

नई दिल्ली, 17 अगस्त (एजेंसियां)। केंद्र सरकार ने सोमवार को सुप्रीम कोर्ट को बताया कि भारतीय वायुयान अधिनियम, 2024 के तहत नियम बनाने का काम तेज कर दिया गया है। इन नियमों का मकसद भारत के विमानन क्षेत्र को आधुनिक बनाना है और इन्हें तीन हफ्ते में अंतिम रूप दे दिया जाएगा।

मनमाने हवाई किराए पर सुप्रीम कोर्ट ने सख्ती दिखाई है। बेंच ने कहा, 'इसे सात दिन के भीतर प्रकाशित कीजिए। अगर एयरलाइंस पालन नहीं कर रही हैं तो उन्हें जमीन पर खड़ा कर दीजिए।' सरकार ने जस्टिस विक्रम नाथ और जस्टिस संदीप मेहता की बेंच के सामने नियमों का ड्राफ्ट सीलबंद लिफाफे में रखा। केंद्र ने बताया कि ड्राफ्ट पर कुछ अंतिम चर्चा चल रही है।

कोर्ट में सरकार का पक्ष एडिशनल सॉलिसिटर जनरल अनिल कौशिक ने रखा। उन्होंने बताया कि नियम बनाने की प्रोसेस 3 हफ्ते में पूरी हो जाएगी। उन्होंने कोर्ट में ड्राफ्ट नियम दिखाए। इसके बाद बेंच ने कहा– 'एक व्यवस्था सुझाई गई है, लेकिन नियामक को लेकर हम निश्चित नहीं हैं।' बेंच ने कहा कि केंद्र सरकार ने ड्राफ्ट नियमों को फाइनल करने के लिए 3 हफ्ते का समय मांगा है। मामले की अगली सुनवाई 7 सितंबर को तय की गई। हवाई किराया नियमों को लेकर याचिका सोशल एक्टिविस्ट एस लक्ष्मीनारायणन ने दायर की थी। उन्होंने पूरे सिविल एविएशन सेक्टर में ट्रांसपेरेंसी और यात्रियों की सुरक्षा के लिए मजबूत और फ्री रेगुलेटरी अथॉरिटी बनाने की मांग की है। याचिका में भारत की प्राइवेट एयरलाइन्स की ओर से हवाई किराए और एक्स्ट्रा चार्ज के रूप में होने वाले उतार–चढ़ाव पर कंट्रोल के लिए गाइडलाइंस बनाने की मांग भी की गई है। याचिकाकर्ता के वकील ने कहा कि नए नियम लागू होने तक पुराने नियम ही चल रहे हैं। उन्होंने मौजूदा व्यवस्था पर भी सवाल उठाया। याचिका में कहा गया कि एयरलाइन्स बहुत ज्यादा किराया वसूल रही हैं।

सिविल एविएशन सेक्टर में पारदर्शिता की मांग

मामला पिछले साल 17 नवंबर को सुप्रीम कोर्ट ने लक्ष्मीनारायणन की याचिका पर केंद्र और अन्य पक्षों से जवाब मांगा था। याचिका में पूरे सिविल एविएशन सेक्टर में पारदर्शिता और यात्रियों की सुरक्षा के लिए मजबूत और स्वतंत्र नियामक की मांग की गई थी। जनवरी में सुनवाई के दौरान सुप्रीम कोर्ट ने कहा था कि वह हवाई किराए में होने वाले 'अनिश्चित उतार–चढ़ाव' में दखल देगा।

कोर्ट ने जुलाई में नियम बताने को कहा था

सुप्रीम कोर्ट ने 13 जुलाई को सरकार से भारतीय वायुयान अधिनियम, 2024 के तहत बनाए गए नियम उसके सामने रखने को कहा था। कोर्ट ने कहा था कि नियमों को सीलबंद लिफाफे में पेश किया जाए।

राम मंदिर दान का होगा हिसाब

सुपीम कोर्ट ने एसआईटी को जांच में तेजी लाने को कहा

सुप्रीम कोर्ट ने सोमवार को अयोध्या में राम मंदिर के लिए मिले दान में कथित हेराफेरी की जांच कर रही कोर्ट द्वारा गठित विशेष जांच टीम एसआईटी से अपनी जांच में तेजी लाने और दो सप्ताह में सीलबंद स्टेटस रिपोर्ट दाखिल करने का निर्देश दिया है। चीफ जस्टिस सूर्य कांत और जस्टिस जॉयमाल्य बागची तथा वी. मोहना की पीठ ने एसआईटी को दान में कथित चोरी के मामले में अब तक हुई जांच की प्रगति की स्टेटस रिपोर्ट सीलबंद लिफाफे में दाखिल करने का निर्देश दिया। एसआईटी की रिपोर्ट के बाद सुप्रीम कोर्ट दान प्रबंधन को बेहतर बनाने के लिए नए निर्देश जारी कर सकता है।

बंगाल में एसटीएफ का एक्शन, राणा रऊफ का सहयोगी गिरफ्तार

पश्चिम बर्दवान, 17 अगस्त (हि.स.)। पश्चिम बंगाल पुलिस के विशेष कार्य बल (एसटीएफ) ने सोमवार को कथित पाकिस्तानी खुफिया एजेंट राणा रऊफ के सहयोगी इमरान हुसैन उर्फ पुतुल बेग को कोलकाता के तपसिया इलाके से गिरफ्तार किया। जांच में सामने आया है कि इमरान जाली दस्तावेजों के माध्यम से राणा रऊफ के लिए भारतीय पासपोर्ट तैयार कराने में उसकी मदद कर रहा था। इस गिरफ्तारी के बाद पूरे मामले की कड़ी पश्चिम बर्दवान जिले के आसनसोल से भी जुड़ती दिखाई दे रही है। बताया जा रहा है कि इमरान का पुश्तैनी मकान आसनसोल के बोतल मस्जिद गली में स्थित है। वह अपने भाइयों के साथ इसी मकान में रहता था। स्थानीय लोगों के अनुसार, करीब 20 वर्ष पहले इमरान आसनसोल छोड़कर कोलकाता चला गया था।

इमरान के बड़े भाई आसनसोल न्यायालय में वरिष्ठ अधिवक्ता के रूप में कार्यरत थे। पिछले वर्ष उनका निधन हो गया। परिवार और स्थानीय लोगों के अनुसार इमरान लंबे समय तक आसनसोल में ही रहा था।

इमरान शारीरिक रूप से दिव्यांग था और उसे कम्पूटर चलाने की अच्छी जानकारी थी। अब जांच एजेंसियां उसकी तकनीकी जानकारी और कथित गतिविधियों के बीच संबंध की भी जांच कर रही है। हालांकि उसकी तकनीकी दक्षता का किसी कथित जासूसी गतिविधि में इस्तेमाल हुआ या नहीं, इसकी आधिकारिक पुष्टि अभी जांच के बाद ही हो सकेगी। विशेष कार्य बल की प्रारंभिक जांच के अनुसार, इमरान कथित तौर पर जाली दस्तावेजों के जरिए राणा रऊफ के लिए भारतीय पासपोर्ट हासिल करने की प्रक्रिया में मदद कर रहा था। जांच एजेंसियों को आशंका है कि इसके पीछे एक संगठित गिरोह सक्रिय हो सकता है। अधिकारियों को संदेह है कि इस गिरोह के अन्य सदस्य भी कोलकाता और आसपास के क्षेत्रों में सक्रिय हो सकते हैं। उनकी भूमिका की जांच की जा रही है और अन्य संदिग्धों की तलाश जारी है। जांच के अनुसार, राणा रऊफ मूल रूप से पाकिस्तान के फैसलाबाद का रहने वाला बताया जाता है। आरोप है कि वह कई वर्षों तक नेपाल में रहने के बाद वर्ष 2012 में जाली दस्तावेजों के सहारे भारत में दाखिल हुआ था।

जांच एजेंसियों का आरोप है कि भारत में रहने के दौरान वह भारतीय सेना और रेलवे से जुड़ी संवेदनशील जानकारियां पाकिस्तान में बैठे अपने संपर्कों तक पहुंचाता था। अब उसकी गतिविधियों और भारत में बनाए गए संपर्कों की विस्तृत जांच की जा रही है।

आईएसआई-समर्थित शाहजाद भट्टी नेटवर्क पर बड़ी कार्रवाई, 14 राज्यों से 253 संदिग्ध हिरासत में, 80 एफआईआर

नई दिल्ली, 17 अगस्त (हि.स.)। सुरक्षा एजेंसियों ने पाकिस्तान की खुफिया एजेंसी इंटर-सर्विसेज इंटेलिजेंस (आईएसआई) समर्थित शहजाद भट्टी नेटवर्क (एसबीएन) के खिलाफ बड़ी कार्रवाई करते हुए 14 राज्यों में 253 संदिग्ध लोगों को हिरासत में लिया है। इस नेटवर्क के खिलाफ 80 से अधिक प्राथमिकी दर्ज की गई हैं।

स्वतंत्रता दिवस के आसपास एसबीएन से जुड़ी संभावित गड़बड़ियों को रोकने के लिए 12 अगस्त को राज्य पुलिस बलों के साथ रियल-टाइम खुफिया जानकारी साझा करने वाली प्रणाली के जरिए समन्वित बहु-राज्यीय अभियान चलाया गया। इसमें 14 राज्यों में 253 लोगों को हिरासत में लिया गया है, जिसमें उत्तर प्रदेश (62), हरियाणा (52), दिल्ली (51), पंजाब (44), राजस्थान (15), महाराष्ट्र (8), उत्तराखंड (5), कर्नाटक, गुजरात और बिहार (3-3) तथा तेलंगाना, हिमाचल प्रदेश, जम्मू-कश्मीर और केरल दो-दो लोग शामिल हैं। दिल्ली और कर्नाटक में नई प्राथमिकी दर्ज की गई हैं। केंद्रीय गृहमंत्री अमित शाह ने सोमवार को सोशल मीडिया प्लेटफॉर्म एक्स पर एक पोस्ट में कहा कि मोदी सरकार ने स्वतंत्रता दिवस से पहले आईएसआई समर्थित आतंकी समूह शहजाद भट्टी नेटवर्क को खत्म कर दिया और 200 से ज्यादा सदस्यों को गिरफ़्तार कर उसके खतरनाक हमलों के मंसूबों को नाकाम कर दिया। उन्होंने बताया कि भारतीय सुरक्षा बलों ने 14 राज्यों में अलग-अलग जगह पर एक साथ ऑपरेशन चलाकर इस नेटवर्क को ध्वस्त किया, जो आतंकवाद के प्रति भारत की जीरो-टॉलरेंस नीति का एक बेहतरीन उदाहरण है।

शाह ने कहा कि आईएसआई से फंड पाने वाले इस समूह के पास से भारी मात्रा में विस्फोटक सामग्री बरामद की गई। इसमें आईईडी, पाकिस्तान ऑर्डनेंस फैक्टरी के निशान वाले ग्रेनेड, पिस्तौल, ज़िंदा कारतूस और जासूसी के लिए इस्तेमाल होने वाले सीसीटीवी कैमरे शामिल थे। यह नेटवर्क कई आतंकी गतिविधियों में शामिल था।

एसबीएन आईएसआई समर्थित आतंकी सिंडिकेट है। यह भारत में ग्रेनेड, आईईडी और पेट्रोल बम हमलों तथा टारगेटेड किलिंग में शामिल रहा है। एसबीएन स्थानीय सहयोगियों को पैसे देकर पुलिस, रक्षा और धार्मिक स्थलों की रेकी करवाता था और जासूसी के लिए सीसीटीवी कैमरे लगवाता था।

अब तक एसबीएन के खिलाफ 80 से अधिक एफआईआर और 200 से ज्यादा गिरफ्तारियां दर्ज की जा चुकी हैं। ये मामले यूएपीए, बीएनएस, आर्म्स एक्ट, एनडीपीएस एक्ट और विस्फोटक पदार्थ अधिनियम के तहत दर्ज हैं। आईईडी, पाकिस्तान ऑर्डिनेंस फैक्ट्री की मार्किंग वाले ग्रेनेड, पिस्टल, जिंदा कारतूस और जासूसी वाले सीसीटीवी कैमरे बरामद हुए हैं। इससे नेटवर्क के सीधे सीमा-पार संबंध की पुष्टि होती है।

सुरक्षा एजेंसियों ने दोहराया है कि भारत सरकार की सीमा-पार आतंकवाद के प्रति जीरो टॉलरेंस की नीति है और एसबीएन के नेटवर्क को देशभर में खत्म करने के लिए समन्वित कार्रवाई जारी रहेगी।

तारापीठ होटल अग्निकांड में आठ की मौत, मुख्यमंत्री शुभेंदु बोले- लापरवाही बरतने वालों पर होगी कड़ी कार्रवाई

कोलकाता, 17 अगस्त (हि.स.)। पश्चिम बंगाल के बीरभूम जिले के प्रसिद्ध तीर्थस्थल तारापीठ के पास स्थित एक होटल में सोमवार तड़के हुए अग्निकांड में मरने वालों की संख्या बढ़कर आठ हो गई है। आधिकारिक तौर पर जारी मृतकों की सूची के अनुसार, मृतकों में पांच लोग मेघालय के दक्षिण गारो हिल्स और तीन लोग पश्चिम बंगाल के अलीपुरद्वार जिले के निवासी हैं। मृतकों की पहचान राजेंद्र नाथ, आशा नाथ, बुरन मोदक, 10 वर्षीय शिवराज मोदक, 8 वर्षीय औशनाथ मोदक, कमल रॉय, अमित पाल और सुबीर साहा के रूप में हुई है। घटना पर मुख्यमंत्री शुभेंदु अधिकारी ने दुख जताते हुए मृतकों के परिवारों के प्रति संवेदना व्यक्त की।

उन्होंने कहा कि लापरवाही बरतने वालों के खिलाफ कड़ी कार्रवाई की जाएगी। साथ ही, सरकार पीड़ित परिवारों के लिए वित्तीय सहायता का ऐलान भी करेगी। शुभेंदु अधिकारी ने सोशल मीडिया एक्स पर बताया कि हादसे के समय होटल में बड़ी संख्या में श्रद्धालु ठहरे हुए थे, जो मां तारा के दर्शन और पूजा-अर्चना के लिए पहुंचे थे। उन्होंने बताया कि पुलिस प्रशासन ने तेजी से कार्रवाई करते हुए कई लोगों को बचाया, लेकिन तमाम कोशिशों के बावजूद आठ लोगों की जान नहीं बचाई जा सकी। उन्होंने पुलिस अधीक्षक, जिला मजिस्ट्रेट, स्थानीय विधायक ध्रुबा साहा और अग्निशमन विभाग के राज्य मंत्री कौशिक चौधरी अभी घटनास्थल पर मौजूद हैं। वे बचाव कार्यों की बारीकी से निगरानी कर रहे हैं। मुख्यमंत्री शुभेंदु ने बताया कि राज्य सरकार ने इस दुखद घटना की असल वजह का पता लगाने के लिए कड़े कदम उठाए हैं। मैं आपको भरोसा दिलाता हूं कि दोषियों को बख्शा नहीं जाएगा और उन्हें कानून के मुताबिक कड़ी सजा दी जाएगी।

साथ ही, पीड़ितों के लिए उचित मुआवजा का ऐलान भी सही समय पर किया जाएगा। मेरी संवेदनाएं और प्रार्थनाएं पीड़ित परिवारों के साथ हैं। घटना में 34 लोगों को सुरक्षित बचाया गया, जबकि एक झुलसे व्यक्ति का अस्पताल में इलाज चल रहा है। सुरक्षित बचाए गए लोगों में पटना की अर्चना सिंह, युवराज सिंह और अनुभव सिंह, दिनहाटा के सुभादियो साहा, परिणीता साहा, विश्वनाथ साहा, माणिक साहा, दमदम के तपन ज्योति मंडल, कल्याणी मंडल, पियाली मंडल, मुनमुन मंडल, 10 वर्षीय तियासा मंडल, 8 वर्षीय कौसानी मंडल, रोजीना खातून, चकदह थाना क्षेत्र के दिलीप कुमार पाल, नारायण पाल, नारायण दास, सत्या बिस्वास और भोला शर्मा तथा मेघालय के गणेश डे, चंद्रिका नाहा, दोलोन नाहा, माधबी मोदक, जितिप्रिया नाहा और झर्ना डे को सुरक्षित बाहर निकाला गया।

---

100 करोड़ से ज्यादा आय वालों में 39 फीसदी का उछाल

नई दिल्ली, 17 अगस्त (एजेंसियां)। भारत में उच्च आय वर्ग के करदाताओं की संख्या तेजी से बढ़ रही है। एसबीआई रिसर्च की एक रिपोर्ट के अनुसार, आकलन वर्ष (एवाई) 2026 में 100 करोड़ रुपए या उससे अधिक वार्षिक आय घोषित करने वाले करदाताओं की संख्या 39 प्रतिशत बढ़कर 576 हो गई है, जबकि एक वर्ष पहले एवाई25 में यह संख्या 415 थी। यह वृद्धि भारत में बढ़ती आय, व्यवसायिक विस्तार और आर्थिक गतिविधियों में तेजी का संकेत मानी जा रही है। 1 करोड़ रुपए या उससे अधिक आय दिखाने वाले करदाताओं की संख्या में भी उल्लेखनीय वृद्धि दर्ज की गई है।

ऐसे करदाताओं की संख्या बढ़कर 576 हुई

एनटीए में व्यापक सुधार की तैयारी, 50 से अधिक कर्मचारी हटाए गए; परीक्षा व्यवस्था की होगी पूरी समीक्षा

नई दिल्ली, 17 अगस्त (हि.स.)। केंद्रीय शिक्षा मंत्री प्रह्लाद जोशी ने राष्ट्रीय परीक्षा एजेंसी (एनटीए) की परीक्षा व्यवस्था और सुरक्षा प्रोटोकॉल में व्यापक सुधार के निर्देश दिए हैं। उन्होंने परीक्षा से जुड़े सभी स्थापित प्रोटोकॉल का कड़ाई से पालन सुनिश्चित करने तथा एनटीए की गोपनीय संचालन व्यवस्था (सीओएनओपीएस) के ढांचे में पूरी तरह बदलाव करने को कहा है। शिक्षा मंत्री ने उच्च शिक्षा विभाग के सचिव, एनटीए के महानिदेशक और अन्य वरिष्ठ अधिकारियों के साथ सोमवार को बैठक कर हाल में यूजीसी-नेट परीक्षा से जुड़े मुद्दों के बाद एजेंसी की ओर से उठाए गए कदमों की समीक्षा की। बैठक में मंत्री को एनटीए की समग्र व्यवस्था में सुधार के लिए किए जा रहे प्रयासों की जानकारी दी गई।

शिक्षा मंत्रालय के अनुसार, सुधार प्रक्रिया के तहत एनटीए के 50 से अधिक कर्मचारियों को हटाया गया है। इसके अलावा मुख्य प्रौद्योगिकी अधिकारी (सीटीओ), मुख्य वित्तीय अधिकारी (सीएफओ), मुख्य सूचना सुरक्षा अधिकारी (सीआईएसओ), महाप्रबंधक (परीक्षा सुरक्षा) तथा महाप्रबंधक (अनुसंधान एवं विकास और साइकोमेट्रिक्स) समेत 10 नए पेशेवर नेतृत्व पदों के लिए विज्ञापन जारी किए गए हैं और इन पदों पर नियुक्तियां की जा रही हैं।

नौसेना को अमेरिका से मिलेंगे 2 समुद्री निगरानी ड्रोन

- 1943 करोड़ की लागत का अमेरिकी कंपनी से करार

नई दिल्ली, 17 अगस्त (एजेंसियां)। भारत ने समुद्री क्षेत्र विशेष रूप से हिन्द महासागर में निगरानी व्यवस्था को पुख्ता बनाने के लिए नौसेना के लिए 1943 करोड़ रुपए की लागत से अमेरिकी कपंनी से ढाई साल के लिए दो अत्याधुनिक ड्रोन प्रणाली लीज यानी पट्टे पर लेने के अनुबंध पर हस्ताक्षर किए हैं। रक्षा मंत्रालय ने सोमवार को बताया कि उसने नौसेना के लिए 30 महीने की अवधि के लिए दो एम क्यू-9बी 'सी गार्डियन हाई-एल्टीट्यूड लॉन्ग-एंड्यूरेंस' (एच ए एलई) रिमोटली पायलटेड एयरक्राफ्ट सिस्टम्स (आरपीएएस) को पट्टे पर लेने के लिए जनरल एटॉमिक्स एयरोनॉटिकल सिस्टम्स, इंक के साथ एक अनुबंध पर हस्ताक्षर किए हैं।

भाजपा की नई राष्ट्रीय टीम में अनुभव, युवा ऊर्जा और सामाजिक समावेश का संतुलन

नई दिल्ली, 17 अगस्त (हि.स.)। भारतीय जनता पार्टी (भाजपा) के नवनिर्वाचित राष्ट्रीय अध्यक्ष नितिन नवीन की नई टीम में संगठनात्मक अनुभव, युवा ऊर्जा, क्षेत्रीय विविधता और सामाजिक समावेश का व्यापक संतुलन देखने को मिला है। सोमवार को जारी नई राष्ट्रीय पदाधिकारियों की सूची में देश के 23 राज्यों और केंद्रशासित प्रदेशों को प्रतिनिधित्व दिया गया है।

करीब 65 सदस्यों की नई टीम में महिलाओं और पूर्वोत्तर क्षेत्र को विशेष ध्यान दिया गया है। त्रिपुरा, असम और नागालैंड से तीन क्षेत्रीय नेताओं को जिम्मेदारी दी गई है। इसके साथ ही समर्पित नॉर्थ-ईस्ट कोऑर्डिनेशन सेल को भी जारी रखा गया है, जिसकी जिम्मेदारी डॉ. संबित पात्रा संभालेंगे। उत्तर-पूर्व से युवा नेता मृगांक बर्मन को राष्ट्रीय सचिव बनाया गया है।

वहीं, उत्तर प्रदेश में होने वाले विधानसभा चुनाव के मद्देनजर राज्य से आठ नेताओं को जगह दी गई है। इसमें रेखा वर्मा व प्रो. तारिक मंसूर को राष्ट्रीय उपाध्यक्ष तो पूर्व केंद्रीय मंत्री स्मृति ईरानी व हरीश द्विवेदी को राष्ट्रीय महामंत्री बनाया गया है। वहीं, डॉ. भोला सिंह व संगीता यादव को राष्ट्रीय मंत्री बनाया गया है। अमर पाल मौर्या को ओबीसी मोर्चा का अध्यक्ष और कुंवर बासित अली अल्पसंख्यक मोर्चा अध्यक्ष बनाए गए हैं।

सामाजिक प्रतिनिधित्व के लिहाज से भी नई टीम में विभिन्न वर्गों को स्थान दिया गया है। इस टीम में पश्चिम बंगाल, मध्य प्रदेश, महाराष्ट्र और पूर्वोत्तर से चार आदिवासी प्रतिनिधियों को शामिल किया गया है, जिनमें दो महिलाएं हैं। वहीं उत्तर प्रदेश, तमिलनाडु और मध्य प्रदेश से तीन अनुसूचित जाति प्रतिनिधियों को जगह मिली है।

राष्ट्रीय संगठन में देश के विभिन्न हिस्सों से 10 अनुभवी महिला नेताओं को शामिल किया गया है। पार्टी ने इसे वरिष्ठ संगठनात्मक भूमिकाओं में महिला भागीदारी बढ़ाने की दिशा में महत्वपूर्ण कदम बताया है।

नई टीम में विभिन्न धार्मिक समुदायों का भी प्रतिनिधित्व है। हिंदू नेताओं के साथ एक सिख, दो ईसाई, एक मुस्लिम, एक जैन और एक पारसी सदस्य को शामिल किया गया है।

नई टीम में प्रशासनिक और राजनीतिक अनुभव को भी प्रमुखता दी गई है।

इसमें तीन पूर्व मुख्यमंत्री वसुंधरा राजे, तीरथ सिंह रावत और बिप्लब कुमार देब शामिल हैं। पूर्व संगठन मंत्री सुनील बंसल को दोबारा संगठन मंत्री बनाया गया है, वहीं राम माधव की टीम में वापसी हुई है उन्हें उपाध्यक्ष बनाया गया है। इसके अलावा कई पूर्व प्रदेश अध्यक्षों को भी राष्ट्रीय स्तर पर जिम्मेदारी दी गई है।

टीम में केंद्र सरकार में पूर्व अनुभव रखने वाले चार नेता और एक मौजूदा केंद्रीय मंत्री भी शामिल हैं। वहीं लोकसभा और राज्यसभा से जुड़े 18 सक्रिय जनप्रतिनिधियों को जगह दी गई है, जो विधायी अनुभव और जमीनी राजनीतिक संपर्क को राष्ट्रीय टीम में लेकर आएंगे। आंध्र प्रदेश से डी पुरंदेश्वरी राष्ट्रीय उपाध्यक्ष बनी और तमिलनाडु के मा व्यंकटेशन को राष्ट्रीय सचिव बनाया।

भाजपा की राष्ट्रीय टीम में राजनीतिक अनुभव के साथ विभिन्न पेशेवर क्षेत्रों की विशेषज्ञता को भी जगह मिली है। सूची में प्रोफेसर, पीएचडी धारक, डॉक्टर, इंजीनियर, चार्टर्ड अकाउंटेंट और वकील जैसे पेशेवर शामिल हैं। इनमें कैंसर स्पेशलिस्ट डॉ. मधुचंद्रा कर और कर्नाटक में प्रोफेसर एम नागराज को राष्ट्रीय उपाध्यक्ष बनाया गया है। इसके अलावा जेएनयू में एबीवीपी कार्यकर्ता रहे और मौजूदा समय में दिल्ली विश्वविद्यालय के प्रोफेसर डॉ. स्वदेश सिंह को राष्ट्रीय सचिव बनाया गया है। इसके साथ दिल्ली से नगर निगम मेयर रहे जय प्रकाश को राष्ट्रीय सचिव और डीडीए के सदस्य रहे राजीव बब्बर को नॉर्थ इस्ट सह संयोजक बनाया गया है।

आम आदमी पार्टी से भाजपा में आए संदीप पाठक को भी टीम में राष्ट्रीय सचिव बनाया गया है। कुल मिलाकर, नई राष्ट्रीय टीम में अनुभव और युवा ऊर्जा के साथ क्षेत्रीय, सामाजिक, महिला तथा धार्मिक प्रतिनिधित्व का संतुलन बनाने की कोशिश दिखाई देती है। पार्टी के अनुसार, इससे राष्ट्रीय संगठन को देश की अलग-अलग सामाजिक और क्षेत्रीय परिस्थितियों की बेहतर समझ के साथ काम करने में मदद मिलेगी।

संक्षिप्त समाचार

केजरीवाल की राजनीतिक सोच नक्सल प्रवृत्ति की, भ्रष्टाचार उनके अंदर है: हर्ष मल्होत्रा

नई दिल्ली, 17 अगस्त (हि.स.)। भारतीय जनता पार्टी (भाजपा) के दिल्ली प्रदेश अध्यक्ष हर्ष मल्होत्रा ने आम आदमी पार्टी (आआपा) के राष्ट्रीय संयोजक अरविंद केजरीवाल पर तीखा हमला बोलते हुए कहा कि उनका खुद को दिमागी नक्सल बताते हुए देशभक्त और व्यवस्था परिवर्तन का समर्थक कहना हास्यास्पद

है। दिल्ली भाजपा अध्यक्ष हर्ष मल्होत्रा ने सोमवार को एक बयान जारी कर कहा कि केजरीवाल की राजनीतिक सोच कल भी नक्सल प्रवृत्ति की थी और आज भी वैसी ही है। उन्होंने आरोप लगाया कि भ्रष्टाचार के खिलाफ बड़े-बड़े दावे करने वाले केजरीवाल और उनकी सरकारें दिल्ली व पंजाब में व्यवस्था परिवर्तन और भ्रष्टाचार रोकने में विफल रही हैं। दिल्ली भाजपा अध्यक्ष ने कहा कि राजधानी में भाजपा सरकार होने के कारण केजरीवाल छात्र आंदोलनों के समर्थन में सामने आते हैं, जबकि पंजाब और झारखंड में छात्र आंदोलनों पर कार्रवाई के मामलों में उनकी चुप्पी सवाल खड़े करती है। उन्होंने कहा कि केजरीवाल का सड़ी-गली व्यवस्था बदलने और भ्रष्टाचार मुक्त भारत का दावा पूरी तरह झूठा है। उन्होंने कहा कि दिल्ली और पंजाब की जनता गवाह है कि केजरीवाल एवं उनकी सरकारों ने दोनों राज्यों में कितना व्यवस्था परिवर्तन किया और भ्रष्टाचार पर कितना अंकुश लगाया। मल्होत्रा ने कहा कि देश गणतंत्र दिवस की व्यवस्थाओं को लेकर 2014 में तत्कालीन राजपथ पर हुए विवाद और कुछ वर्ष बाद उपराज्यपाल निवास पर केजरीवाल के धरने को भूला नहीं है। उन्होंने आरोप लगाया कि इन घटनाओं ने केजरीवाल की अराजक राजनीतिक कार्यशैली को उजागर किया।

निमार्णाधीन हॉस्टल का स्लाइडिंग गेट गिरा, सुरक्षा गार्ड की मौत

नई दिल्ली, 17 अगस्त (हि.स.)। नई दिल्ली जिले के केजी मार्ग स्थित निमार्णाधीन हॉस्टल में रविवार दोपहर दर्दनाक हादसा हो गया। बिजली कनेक्शन का काम करने के दौरान अचानक स्लाइडिंग गेट गिर गया और उसकी चपेट में आने से सुरक्षा गार्ड धर्मपाल (50) गंभीर रूप से घायल हो गए। उन्हें बेहोशी की हालत में डॉ. राम मनोहर लोहिया अस्पताल ले जाया गया, जहां उपचार के दौरान उनकी मौत हो गई। पुलिस ने मामले में लापरवाही का केस दर्ज कर जांच शुरू कर दी है। पुलिस के अनुसार, 16 अगस्त को शाम करीब 5:08 बजे संसद मार्ग थाना पुलिस को सूचना मिली कि केजी मार्ग स्थित निमार्णाधीन हॉस्टल में स्लाइडिंग गेट गिरने से एक सुरक्षा गार्ड घायल हो गया है। पुलिस टीम मौके पर पहुंची तो पता चला कि घायल धर्मपाल को अस्पताल ले जाया जा चुका है। अस्पताल में इलाज के दौरान उन्होंने दम तोड़ दिया। धर्मपाल हरदोई जिले के गणेशपुर गांव के रहने वाले थे। वह निमार्णाधीन हॉस्टल में सुरक्षा गार्ड की ड्यूटी करते थे। पूछताछ में धर्मपाल के सहकर्मी बृजेश तिवारी (54) ने पुलिस को बताया कि दोनों सुबह नौ बजे से रात नौ बजे तक ड्यूटी पर थे। रविवार दोपहर करीब 12 से 12:30 बजे के बीच दो इलेक्ट्रिशियन पहले से लगे स्लाइडिंग गेट पर बिजली का कनेक्शन करने का काम कर रहे थे। इसी दौरान अचानक गेट धर्मपाल की ओर गिर गया। वह उसके नीचे दब गए। पुलिस अब यह पता लगाने में जुटी है कि गेट किस वजह से गिरा और बिजली कनेक्शन का काम करते समय सुरक्षा के पर्याप्त इंतजाम किए गए थे या नहीं।

विद्यार्थियों के भविष्य से खिलवाड़ बंद करे एनटीएः अभाविप

नई दिल्ली, 17 अगस्त (हि.स.)। अखिल भारतीय विद्यार्थी परिषद (अभाविप) ने जून 2026 में आयोजित यूजीसी नेट परीक्षा के अंग्रेजी, वाणिज्य एवं समाजशास्त्र विषयों की परीक्षा पुनः आयोजित किए जाने पर चिंता व्यक्त की है। उन्होंने कहा कि एनटीए विद्यार्थियों के भविष्य के साथ खिलवाड़ बंद करे और पूरे मामले की परिस्थितियों एवं जिम्मेदारी को स्पष्ट करे। अभाविप ने कहा कि एनटीए द्वारा जारी सूचना के अनुसार इन तीनों प्रश्नपत्रों में तथ्यात्मक, टाइपोग्राफिकल, अनुवाद एवं भाषा संबंधी गंभीर त्रुटियां पाई गई हैं। इसे पहले परिषद ने पूर्व में यूजीसी सचिव को ज्ञापन सौंपकर प्रोविजनल उत्तर कुंजी जारी करने में हो रही देरी को लेकर इसे जल्द जारी करने की मांग की थी। परिषद ने कहा कि एनटीए को स्पष्ट करना चाहिए कि ऐसी त्रुटियां किन परिस्थितियों में हुईं और प्रश्नपत्र निर्माण एवं गुणवत्ता जांच के दौरान इन्हें समय रहते क्यों नहीं पकड़ा गया? परिषद ने बताया कि अभाविप देशभर में विद्यार्थियों, शिक्षाविदों एवं अन्य हितधारकों से परीक्षा सुधार के संबंध में सुझाव ले रही है। चंडीगढ़, दिल्ली एवं पटना में इस दिशा में बैठकें आयोजित की जा चुकी हैं तथा प्राप्त सुझावों को परीक्षा सुधार हेतु गठित उच्च स्तरीय समिति के समक्ष प्रस्तुत किया जाएगा। अभाविप के राष्ट्रीय महामंत्री डॉ. वीरेन्द्र सिंह सोलंकी ने कहा कि यूजीसी नेट जैसी राष्ट्रीय स्तर की परीक्षा में इस प्रकार की गंभीर त्रुटियां सामने आना अत्यंत चिंताजनक है। एनटीए की लापरवाही का सीधा प्रभाव विद्यार्थियों के समय, धन और उनके भविष्य पर पड़ रहा है। वीरेन्द्र सोलंकी ने कहा कि अभाविप की मांग है कि एनटीए पुनः परीक्षा दे रहे विद्यार्थियों के लिए परीक्षा केंद्रों का उचित आवंटन सुनिश्चित करने के साथ उनके आवागमन हेतु समुचित व्यवस्था भी करे, ताकि विद्यार्थियों पर अतिरिक्त आर्थिक और मानसिक बोझ न पड़े। उन्होंने कहा कि एनटीए को यह भी सुनिश्चित करना चाहिए कि प्रश्नपत्र निर्माण, विशेषज्ञ समीक्षा, अनुवाद और अंतिम गुणवत्ता जांच की प्रक्रिया में ऐसी त्रुटियों की पुनरावृत्ति न हो और इसके लिए स्पष्ट जवाबदेही तय की जाए। उन्होंने कहा कि अभाविप स्पष्ट रूप से चेतावनी देती है कि यदि विद्यार्थियों की समस्याओं का समयबद्ध समाधान नहीं किया गया और परीक्षा व्यवस्था में आवश्यक सुधार नहीं हुए तो अभाविप देशभर में विद्यार्थियों के साथ मिलकर इस विषय को मजबूती से उठाएगी।

सरकार यूजी, पीजी और सुपर-स्पेशियलिटी सीटों की संख्या बढ़ाकर मेडिकल शिक्षा को मजबूत कर रही है : पंकज कुमार सिंह

नई दिल्ली, 17 अगस्त (हि.स.)। दिल्ली के स्वास्थ्य मंत्री डॉ. पंकज कुमार सिंह ने कहा कि राजधानी क्षेत्र में अंडरग्रेजुएट (यूजी), पोस्ट ग्रेजुएट (पीजी) और सुपर-स्पेशियलिटी (एसएस) मेडिकल सीटों को चरणबद्ध तरीके से बढ़ाकर मेडिकल शिक्षा की क्षमता में महत्वपूर्ण बढ़ोतरी करने जा रही है।

इस रोडमैप के तहत सरकार ने तीन-तरफा रणनीति अपनाई है, जिसमें नए चिकित्सा संस्थानों में सीटों का विस्तार, मौजूदा संस्थानों की क्षमता का विस्तार और पोस्ट-ग्रेजुएट और एडवांस्ड मेडिकल प्रोग्राम का विस्तार शामिल है।

स्वास्थ्य मंत्री ने सोमवार को एक विज्ञप्ति जारी कर कहा कि ग्रीनफील्ड अप्रोच के तहत द्वारका स्थित इंदिरा गांधी अस्पताल (आईजीएच) और गुरु गोबिंद सिंह अस्पताल से जुड़े निमार्णाधीन मेडिकल कॉलेजों में 150-150 एमबीबीएस की सीटें प्रस्तावित हैं, जिससे कुल 300 नई अंडरग्रेजुएट (यूजी) सीटें जोड़ी जाएंगी। ब्राउनफील्ड विस्तार के तहत डॉक्टर बीएसए मेडिकल कॉलेज और अस्पताल में एमबीबीएस सीटों की संख्या 125 से बढ़ाकर 200 सीटें करने का प्रस्ताव है, जबकि मौलाना आजाद इंस्टीट्यूट ऑफ डेंटल साइंसेज (एमएआईडीएस) में बीडीएस की सीटों की संख्या 50 से बढ़ाकर 70 की जाएगी।

उन्होंने बताया कि पीजी शिक्षा के लिए मौलाना आजाद मेडिकल कॉलेज (एमएएमसी) में पीजी सीटों की संख्या 260 से बढ़ाकर 295 करने का प्रस्ताव है, यानी 35 सीटें बढ़ाई जाएंगी, जबकि एमएआईडीएस में पीजी सीटें 22 से बढ़ाकर 42 की जाएंगी। बीएसए मेडिकल कॉलेज में भी 24 सीटों वाले पीजी कोर्स शुरू करने का प्रस्ताव है। इस रोडमैप में दिल्ली के सरकारी मेडिकल संस्थानों में 103 और पीजी और डीएनबी सीटें जोड़ने का भी प्रस्ताव है। मेडिकल संस्थानों के हिसाब से सीटों का ब्योरा इस प्रकार है।

दिल्ली के बीएसए मेडिकल कॉलेज में 24 एमडी/एमएस सीटें, मौलाना आजाद मेडिकल कॉलेज में 35 एमडी/एमएस सीटें, आईजीएमसीमें डीएनबी की 18 सीटें, दीप चंद बंधु अस्पताल में डीएनबी की

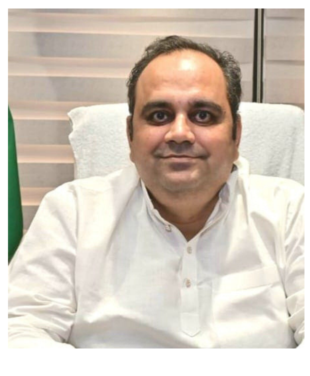

8 सीटें, जीटीबी अस्पताल में डीएनबी की 2 सीटें, यूसीएमएस और जेटीबी अस्पताल में एमडी/एमएस की 4 सीटें, गुरु गोबिंद सिंह सरकारी अस्पताल में 2 डीएनबी सीटें, संजय गांधी मेमोरियल अस्पताल में डीएनबी की 4 सीटें, भगवान महावीर अस्पताल में डीएनबी की 2 सीटें और दिल्ली स्टेट कैंसर इंस्टीट्यूट में एमडी की 4 सीटें शामिल हैं।

इनसे कुल मिलाकर 67 एमडी/एमएस की सीटें और 36 डीएनबी सीटें जुड़ेंगी, जिससे पीजी और डीएनबी क्षमता में कुल 103 सीटों की बढ़ोतरी होगी। इसके अलावा 5 फेलोशिप सीटों का भी प्रस्ताव है, जिनमें से 3 जीटीबी अस्पताल में और दो दिल्ली स्टेट कैंसर इंस्टीट्यूट की सीटें शामिल हैं, जिससे नई एडवांस्ड मेडिकल सीटों की कुल संख्या बढ़कर 108 हो जाएगी।

स्वास्थ्य स्वास्थ्य मंत्री ने कहा कि मेडिकल शिक्षा का विस्तार करने का मतलब सिर्फ सीटों की संख्या बढ़ाना नहीं है। इसका मकसद ऐसे ट्रेंड डॉक्टर, स्पेशलिस्ट और सुपर-स्पेशलिस्ट तैयार करना है, जो राजधानी दिल्ली के नागरिकों की सेवा कर सकें। सरकार डीएम/एमसीएच जैसे सुपर-स्पेशियलिटी प्रोग्राम और स्ट्रक्चर्ड पोस्ट-डॉक्टरल फेलोशिप प्रोग्राम के विस्तार की दिशा में भी तेजी से काम कर रही है। प्रस्तावित रोडमैप को एक रणनीतिक कार्ययोजना के तौर पर आगे बढ़ाया जा रहा है और नेशनल मेडिकल कमीशन (एनएमसी) समेत अन्य सक्षम प्राधिकरणों से जरूरी अनुमोदन प्राप्त किया जा रहा है।

कृषि और खाद्य सुरक्षा के क्षेत्र में भारत-नाइजीरिया सहयोग की व्यापक संभावनाएं : कपिल मिश्रा

नई दिल्ली, 17 अगस्त (हि.स.)। दिल्ली के पर्यटन एवं विकास मंत्री कपिल मिश्रा ने कहा कि भारत और नाइजीरिया के बीच कृषि और खाद्य सुरक्षा के क्षेत्र में सहयोग की व्यापक संभावनाएं हैं। दिल्ली सरकार द्वारा किसानों के हित में किए जा रहे कार्यों, कृषि योजनाओं और मंडी व्यवस्था के अनुभवों को साझा करना दोनों देशों के लिए उपयोगी साबित हो सकता है। यह बातें उन्होंने सोमवार को दिल्ली सचिवालय में नाइजीरिया संघीय गणराज्य के कृषि एवं खाद्य सुरक्षा राज्य मंत्री डॉ. अलीयू साबी अब्दुल्लाही और उनके प्रतिनिधिमंडल के साथ बैठक में कही। मंत्री कपिल मिश्रा ने आज दिल्ली सचिवालय में नाइजीरियाई मंत्री एवं प्रतिनिधिमंडल का स्वागत किया। उन्होंने बैठक में कृषि विकास, किसानों के कल्याण, खाद्य सुरक्षा और कृषि उपज के बेहतर प्रबंधन से जुड़े विभिन्न विषयों पर विस्तार से चर्चा हुई। बैठक की शुरूआत दोनों पक्षों के संक्षिप्त परिचय के साथ हुई। इसके बाद दिल्ली सरकार के विकास विभाग ने दिल्ली में कृषि क्षेत्र की वर्तमान स्थिति तथा किसानों के कल्याण के लिए दिल्ली सरकार और भारत सरकार द्वारा संचालित विभिन्न योजनाओं एवं पहलों की जानकारी साझा की।

बैठक में दिल्ली कृषि विपणन बोर्ड (डीएएमबी) ने भी विस्तृत प्रस्तुति दी। इसमें मंडियों के माध्यम से अनाज, सब्जियों, फलों और फूलों की आपूर्ति एवं विपणन श्रृंखला के प्रबंधन, कृषि उपज के बाजार तक पहुंचने की प्रक्रिया तथा मंडी व्यवस्था की भूमिका के बारे में जानकारी दी गई। मंत्री कपिल मिश्रा ने कहा कि कृषि क्षेत्र में तकनीक, बेहतर प्रबंधन और मजबूत बाजार व्यवस्था किसानों के हितों की रक्षा करने के साथ-साथ खाद्य सुरक्षा को मजबूत करने में महत्वपूर्ण भूमिका निभाती है। आज की बैठक के माध्यम से कृषि विकास और खाद्य सुरक्षा के क्षेत्र में आपसी सहयोग की नई संभावनाओं पर सार्थक संवाद हुआ है। नाइजीरिया के कृषि एवं खाद्य सुरक्षा राज्य मंत्री ने बैठक और प्रस्तुतियों के लिए दिल्ली सरकार का आभार व्यक्त किया। उन्होंने बैठक में साझा की गई जानकारी को उपयोगी एवं ज्ञानवर्धक बताया तथा नाइजीरिया में कृषि क्षेत्र के विकास और खाद्य सुरक्षा को मजबूत करने की दिशा में दिल्ली सरकार के सहयोग के लिए धन्यवाद व्यक्त किया। बैठक के दौरान दोनों देशों के बीच कृषि क्षेत्र में ज्ञान, अनुभव और विशेषज्ञता के आदान-प्रदान को आगे बढ़ाने तथा भविष्य में सहयोग की संभावनाओं पर संवाद जारी रखने पर भी चर्चा हुई।

आआपा नेता अंकुश नारंग ने जलमंत्री और डीजेबी सीईओ को लिखा पत्र

नई दिल्ली, 17 अगस्त (हि.स.)। आम आदमी पार्टी (आआपा) के वरिष्ठ नेता और दिल्ली नगर निगम (एमसीडी) में नेता प्रतिपक्ष अंकुश नारंग ने पश्चिमी पटेल नगर के रंजीत नगर वार्ड 87 में सीवर ओवरफ्लो, खुले गटर और जलभराव को लेकर सोमवार को जलमंत्री प्रवेश साहिव वर्मा और दिल्ली जल बोर्ड (डीजेबी) सीईओ को पत्र लिखा है। उन्होंने जल मंत्री और डीजेबी के सीईओ से तत्काल सीवर सफाई, खुले गटर बंद करने, जलनिकासी का स्थायी समाधान करने की मांग की। साथ ही, लापरवाही बरतने वाले दिल्ली जल बोर्ड के अधिकारियों की जवाबदेही तय करने और उन पर सख्त कार्रवाई की भी मांग की। अंकुश नारंग ने पत्र में कहा कि पश्चिमी पटेल नगर एवं रंजीत नगर वार्ड नं. 87 के निवासियों की सीवर संबंधी गंभीर समस्या सामने आई है। क्षेत्र में लंबे समय से सीवर ओवरफ्लो, खुले गटर, गंदे पानी का फैलाव और जलभराव की समस्या बनी हुई है। इसके कारण स्थानीय निवासियों को अत्यंत कठिनाइयों का सामना करना पड़ रहा है तथा क्षेत्र में गंदगी और दुर्गंध के कारण स्वास्थ्य संबंधी गंभीर खतरा उत्पन्न हो गया है।

उन्होंने पत्र में कहा कि स्थानीय निवासियों की ओर से संबंधित विभाग और उसके कर्मचारियों को कई बार शिकायतें दर्ज कराई गई हैं, लेकिन इसके बावजूद संबंधित कर्मचारियों की

ओर से समस्या के समाधान के लिए अपेक्षित कार्रवाई नहीं की जा रही है। उन्होंने कहा कि शिकायतों की लगातार अनदेखी किया जाना अत्यंत दुर्भाग्यपूर्ण एवं चिंताजनक है।

अंकुश नारंग ने मांग की है कि क्षेत्र में सीवर ओवरफ्लो की समस्या का तत्काल समाधान कराया जाए। सभी खुले गटरों को प्राथमिकता के आधार पर बंद एवं सुरक्षित कराया जाए। जलभराव वाले स्थानों से तत्काल गंदे पानी की निकासी कराई जाए। सीवर लाइनों की पूरी तरह सफाई एवं आवश्यकतानुसार मरम्मत कराई जाए। साथ ही उन्होंने पूर्व में दर्ज शिकायतों पर कार्रवाई न करने वाले संबंधित अधिकारियों एवं कर्मचारियों की जवाबदेही तय करने की भी बात की।

नारंग ने कहा कि क्षेत्र का निरीक्षण कर समस्या का स्थायी समाधान सुनिश्चित किया जाए और भविष्य में ऐसी समस्या दोबारा उत्पन्न न हो, इसकी उचित व्यवस्था की जाए।

अंकुश नारंग ने जलमंत्री और डीजेबी के सीईओ से अपेक्षा की है कि जनहित में इस मामले को प्राथमिकता देते हुए तत्काल आवश्यक कार्रवाई सुनिश्चित करेंगे और संबंधित अधिकारियों से की गई कार्रवाई की रिपोर्ट भी प्राप्त करेंगे।

मुख्यमंत्री ने दिल्ली को कूड़े से आजादी-स्वच्छता अभियान का किया शुभारंभ, सर्वश्रेष्ठ वार्डों को मिलेंगे 1 करोड़ रुपये

नई दिल्ली, 17 अगस्त (हि.स.)। दिल्ली की मुख्यमंत्री रेखा गुप्ता ने सोमवार को दिल्ली को कूड़े से आजादी-स्वच्छता अभियान 2026 की दिल्ली नगर निगम मुख्यालय स्थित केदारनाथ साहनी ऑडिटोरियम में शुभारंभ किया। उन्होंने कहा कि 2 अक्टूबर तक दिल्ली के कोने-कोने में स्वच्छता को लेकर व्यापक जनभागीदारी का अभियान चलेगा। स्वच्छता में उत्कृष्ट प्रदर्शन करने वाले सर्वश्रेष्ठ वार्डों को 1 करोड़ रुपये का प्रोत्साहन भी दिया जाएगा।

इस अभियान के तहत दिल्ली सरकार के विभाग, दिल्ली नगर निगम (एमसीडी), नई दिल्ली नगरपालिका परिषद (एनडीएमसी) और अन्य एजेंसियां मिलकर कूड़े के संवेदनशील स्थानों, बाजारों, पार्कों, जलाशयों, झुग्गी बस्तियों और सार्वजनिक स्थलों पर विशेष सफाई अभियान चलाएंगी।

इस अवसर पर दिल्ली भाजपा प्रदेश अध्यक्ष एवं केंद्रीय राज्य मंत्री हर्ष मल्होत्रा जी, दिल्ली के शहरी मंत्री आशीष सूद, दिल्ली के महपौर प्रवेश वाही, विधायक अभय वर्मा मौजूद रहे।

इस अवसर पर केंद्रीय राज्य मंत्री हर्ष मल्होत्रा ने कहा कि दिल्ली को कूड़े से आजादी का संकल्प केवल सफाई व्यवस्था तक सीमित नहीं है, बल्कि यह लोगों की सोच और व्यवहार में स्वच्छता को शामिल करने का अभियान है।

उन्होंने महात्मा गांधी जी द्वारा स्वच्छता को स्वतंत्रता के आंदोलन से जोड़ने का उल्लेख करते हुए कहा कि माननीय प्रधानमंत्री श्री नरेन्द्र मोदी जी ने भी प्रधानमंत्री का पदभार संभालने के बाद अपने पहले स्वतंत्रता दिवस संबोधन में स्वच्छता को राष्ट्रीय आंदोलन बनाने का आह्वान किया था। उस समय आलोचनाओं के बावजूद स्वच्छता अभियान ने देशभर में जनआंदोलन का रूप लिया और करोड़ों परिवारों को सम्मानजनक शौचालय की सुविधा उपलब्ध कराने में महत्वपूर्ण भूमिका निभाई।

मुख्यमंत्री ने कहा कि स्वच्छता केवल किसी एक विभाग या एजेंसी की जिम्मेदारी नहीं, बल्कि प्रत्येक नागरिक की साझा जिम्मेदारी है।

दिल्ली को कूड़े से आजादी दिलाने के लिए सरकार का लक्ष्य केवल सफाई अभियान चलाना नहीं, बल्कि स्वच्छता को नागरिकों के दैनिक व्यवहार और जीवनशैली का हिस्सा बनाना है। इसके

लिए सरकारी विभागों, स्थानीय निकायों, बाजार संगठनों, आरडब्ल्यूए, शैक्षणिक संस्थानों, औद्योगिक संगठनों, स्वयंसेवी संस्थाओं और आम नागरिकों को एक साथ जोड़कर इस अभियान को व्यापक जनभागीदारी का स्वरूप दिया जाएगा।

उन्होंने कहा कि दिल्ली की सबसे बड़ी समस्याओं में कूड़ा और गंदगी प्रमुख हैं। प्रतिदिन बड़ी मात्रा में कूड़ा उत्पन्न होने के बावजूद उसका पर्याप्त प्रसंस्करण न होने के कारण दिल्ली में कूड़े के पहाड़ खड़े हुए। अब इन समस्याओं के समाधान के लिए सरकार पूरी गंभीरता और दृढ़ इच्छाशक्ति के साथ काम कर रही है।

दिल्ली नगर निगम की आर्थिक समस्याओं को दूर करना सरकार की प्राथमिकता है।

उन्होंने अधिकारियों को स्पष्ट आश्वासन दिया कि फंड की कमी को स्वच्छता के काम में बाधा नहीं बनने दिया जाएगा, लेकिन इसके साथ अधिकारियों और जनप्रतिनिधियों में इच्छाशक्ति, जिम्मेदारी और परिणाम देने का संकल्प होना जरूरी है।

वार्डों के बीच स्वच्छता प्रतियोगिता

मुख्यमंत्री ने घोषणा की कि अगले 12 महीनों तक वार्ड स्तर पर स्वच्छता प्रतियोगिता आयोजित की जाएगी। प्रत्येक महीने जो वार्ड सबसे अधिक स्वच्छ पाया जाएगा, उसे एक करोड़ रुपये का फंड दिया जाएगा।

यदि कोई वार्ड लगातार अगले महीने भी उत्कृष्ट प्रदर्शन करता है तो उसे फिर से दो करोड़ रुपये तक का अतिरिक्त प्रोत्साहन मिल सकता है और वर्षभर में एक वार्ड को 12 करोड़ रुपये तक का सीएमडीएफ फंड उपलब्ध कराया जा सकता है।

उन्होंने स्पष्ट किया कि यह फंड प्रतियोगिता में प्रदर्शन के आधार पर मिलेगा। वार्डों की स्वच्छता का आकलन एक स्वतंत्र एजेंसी की रिपोर्ट, अधिकारियों की रिपोर्ट और नागरिकों/सोशल मीडिया के माध्यम से प्राप्त शिकायतों के आधार पर किया जाएगा। मुख्यमंत्री ने कहा कि यदि किसी वार्ड में कूड़ा पड़ा होने की शिकायत सामने आती है तो संबंधित वार्ड को प्रतियोगिता से बाहर किया जा सकता है।

मुख्यमंत्री ने कूड़ा प्रबंधन के लिए चार सी यानी कलेक्शन, क्लीनिंग, कन्वर्जन और सर्कुलर इकोनॉमी पर विशेष जोर दिया।

उन्होंने कहा कि जहां कूड़ा पैदा हो, वहीं उसका सेग्रिगेशन हो; जहां कूड़ा एकत्रित हो, वहां उसका प्रॉपर कलेक्शन सुनिश्चित हो; कूड़ा प्रसंस्करण केंद्र तक पहुंचने के बाद उसका वैज्ञानिक तरीके से प्रोसेसिंग और डिस्पोजल हो तथा जहां कहीं गंदगी दिखाई दे, वहां तत्काल एक्शन लिया जाए। कचरे को संसाधन में बदलकर ग्रीन फ्यूल और सर्कुलर इकोनॉमी को बढ़ावा देने की दिशा में भी काम किया जाएगा।

मुख्यमंत्री ने बताया कि 23 और 30 अगस्त तथा 6 और 13 सितंबर को झुग्गी-झोपड़ी समूहों में विशेष सफाई अभियान चलाया जाएगा। प्रत्येक शनिवार और रविवार को सार्वजनिक शौचालयों की सफाई पर विशेष ध्यान दिया जाएगा। 1 से 10 सितंबर तक पार्कों से ग्रीन वेस्ट हटाने का अभियान चलेगा।

साथ ही 17 सितंबर को प्रत्येक क्षेत्र के सरकारी अस्पतालों में विशेष स्वच्छता अभियान आयोजित किया जाएगा। 17 सितंबर से 2 अक्टूबर तक मेरा स्कूल, सबसे सुंदर प्रतियोगिता के माध्यम से सरकारी स्कूलों के रखरखाव और सौंदर्यीकरण पर ध्यान दिया जाएगा तथा स्कूलों में जीरो वेस्ट कैंपस अभियान शुरू किया जाएगा।

तिरंगा यात्रा को मुख्यमंत्री ने दिखाई हरी झंडी, देशभक्ति के रंग में रंगा कनॉट प्लेस

नई दिल्ली, 17 अगस्त (हि.स.)। दिल्ली की मुख्यमंत्री रेखा गुप्ता ने सोमवार को नई दिल्ली नगरपालिका परिषद (एनडीएमसी) द्वारा आयोजित तिरंगा यात्रा को हरी झंडी दिखाई। उन्होंने इस मौके पर कहा कि तिरंगा यात्रा में शामिल हर दिल्लीवासी ने आज कनॉट प्लेस को देशभक्ति के रंग में रंग दिया। युवाओं के हाथों में शान से लहराता तिरंगा और एक साथ गूंजता वंदे मातरम्-ऐसा दृश्य था, जिसने असंख्य वीरों के त्याग, बलिदान और देश के लिए उनके समर्पण को हम सभी के हृदय में फिर जीवंत कर दिया।

मुख्यमंत्री के साथ तिरंगा यात्रा में नई दिल्ली नगरपालिका अध्यक्ष मनोज कुमार द्विवेदी, उपाध्यक्ष कुलजीत सिंह चहल, परिषद के सदस्य दिनेश प्रताप सिंह, अनिल वाल्मीकि एवं सरिता तोमर, एनडीएमसी सचिव राहुल सिंह, एनडीएमसी के वरिष्ठ अधिकारी, रेजिडेंट वेलफेयर एसोसिएशन और मार्केट ट्रेडर्स एसोसिएशन के प्रतिनिधि तथा समाज के विभिन्न वर्गों से आए नागरिक शामिल हुए।

हर घर तिरंगा अभियान के तहत आयोजित इस तिरंगा यात्रा में 6000 से अधिक एनडीएमसी के विद्यालयों के हजारों विद्यार्थियों और शिक्षकों, अभिभावकों, एनडीएमसी कर्मचारियों, विशिष्ट अतिथियों तथा समाज के विभिन्न वर्गों के नागरिकों ने उत्साहपूर्वक भाग लिया। प्रतिभागियों ने अत्यंत गर्व और उत्साह के साथ तिरंगा हाथ में लेकर कनॉट प्लेस के इनर सर्कल में एक साथ मार्च किया तथा देशभक्ति, एकता और राष्ट्रीय एकजुटता का संदेश दिया।

तिरंगा यात्रा को संबोधित करते हुए मुख्यमंत्री ने कहा कि हाथों में तिरंगा लेकर चलना केवल एक यात्रा नहीं, बल्कि राष्ट्र के प्रति प्रेम, गौरव, सम्मान और देशभक्ति की सामूहिक अभिव्यक्ति है।

एनएसयूआई का एनटीए कार्यालय के बाहर प्रदर्शन, एनटीए को भंग करने की मांग

नई दिल्ली, 17 अगस्त (हि.स.)। भारतीय राष्ट्रीय छात्र संगठन (एनएसयूआई) ने राष्ट्रीय अध्यक्ष विनोद जाखड़ के नेतृत्व में सोमवार को यूजीसी-नेट जून 2026 परीक्षा में अनियमितताओं के खिलाफ राष्ट्रीय परीक्षा एजेंसी (एनटीए) के कार्यालय के बाहर प्रदर्शन किया। प्रदर्शन में एनएसयूआई के हजारों कार्यकताओं और यूजीसी-नेट अभ्यर्थियों ने भाग लिया। प्रदर्शन के दौरान एनएसयूआई के कई कार्यकताओं को पुलिस ने हिरासत में लिया। प्रदर्शनकारियों को संबोधित करते हुए एनएसयूआई के राष्ट्रीय अध्यक्ष विनोद जाखड़ ने एनटीए को भंग करने और एनटीए के अध्यक्ष के तत्काल इस्तीफे की मांग की। उन्होंने आरोप लगाया कि परीक्षा व्यवस्था की लगातार विफलताएं राजनीतिक हस्तक्षेप को दशार्ती हैं और शैक्षणिक संस्थानों की विश्वसनीयता को कमजोर करने में सरकार की भूमिका है। जाखड़ ने कहा कि यह प्रदर्शन एनटीए द्वारा अंग्रेजी, वाणिज्य और समाजशास्त्र विषयों की पुनः परीक्षा कराने के फैसले के बाद किया गया। जांच में तथ्यात्मक, टंकण, अनुवाद और व्याकरण संबंधी त्रुटियों के साथ-साथ पहले पूछे जा चुके प्रश्नों की महत्वपूर्ण संख्या में पुनरावृत्ति जैसी गंभीर खामियां सामने आई हैं।

भविष्यफल

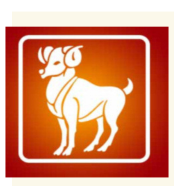

मेष- मेल-मिलाप से काम बनाने की कोशिश सफल होगी। कामकाज में आ रहा अवरोध दूर होकर प्रगति का रास्ता मिल जाएगा। अपने काम में सुविधा मिल जाने से प्रगति होगी। समाज में मान-सम्मान बढ़ेगा। नवीन जिम्मेदारी बढ़ने के आसार रहेंगे। अपने काम को प्राथमिकता से करें। शुभांक-6-8-9

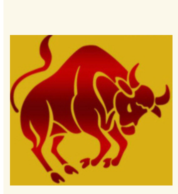

वृष- आत्मविश्वास बढ़ेगा। कारोबारी काम में बाधा उभरने से मानसिक अशांति बनी रहेगी। यात्रा का दूरगामी परिणाम मिल जाएगा। सुविधा और समन्वय बना रहने से कामकाज में प्रगति बन जाएगी। आर्थिक हित के काम को साधने में मदद मिल जाएगी। मांगलिक कार्योंक्रमों का आयोजन होगा। शुभांक-2-5-8

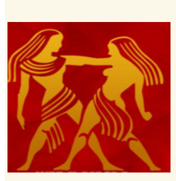

मिथुन- विरोधी नुकसान पहुंचाने की कोशिश करेगा। स्वास्थ्य लाभ में समय और धन व्यय होगा। मध्याह्न पूर्व समय आपके पक्ष का बना रहेगा। कारोबारी काम में प्रगति बनती रहेगी। लेन-देन में आ रही बाधा दूर करने का प्रयास होंगे। परिश्रम प्रयास से काम बनाने की कोशिश लाभ देगी। शुभांक-5-7-8

कर्क- पर-प्रपंच में ना पड़कर अपने काम पर ध्यान दीजिए। कल का परिश्रम आज लाभ देगा। आलस्य का त्याग करें। कारोबारी काम में नवीन तालमेल और समन्वय बन जाएगा। यार-दोस्तों के साथ साझे में किए जा रहे काम में लाभ मिल जाएगा। पूर्व नियोजित कार्यक्रम सरलता से संपन्न हो जाएंग। शुभांक-4-5-7

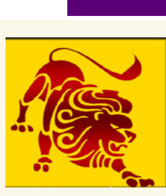

सिंह- कार्यक्षेत्र में संतोषजनक सफलता मिलेगी। अपनों का सहयोग प्राप्त होगा। पत्नी व संतान पक्ष से थोड़ी ड्रूषचता रहेगी। शिक्षा में आशानुकूल कार्य होने में संदेह है। व्यापार व व्यवसाय में स्थिति उत्तम रहेगी। नौकरी में पदोन्नति की संभावना है। मित्रों से सावधान रहें तो ज्यादा उत्तम है। शुभांक-1-3-6

कन्या- पठन-पाठन में स्थिति कमजोर रहेगी। खान-पान में सावधानी रखें। कामकाज में आ रहा अवरोध दूर होकर प्रगति का रास्ता मिल जाएगा। मान-सम्मान में वृद्धि होगी। अच्छे कार्य के लिए रास्ते बना लेंगें। स्वास्थ्य उत्तम रहेगा। निष्ठा से किया गया कार्य पराक्रम व आत्मविश्वास बढ़ाने वाला होगा। शुभांक-2-4-6

तुला- खान-पान में सावधानी रखें। शारीरिक सुख के लिए व्यसनों का त्याग करें। संतान पक्ष की समस्या समाप्त होगी। व्यापार में प्रगति होगी। अपने अधीनस्त लोगों से कम सहयोग मिलेगा। भ्रातृपक्ष में विरोध होने की संभावना है। शिक्षा में आशानुकूल कार्य होने में संदेह है। स्वास्थ्य मध्यम रहेगा। शुभांक-5-7-8

वृश्चिक- जीवनसाथी का परामर्श लाभदायक रहेगा। व्यापार व नौकरी में स्थिति अच्छी रहेगी। पुरुषार्थ का सहारा लें। कार्यसिद्धि होने में देर नहीं लगेगी। आर्थिक लाभ उत्तम रहेगा। शैक्षणिक कार्यों में रुचि बढ़ेगी। परिवार में किसी मांगलिक कार्य पर वार्ता होगी। स्वास्थ्य उत्तम रहेगा। लेन-देन में अस्पष्टता ठीक नही। शुभांक-3-5-7

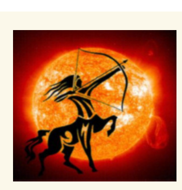

धनु- धार्मिक कार्य में समय और धन व्यय होगा। अपना काम दूसरों के सहयोग से पूरा होगा। मध्याह्न पूर्व समय आपके पक्ष का बना रहेगा। कारोबारी काम में प्रगति बनती रहेगी। लेन-देन में आ रही बाधा दूर करने का प्रयास होंगे। पुराने मित्र से मिलन होगा। स्वविवेक से कार्य करें। शुभांक-4-6-8

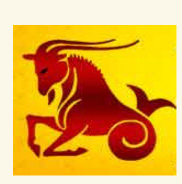

मकर- समय नकारात्मक परिणाम देने वाला बन रहा है। अपने हितैषी समझे जाने वाले ही पीठ पीछे नुकसान पहुंचाने की कोशिश करेंगे। परिवारजन का सहयोग व समन्वय काम को बनाना आसान करेगा। कारोबारी काम में नवीन तालमेल और समन्वय बन जाएगा। स्वविवेक से कार्य कर। शुभांक-3-6-9

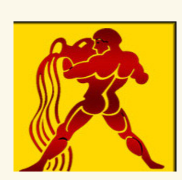

कुम्भ- हित के काम में आ रही बाधा मध्याह्न पश्चात दूर हो जाएगी। अपने काम आसानी से बनते चले जाएंगे। साथ ही आगे के लिए रास्ता भी बन जाएगा। यात्रा का योग। जीवन साथी अथवा यार-दोस्तों के साथ साझे में किए जा रहे काम में लाभ मिल जाएगा। पूंजी निवेश सोच-समझकर करें। शुभांक-2-4-6

मीन- कहीं रुका हुआ पैसा वसूलने में मदद मिल जाएगी। व्यर्थ प्रपंच में समय नहीं गंवाकर अपने काम पर ध्यान दीजिए। कार्यक्षेत्र में आगे बढने में रुकावट का एहसास होगा। विरोधियों के सक्रिय होने की संभावना है। शत्रुहानि की आशंका रहेगी। आय के योग बनेंगे। किसी की सफलता से प्रेरित होंगे। शुभांक-1-3-5

अमेरिकी राष्ट्रपति डोनाल्ड ट्रम्प ने ओमान को सीधी चेतावनी दी

ईरान से बातचीत में रुकावट डाली तो गिरा देंगे बम, हमें डील की जल्दी नहीं

● वाशिंगटन / (एजेंसी)

ईरान को लेकर अमेरिकी राष्ट्रपति डोनाल्ड ट्रम्प ने सोमवार को अपना रुख पूर्णत साफ कर दिया है। ट्रम्प ने कहा ईरान आत्मसमर्पण करें। कुछ सप्ताह के अंदर समझौते का सम्मान करें अन्यथा हम हमला कर सकते है। साथ ही ट्रम्प ने यह भी बताया कि ईरान के रिवोल्यूशनरी गार्ड के अफसरों के साथ ओमान का पर्दे के पीछे का वार्ता का रास्ता खुला है। इसी वार्ता के बीच उन्होंने ओमान को भी सीधी चेतावनी दे दी है। ट्रम्प ने साफ कहा कि अगर मस्कट ने दखलअंदाजी की तो अमेरिका ओमान पर बम बरसाएगा। फॉक्स न्यूज के पत्रकार ट्रे यिंगस्ट से खास वार्ता में ट्रम्प ने दावा किया कि दोनों पक्षों के अफसरों के बीच पर्दे के पीछे वार्ता चल रही है।

ट्रम्प ने ईरान के मौजूदा हालात का जिक्र करते हुए कहा कि वह सार्वजनिक तौर पर खुद को मजबूत दिखाने की कोशिश कर रहा है। उनके मुताबिक, ईरान पर अंदर से दबाव बढ़ रहा है। ट्रम्प ने तेहरान से सफेद झंडा दिखाने यानी हार मानने का संकेत देने की बात भी कही। जबकि उन्होंने कहा कि इस संघर्ष के लिए उनकी कोई समय-सीमा तय नहीं है।

ओमान मध्यस्थता की भूमिका निभाता रहा है

ओमान को लेकर ट्रम्प ने बेहद कड़ा रुख दिखाया है। उन्होंने कहा कि ''अगर ओमान यूएस के रास्ते में आता है, तो उस पर भारी बमबारी की जाएगी। यह बयान ऐसे समय आया है जब ओमान और ईरान के बीच होर्मुज को लेकर वार्ता को दौर जारी है। ओमान पहले भी दोनों देशों के बीच मध्यस्थता की भूमिका निभाता रहा है। हाल ही में ईरान ने ओमान के साथ मिलकर होर्मुज से जहाजों की आवाजाही को लेकर समझौते की दिशा में आगे बढ़ने की बात कही थी।

परमाणु हथियार पर पुराना रुख कायम

वहीं, ईरान के परमाणु कार्यक्रम को लेकर ट्रम्प ने सोमवार को फिर दोहराया कि उनका सबसे बड़ा लक्ष्य यही है कि ईरान किसी भी हालत में परमाणु हथियार हासिल न कर सके। उन्होंने इसे अपना पहला और हमेशा रहने वाला मकसद बताया।

होर्मुज पर पहले से जारी है खींचतान

होर्मुज को लेकर अमेरिका और ईरान के बीच पहले से तनाव बना हुआ है। यह दुनिया का सबसे अहम समुद्री रास्ता है, जहां से बड़ी मात्रा में कच्चा तेल और गैस गुजरते हैं. इस रास्ते पर किसी भी रुकावट का असर दुनिया भर के बाजारों पर पड़ सकता है। ट्रम्प पहले ही कह चुके हैं कि ईरान को हराने के बाद वह होर्मुज को अमेरिका का क्षेत्र घोषित करने पर विचार करेंगे. दूसरी तरफ ईरान इस इलाके पर अपने नियंत्रण को लेकर अड़ा हुआ है। यानी एक तरफ पर्दे के पीछे बातचीत की बात कही जा रही है, तो दूसरी तरफ बयानों में तल्खी बरकरार है। आने वाले दिनों में यह तनाव क्या मोड़ लेता है, इस पर पूरी दुनिया की नजर रहेगी।

अमेरिका-ईरान में 60-दिन की डील बेनतीजा

अमेरिका और ईरान के बीच 17 जून को हुए 60-दिन के डील की समय सीमा सोमवार को समाप्त हो गई, लेकिन दोनों देश युद्ध समाप्त करने, ईरान के एटमी प्रोग्राम पर डील करने और रणनीतिक रूप से अहम होर्मुज को पूरी तरह खोलने पर सहमति नहीं बना सके। इससे आगे की वार्ता और क्षेत्र में शांति की संभावनाएं अनिश्चित हो गई हैं। राष्ट्रपति डोनाल्ड ट्रम्प और ईरान के बीच फ्रांस के वर्साय में हुए डील का उद्देश्य अस्थायी संघर्ष विराम को स्थायी समझौते में बदलना था। इसके तहत 60 दिनों में ईरान के परमाणु कार्यक्रम, संघर्ष की समाप्ति और होर्मुज को फिर से खोलने पर व्यापक समझौता किया जाना था। इन तीनों प्रमुख उद्देश्यों में से कोई भी पूरा नहीं हो सका। कुछ ही सप्ताह में दोनों पक्षों ने एक-दूसरे पर समझौते का उल्लंघन करने का आरोप लगाना शुरू कर दिया। प्रत्यक्ष बातचीत भी रुक गयी और ईरानी बंदरगाहों पर अमेरिकी नाकाबंदी जारी रही। होर्मुज में भी सामान्य आवाजाही बहाल नहीं हो सकी। वर्तमान में केवल पांच मालवाहक जहाजों को इसके रास्ते गुजरने की अनुमति है, जबकि सामान्य परिस्थितियों में प्रतिदिन करीब 130 से 140 जहाज इस महत्वपूर्ण जलमार्ग से गुजरते हैं। समझौते के तहत ईरान को खोलने में मदद करनी थी और अमेरिका को तेहरान पर दबाव कम करना था। लेकिन दोनों पक्ष इस बात पर सहमत नहीं हो सके कि जलमार्ग पर यातायात किसके नियंत्रण में और किन शर्तों के तहत संचालित होगा। ईरान ने जलडमरूमध्य खोलने के लिए अमेरिकी नाकाबंदी हटाने की शर्त रखी है, जबकि अमेरिका ने इसे स्वीकार नहीं किया है। तेहरान ने होर्मुज में जहाजों की आवाजाही पर नियंत्रण और संभावित शुल्क वसूलने में भूमिका की भी मांग की है।

भारतीय थल सेना प्रमुख को नेपाली जनरल की मानद रैंक

प्राचीन सैन्य परम्परा के तहत नेपाल की राजधानी काठमांडू में राष्ट्रपति भवन में आयोजित विशेष अलंकरण समारोह में सोमवार को राष्ट्रपति रामचंद्र पौडेल ने भारतीय थल सेना प्रमुख जनरल धीरज सेठ को नेपाली सेना के जनरल की मानद रैंक प्रदान की।

पैंक्रियाटिक कैंसर के मरीजों के उपचार की जगी नई उम्मीद

● नई दिल्ली / (हि.स.)

एक नई दवा आखिरी स्टेज के पैंक्रियाटिक कैंसर के मरीजों के जिंदा रहने के समय को दोगुना कर सकती है। पैंक्रियाटिक कैंसर के मरीजों पर हुई रिसर्च के बाद यह दावा किया गया है। इस रिसर्च को द न्यू इंग्लैंड जर्नल ऑफ़ मेडिसिन में प्रकाशित किया गया है। रिसर्च से यह साबित हुआ है कि दवा कीमोथेरेपी से भी ज्यादा फायदेमंद है। फिलहाल आखिरी स्टेज के पैंक्रियाटिक कैंसर मरीजों के लिए पांच साल का सर्वाइवल रेट केवल 13-14 प्रतिशत है, यह दवा इसको 28 फीसदी तक कर सकती है। पैंक्रियाटिक कैंसर पेट के पीछे मौजूद एक ऑर्गन जिसे पैंक्रियास कहते हैं उसमें होता है। यह अंग पाचन रस और इंसुलिन बनाता है। इस अंग में अगर कैंसर हो जाए तो इसको पैंक्रियाटिक कैंसर कहते हैं। गैस्ट्रोइंटेस्टाइनल ऑन्कोलॉजी डिज़ीज़ रिसर्च ग्रुप के मेडिकल डायरेक्टर, डॉ. एंड्रयू हेंडिफर इस रिसर्च के सह लेखक है।

इस खोज से बदलेगा कैंसर का विज्ञान

यह इस क्षेत्र के लिए एक बड़ी कामयाबी है। अब तक, इस कैंसर से बचाव के लिए वैज्ञानिकों का ध्यान ऐसी इम्यून थेरेपी पर रहा है। वैज्ञानिक ऐसी थेरेपी पर काम कर रहे हैं जो ट्यूमर को शरीर के इम्यून सिस्टम के खिलाफ ज़्यादा कमजोर बना सकें, और ऐसे नए कीमोथेरेपी कॉम्बिनेशन खोजने पर भी काम चल रहा है, लेकिन ये दवा इस कैंसर के इलाज में एक उम्मीद की किरण बन सकती है। अगर इसको मंजूरी मिली तो यह मरीजों के लिए काफी फायदेमंद होगी।

ब्रीफ न्यूज़

इमरान की आंखों की स्थिति लगभग सामान्य

इस्लामाबाद, आरएनएन। पाक के सुप्रीम कोर्ट को सोमवार को जेल अफसरों ने अवगत कराया कि जेल में बंद पूर्व पीएम इमरान खान की आंखों की स्थिति में काफी सुधार हुआ है और उनकी दृष्टि लगभग सामान्य है। यह घटनाक्रम सुप्रीम कोर्ट द्वारा इस्लामाबाद के एक प्रमुख निजी चिकित्सा संस्थान 'शिफा इंटरनेशनल' में खान के इलाज के संबंध में याचिका पर सुनवाई करने से एक दिन पूर्व सामने आया है। अगस्त 2023 से जेल में बंद पीटीआई संस्थापक को जनवरी के अंत में आंख संबंधी परेशानी 'राइट सेंट्रल रेटिनल वेन ऑक्लुजन' का पता चलने के बाद कई बार इस्लामाबाद के पीआईएमएस ले जाया गया था। रावलपिंडी की अदियाला जेल अफसरों ने खान की आंखों की ताजा स्थिति के बारे में शीर्ष अदालत को रिपोर्ट सौंपी।

बूढा अमरनाथ यात्रा का पहला जत्था हुआ रवाना

जम्मू, आरएनएन। जम्मू-कश्मीर के एलजी मनोज सिन्हा ने सोमवार को सालाना आध्यात्मिक यात्रा की शुरुआत करते हुए यहां भगवती नगर यात्री निवास से पवित्र बूढा अमरनाथ यात्रा के लिए भक्तों के पहले जत्थे को हरी झंडी दिखा कर रवाना किया। साथ ही, उन्होंने सभी तीर्थयात्रियों को उनकी सुरक्षित और आध्यात्मिक रूप से संतोषजनक यात्रा के लिए शुभकामनाएं दीं। एलजी ने यात्रा और बूढ़ा अमरनाथ मेले के सुचारू संचालन को सुनिश्चित करने के लिए बेहतरीन तालमेल और व्यापक इंतजाम करने पर बाबा अमरनाथ और बूढ़ा अमरनाथ यात्री न्यास, विहिप , बजरंग दल, स्थानीय प्रशासन, लंगर संगठनों और नागरिक समाज समूहों की सराहना की। सिन्हा ने कहा कि बाबा बूढ़ा अमरनाथ के धाम की पवित्र यात्रा बहुत ही ज्ञानवर्धक अनुभव है।

ट्रम्प की प्रेस सेक्रेटरी लेविट का इस्तीफा

इस्तीफे पर मजाक में ट्रम्प बोले, उन्हें मेरी जगह बच्चे पसंद

● वाशिंगटन / (हि.स.)

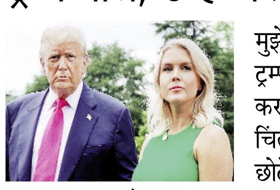

यूएस राष्ट्रपति डोनाल्ड ट्रम्प की प्रेस सेक्रेटरी कैरोलिन लेविट जल्द ही अपने पद से हटने वाली हैं। इसी बीच जब पत्रकार मैकएडम्स ने ट्रम्प से पूछा कि क्या लेविट की जगह किसी और को लाया जा सकता है, तो ट्रम्प ने उनका खुलकर बचाव किया। उन्होंने कहा कि लेविट की जगह लेना आसान नहीं होगा। इसके साथ ही उनकी तारीफ करते हुए मजाकिया अंदाज में उनके इस्तीफे पर भी टिप्पणी की। ट्रम्प ने कहा कि मुझे पता चला है कि कैरोलिन लेविट ट्रम्प से ज्यादा अपने बच्चों को पसंद करती हैं। मुझे इस बात की बहुत चिंता है। उन्होंने लेविट के अपने दो छोटे बच्चों को प्राथमिकता देने के फैसले का जिक्र करते हुए यह बात कही। जब मैकएडम्स ने पूछा कि लेविट के जाने के बाद ब्रीफ्रिंग रूम के पोडियम पर कौन आएगा, तो यूएस राष्ट्रपति ने वही सवाल पत्र ाकार से ही पूछ लिया। ट्रम्प ने मैकएडम्स से पूछा कि आप उन्होंने आगे कहा कि आपके बारे में क्या ख्याल है?

हसीना की स्थिति के बारे में कोई विशिष्ट जानकारी नहीं

आईसीटी के प्रमुख वकील बोले

● ढाका , (हि.स.)

अंतरराष्ट्रीय अपराध न्यायाधिकरण (आईसीटी) के मुख्य अभियोजक मोहम्मद अमीनुल इस्लाम ने सोमवार को कहा कि 2024 में सत्ता से हटाये जाने के बाद से भारत में रह रहीं बेदखल पूर्व प्रधानमंत्री शेख हसीना की मौजूदा स्थिति के बारे में बांग्लादेश के पास कोई विशिष्ट जानकारी नहीं है।

अमीनुल इस्लाम ने कहा कि बांग्लादेश ने भारत सरकार से हसीना को प्रत्यर्पित करने का औपचारिक अनुरोध पहले ही कर दिया था और उन्हें वापस लाने के लिए जरूरी कानूनी कदम उठाये गये थे।

पूर्व पीएम की अपने देश वापसी के लिए अदालत की मंजूरी की आवश्यकता से जुड़ी भारतीय मीडिया की रिपोर्ट के संबंध में आईसीटी के मुख्य अभियोजक ने कहा कि इस रिपोर्ट में यह स्पष्ट नहीं किया गया था कि वह राजनीतिक शरण के तहत भारत में हैं या उनकी सटीक कानूनी स्थिति क्या है। अमीनुल इस्लाम ने कहा कि इसलिए उस रिपोर्ट के आधार पर टिप्पणी करना उचित नहीं होगा। अमीनुल के बयान से पहले ढाका ने रविवार को भारत से अपने प्रत्यर्पण अनुरोध पर त्वरित कार्रवाई करने और बांग्लादेश के पीएम तारिक रहमान की भारत की द्विपक्षीय यात्रा के लिए अनुकूल माहौल बनाने में मदद करने का आग्रह किया था।

बांग्लादेश के विदेश मंत्रालय के प्रवक्ता एकेएम शाहिदुल करीम ने इस बात पर ध्यान दिलाया कि आईसीटी ने उन पर मानवता के खिलाफ अपराधों के आरोप लगाये हैं और उन्हें मृत्युदंड की सजा तक सुनायी है। उन्होंने कहा कि हमने इस मामले पर अपना रुख स्पष्ट कर दिया।

नितिन नवीन की नई टीम का ऐलान, वसुंधरा राजे उपाध्यक्ष, स्मृति ईरानी बनीं महासचिव, पीयूष गोयल कोषाध्यक्ष

नई दिल्ली, 17 अगस्त (हि.स.)। भारतीय जनता पार्टी (भाजपा) के राष्ट्रीय अध्यक्ष नितिन निवीन ने सोमवार को अपनी नई टीम की घोषणा कर दी।

राजस्थान की पूर्व मुख्यमंत्री वसुंधरा राजे, वरिष्ठ नेता राम माधव समेत 13 लोगों को राष्ट्रीय उपाध्यक्ष और पूर्व केंद्रीय मंत्री स्मृति ईरानी, विनोद तावड़े, हरीश द्विवेदी समेत आठ नेताओं को राष्ट्रीय महामंत्री की जिम्मेदारी सौंपी गयी है।

भाजपा की विज्ञप्ति के मुताबिक वसुंधरा राजे सिंधिया, तीरथ सिंह रावत, राम माधव, बैजयंत जय पांडा, डी पुरंदेश्वरी, रेखा वर्मा, वषार्बेन नरेंद्रभाई दोशी, भारती प्रवीण पवार, मनप्रीत सिंह बादल, लाल सिंह आर्य, एम. नागराज, तारिक मंसूर और मधुचंद्र कर राष्ट्रीय उपाध्यक्ष बनाए गए हैं। बीएल संतोष राष्ट्रीय महामंत्री (संगठन) होंगे। शिव प्रकाश और सौदान सिंह को फिर राष्ट्रीय सह महामंत्री (संगठन) की जिम्मेदारी दी गयी है। विनोद तावड़े, सुनील बंसल, विप्लब देव, स्मृति ईरानी, सतीश पूनिया, गजेन्द्र पटेल, हरीश द्विवेदी, संजय भाटिया राष्ट्रीय महासचिव होंगे। पीयूष गोयल राष्ट्रीय कोषाध्यक्ष बनाए गए हैं। पार्टी ने कुल 7 राज्यों से 8 महामंत्री बनाए हैं और सबसे ज्यादा दो नेता उत्तर प्रदेश से आते हैं। चार महिलाओं को राष्ट्रीय सचिव बनाया गया है।

राष्ट्रीय मंत्री का दायित्व कविता पाटिदार, के सुरेन्द्रन, भोला सिंह, प्रदीप वर्मा, जगदीश ईश्वरभाई पटेल, संदीप पाठक, फांग्नोन कोन्यक, संगीता यादव, अनिल एंटनी, एम वेंकटेशन , मनोज टिग्गा, सिद्धार्थ शंभू, स्वदेश सिंह, मृगांका देव बर्मन, रोहन गुप्ता, जय प्रकाश को सौंपा गया है। वहीं, तरुण चुग को राष्ट्रीय कार्यालय प्रभारी और महेन्द्र पांडे को राष्ट्रीय कार्यालय मंत्री बनाया गया है। डॉ. संबित पात्रा को नॉर्थ ईस्ट संयोजक बनाया गया है। प्रकोष्ठ संकुल संयोजक विष्णु दत्त शर्मा को बनाया गया है। इस प्रकोष्ठ के सह संयोजक ऋतुराज सिंहा और विष्णु वर्धन रेड्डी को बनाया गया है।

हेमांग जोशी को युवा मोर्चा, रूप कुमारी चौधरी को महिला मोर्चा, अमरपाल मौर्य को ओबीसी मोर्चा, बंसीलाल गुर्जर को किसान मोर्चा, शिवेश कुमार राम को अनुसूचित जाति मोर्चा, जॉ. मन्नालाल रावत को अनुसूचित जनजाति और कुंवर बासित अली को अल्पसंख्क मोर्चा की कमान सौंपी गई है।

अनिल बलूनी को फिर मीडिया संयोजक बनाया गया है। आशीष उषा अग्रवाल, प्रदीप भंडारी, सिद्धार्थ यादव को सह संयोजक बनाया गया है। दीपक म्हस्के को सोशल मीडिया संयोजक बनाया गया है। प्रीति गांधी, शिवानंद द्विवेदी, आलोक भट्ट, अरुण यादव को सह संयोजक बनाया गया है।

जलाशयों में गंभीर संकट, कावेरी जल विवाद पर सुप्रीम कोर्ट सख्त

कर्नाटक सीडब्ल्यूएमए का आदेश माने

● नई दिल्ली / (एजेंसी)

कर्नाटक और तमिलनाडु के बीच कावेरी जल बंटवारे को लेकर विवाद एक बार फिर सुप्रीम कोर्ट पहुंचा है। जस्टिस विक्रम नाथ की अध्यक्षता वाली बेंच ने मामले की सुनवाई की। सुनवाई के दौरान तमिलनाडु ने कर्नाटक पर सिंचाई के लिए पानी छोड़ने के बावजूद राज्य को पानी नहीं मिलने का आरोप लगाया जबकि कर्नाटक ने कहा कि उसके बारे में तस्वीर सही नहीं पेश की जा रही है।

सुनवाई में सुप्रीम कोर्ट ने कर्नाटक सरकार को कावेरी जल प्रबंधन प्राधिकरण (सीडब्ल्यूएमए) के निर्देशों का पालन करने और तमिलनाडु के लिए पानी छोड़ने को कहा। साथ ही अदालत ने सीडब्ल्यूएमए से ताजा स्थिति रिपोर्ट भी मांगी है। केस की अगली सुनवाई 24 अगस्त को होगी। दो जजों की पीठ तमिलनाडु सरकार की याचिका पर सुनवाई कर रही थी। याचिका में कर्नाटक पर सीडब्ल्यूएमए के आदेशों का पालन नहीं करने का आरोप लगाया है।

तमिलनाडु की ओर से वरिष्ठ वकील सी.एस. वैद्यनाथन ने कोर्ट को बताया कि कर्नाटक सीडब्ल्यूएमए के निर्देशों के अनुरूप पानी नहीं छोड़ रहा है जिससे राज्य के किसानों को जरूरी पानी नहीं मिल पा रहा। सीडब्ल्यूएमए के फैसले के अनुसार, तमिलनाडु को अब तक 64 टीएमसी पानी मिलना चाहिए था। लेकिन उसे केवल 14 टीएमसी पानी ही मिला।

हिन्द महासागर में होगी निगरानी व्यवस्था पुख्ता

1943 करोड़ में यूएस से लीज पर मिलेंगे दो अत्याधुनिक समुद्री निगरानी ड्रोन

नई दिल्ली, आरएनएन। भारत ने समुद्री क्षेत्र विशेष रूप से हिन्द महासागर में निगरानी व्यवस्था को पुख्ता बनाने के लिए नौसेना के लिए 1943 करोड़ रुपए की लागत से अमेरिकी कपंनी से ढाई साल के लिए दो अत्याधुनिक ड्रोन प्रणाली लीज यानी पट्टे पर लेने के अनुबंध पर हस्ताक्षर किये हैं। रक्षा मंत्रालय के अनुसार उसने नौसेना के लिए 30 महीने की अवधि के लिए दो एम क्यू-9बी सी गार्डियन हाई-एल्टीट्यूड लॉन्ग-एंड्यूरेंस (एच ए एलई रिमोटली पायलटेड एयरक्राफ्ट सिस्टम्स (आरपीएएस) को पट्टे पर लेने जनरल एटॉमिक्स एयरोनॉटिकल सिस्टम्स, इंक के साथ एक अनुबंध पर हस्ताक्षर किए हैं। इसके लिए दोनों के बीच करीब 1,943 करोड़ रुपये का अनुबंध हुआ है।

आज का इतिहास

- 1700: मराठा साम्राज्य के महान सेनानायक बाजीराव प्रथम का जन्म हुआ।
- 1765: जोसेफ द्वितीय रोमन सम्राट बने।
- 1800: लार्ड वेलेजली ने कलकत्ता में फोर्ट विलियम कॉलेज की स्थापना की।
- 1838: अमेरिका का पहला नौसैनिक अभियान हुआ।
- 1872: महाराष्ट्र के महान संगीतज्ञ पंडित विष्णु दिगंबर का जन्म हुआ।
- 1868: फ्रांस के खगोलविद पियरे जेनसीन ने हिलियम की खोज की थी।
- 1891: कैरिबियाई द्वीप मार्टिनीक्यु में चक्रवाती तूफान में 700 लोगों की मौत।
- 1900: स्वतंत्रता सेनानी विजयलक्ष्मी पंडित का जन्म हुआ।
- 1924: फ्रांस ने जर्मनी से अपनी सेना बुलाना शुरु किया।

देशभर में चर्चा — मुजफ्फरनगर के अपर जिला एवं सेशन जज रवि कुमार दिवाकर ने बनाया अनोखा रिकॉर्ड

8 महीने, 9 केस और 22 दोषियों को सुनाई मौत की सजा

● मुजफ्फरनगर / (हि.स.)

मुजफ्फरनगर की फास्ट ट्रैक कोर्ट संख्या-3 के पीठासीन अधिकारी और एडिशनल डिस्ट्रिक्ट एंड सेशंस जज रवि कुमार दिवाकर ने अपने फैसलों से एक खास रिकॉर्ड बनाया है। नवंबर 2025 में मुजफ्फरनगर में पदभार संभालने के बाद उन्होंने अब तक 9 मामलों में 22 दोषियों को मौत की सजा सुनाई है।

इन मामलों में हत्या, लूट के बाद हत्या और ड्यूटी पर तैनात होमगार्ड की हत्या जैसे बेहद गंभीर अपराध शामिल हैं।

सरकारी अधिवक्ता कुलदीप कुमार के मुताबिक, अदालत ने इन मामलों को बेहद संगीन मानते हुए रेयरेस्ट ऑफ रेयर श्रेणी का माना और दोषियों को मृत्युदंड दिया।

जज रवि कुमार दिवाकर का मुजफ्फरनगर में यह रिकॉर्ड अब चर्चा का विषय बना हुआ है। कुल 9 मामलों में 22 दोषियों को मौत की सजा सुनाई गई। आपको बता दें कि जज रवि कुमार दिवाकर का नाम इससे पहले भी देशभर में चर्चा में आ चुका है। साल 2022 में वाराणसी में ज्ञानवापी मस्जिद परिसर के वीडियोग्राफिक सर्वे का आदेश देने के बाद वह राष्ट्रीय स्तर पर सुर्खियों में आए थे।

अब तक मृत्युदंड पाने वाले दोषियों की संख्या 35 हुई

इसके बाद वह चित्रकूट और बरेली में भी तैनात रहे और बरेली कार्यकाल के दौरान 2014 के ट्रिपल मर्डर और डकैती मामले में चैमार हसन गैंग के 8 सदस्यों को मौत की सजा सुनाई थी। बरेली में सुनाई गई 13 मौत की सजाओं को जोड़ दें तो उनके न्यायिक करियर में अब तक मृत्युदंड पाने वाले दोषियों की संख्या 35 तक पहुंचती है। लगातार मौत की सजाओं के चलते रेयरेस्ट ऑफ रेयर सिद्धांत के तहत मृत्युदंड के इस्तेमाल को लेकर कानूनी और न्यायिक हलकों में भी बहस तेज हो गई है।

समुद्री सूक्ष्मजीवों से जुड़े वैश्विक पैटर्न का पता चला

शोध से कई चीजे समझने में हुई आसान

● चेन्नई / (एजेंसी)

आईआईटी-मद्रास के वाधवानी स्कूल ऑफ डेटा साइंस एंड एआई के शोधकर्ताओं ने समुद्री पारिस्थितिकी तंत्र की स्थिरता बनाए रखने में कम संख्या में पाए जाने वाले समुद्री सूक्ष्मजीवों की अहम भूमिका का पता खोजा है।

शोधकर्ताओं ने दुनिया के विभिन्न समुद्री क्षेत्रों से लिए 4,600 नमूनों के बैक्टीरियल अनुक्रमण आंकड़ों का विश्लेषण किया। नमूनों में उष्णकटिबंधीय, समशीतोष्ण और ध्रुवीय क्षेत्रों के महासागरीय नमूने शामिल थे। शोध से यह समझने में मदद मिली कि अलग-अलग समुद्री वातावरण में बैक्टीरिया के समुदाय किस तरह बनते हैं, एक-दूसरे के साथ कैसे संपर्क करते हैं और अपनी स्थिरता बनाए रखते हैं। शोध के निष्कर्ष यूएस सोसायटी फॉर माइक्रोबायोलॉजी द्वारा प्रकाशित पीयर-रिव्यू और ओपन-एक्सेस जर्नल माईसिस्टम में प्रकाशित हुए हैं।

शोधपत्र की सह-लेखक आईआईटी-मद्रास की प्रणति रविकुमार, डॉ. आरती रविंद्रन और प्रो. कार्तिक रमन हैं। डब्ल्यूएसएआई के प्रो. कार्तिक रमन ने कहा कि समुद्री सूक्ष्मजीव महासागरीय इको सिस्टम की अदृश्य नींव हैं।

संपादकीय

विकसित भारत की राह में नागरिक की भूमिका

भारत के विकसित राष्ट्र बनने का सपना अब केवल सरकारी दस्तावेजों या भाषणों का विषय नहीं है। वर्ष 2047 तक भारत को विकसित राष्ट्र बनाने का लक्ष्य देश के सामने एक व्यापक संकल्प के रूप में रखा गया है। इस लक्ष्य को हासिल करने के लिए सरकार की नीतियां, बड़े निवेश, आधुनिक तकनीक, मजबूत आधारभूत ढांचा और आर्थिक विकास जरूरी हैं, लेकिन केवल सरकारी प्रयासों से विकसित भारत का निर्माण संभव नहीं है। इस यात्रा में सबसे महत्वपूर्ण भूमिका देश के नागरिक की है। किसी भी राष्ट्र की प्रगति केवल ऊंची इमारतों, चौड़ी सड़कों और आधुनिक तकनीक से नहीं मापी जाती। वास्तविक विकास तब माना जाता है जब आम नागरिक को बेहतर शिक्षा, स्वास्थ्य, रोजगार, सुरक्षा और सम्मानजनक जीवन मिले। इसके लिए सरकार के साथ समाज और नागरिकों को भी अपनी जिम्मेदारियों को समझना होगा। एक जिम्मेदार नागरिक की शुरुआत छोटी-छोटी आदतों से होती है। सड़क पर कूड़ा न फेंकना, सार्वजनिक संपत्ति को नुकसान न पहुंचाना, यातायात नियमों का पालन करना, पानी और बिजली की बचत करना तथा पर्यावरण की रक्षा करना ऐसे कार्य हैं जिनका सीधा संबंध देश के विकास से है। दुर्भाग्य से हम अक्सर व्यवस्था की कमियों के लिए सरकार को जिम्मेदार ठहराते हैं, लेकिन अपनी नागरिक जिम्मेदारियों को उतनी गंभीरता से नहीं लेते। जब तक यह सोच नहीं बदलेगी, विकास की गति अधूरी रहेगी। विकसित भारत के निर्माण में युवाओं की भूमिका विशेष रूप से महत्वपूर्ण है। भारत की बड़ी युवा आबादी देश की सबसे बड़ी ताकत है। युवाओं को केवल नौकरी तलाशने वाला नहीं, बल्कि नए अवसर पैदा करने वाला वर्ग बनना होगा। शिक्षा के साथ कौशल, तकनीकी ज्ञान, नवाचार, उद्यमिता और बदलती दुनिया की जरूरतों को समझना जरूरी है। आर्टिफिशियल इंटेलिजेंस, डिजिटल तकनीक, मैन्युफैक्चरिंग और अनुसंधान जैसे क्षेत्रों में युवाओं की भागीदारी भारत को वैश्विक स्तर पर नई ऊंचाइयों तक ले जा सकती है। इसी तरह महिलाओं की आर्थिक और सामाजिक भागीदारी के बिना विकसित भारत की कल्पना अधूरी है। महिलाओं को शिक्षा, रोजगार, उद्यमिता और निर्णय लेने के समान अवसर मिलना जरूरी है। समाज को भी महिलाओं की सुरक्षा और सम्मान को केवल कानून का विषय नहीं, बल्कि अपनी सामूहिक जिम्मेदारी मानना होगा। लोकतंत्र में नागरिक की भूमिका केवल मतदान तक सीमित नहीं होती। अपने प्रतिनिधियों से सवाल पूछना, सरकारी योजनाओं की जानकारी रखना, भ्रष्टाचार का विरोध करना और अपने अधिकारों के साथ कर्तव्यों को समझना भी एक जागरूक नागरिक की पहचान है। यदि नागरिक व्यवस्था के प्रति सजग और जवाबदेह रहेंगे, तो प्रशासन पर भी बेहतर काम करने का दबाव बनेगा। विकसित भारत का सपना किसी एक सरकार, संस्था या वर्ग का सपना नहीं है। यह 140 करोड़ से अधिक भारतीयों की सामूहिक जिम्मेदारी है। सरकार नीतियां बना सकती है, संसाधन उपलब्ध करा सकती है और विकास की दिशा तय कर सकती है, लेकिन उस विकास को जमीन पर सफल बनाने के लिए नागरिकों की भागीदारी अनिवार्य है। आज आवश्यकता केवल यह कहने की नहीं कि भारत विकसित बने, बल्कि यह सोचने की है कि हम अपने स्तर पर भारत को विकसित बनाने के लिए क्या कर रहे हैं। जिस दिन नागरिक अपने अधिकारों के साथ अपने कर्तव्यों को भी उतनी ही गंभीरता से निभाने लगेंगे, उस दिन विकसित भारत का सपना लक्ष्य से आगे बढ़कर वास्तविकता बनने की दिशा में तेजी से कदम बढ़ाएगा।

क्या भारत 2070 तक अपने नेट-जीरो उत्सर्जन का लक्ष्य हासिल कर लेगा

एस एन वर्मा

ग्लासगो में आयोजित 26वें जलवायु शिखर सम्मेलन में प्रधानमंत्री नरेंद्र मोदी के नेतृत्व में भारत ने घोषणा की थी कि वह 2070 तक कार्बन-न्यूट्रल देश बन जाएगा।लेकिन इस लक्ष्य को हासिल करने के लिए भारत को वर्ष 2070 तक भारत लगभग 22.7 ट्रिलियन अमेरिकी डॉलर (औसतन लगभग 500 बिलियन अमेरिकी डॉलर प्रतिवर्ष) के निवेश की आवश्यकता होगी। इसमें लगभग 6.5 ट्रिलियन अमेरिकी डॉलर का वित्तीय अंतराल अनुमानित है, जिसकी पूर्ति के लिए विदेशी पूंजी निवेश में वृद्धि आवश्यक होगी। ग्रीन हाइड्रोजन, बैटरी भंडारण और कार्बन कैप्चर जैसी महंगी और नई तकनीकों के लिए विदेशी तकनीकी सहयोग व वैश्विक पूंजी की आवश्यकता होती है।फिलहाल जैसाकि सम्मेलन में वादा किया गया था, भारत 2030 तक गैर-जीवाश्म ऊर्जा क्षमता को 500 गीगावाट तक पहुंचाएगा।देश में 30 जून 2026 तक गैर-जीवाश्म ईंधन स्त्रोतों पर आधारित कुल 297.36 गीगावाट विद्युत उत्पादन क्षमता स्थापित हुई है। इसमें 288.58 गीगावाट नवीकरणीय ऊर्जा क्षमता और 8.78 गीगावाट परमाणु ऊर्जा क्षमता शामिल है। वर्ष 2015 में ही एनडीसी(राष्ट्रीय स्तर पर निर्धारित योगदान)ने इसके लिए एक मजबूत आधार तैयार किया था, जिसमें 2030 तक जीडीपी की उत्सर्जन तीव्रता में 33-35 प्रतिशत की कमी और गैर-जीवाश्म संसाधनों पर आधारित विद्युत ऊर्जा की संस्थापित क्षमता में 40 प्रतिशत हिस्सेदारी का लक्ष्य रखा गया था। इस सबके लिए औद्योगिक क्षेत्र में कोयले का उपयोग 2065 तक चरणबद्ध तरीके से समाप्त करना, कोयले के अन्य सभी उपयोगों को 2060 तक चरणबद्ध तरीके से समाप्त करना, 2050 तक सौर ऊर्जा आधारित उत्पादन क्षमता को 1,700 गीगावाट (जीडब्ल्यू) तक पहुंचाना, 2050 तक पवन ऊर्जा आधारित उत्पादन क्षमता को 557 गीगावाट तक पहुंचाना लक्ष्य रखा गया है।

आखिर नेट जीरो का मतलब क्या है? मतलब है हमारे द्वारा उत्पादित कार्बन को संतुलित करना या बेअसर करना। हम नेट जीरो तब हासिल करते हैं जब हमारे द्वारा उत्पादित ग्रीनहाउस गैसों की मात्रा, उससे अवशोषित की गई ग्रीनहाउस गैसों की मात्रा से अधिक नहीं होती।भारत का नेट-जीरो उत्सर्जन लक्ष्य महज एक सपना नहीं है। देश में इसकी शुरूआत भी हो चुकी है। महाराष्ट्र के बेला गांव इसकी हकीकत है, जो अब देश का पहला ऐसा गांव बन गया है जहां कार्बन उत्सर्जन शून्य है। बेला गांव ने कई सरल लेकिन प्रभावशाली नीतियां अपनाईं।वृक्षारोपण अभियान द्वारा 90,000 से अधिक पेड़ लगाए गए। जो कार्बन डाइऑक्साइड को अवशोषित करने और वायु गुणवत्ता में सुधार करने में सहायक है। सामुदायिक भागीदारी को प्रोत्साहित करने और शुभ मुहूर्तों का सम्मान करने के लिए इन वृक्षारोपण अभियानों का आयोजन त्योहारों और विवाह समारोहों के दौरान किया गया।स्वच्छ खाना पकाने की पारंपरिक चूल्हों (लकड़ी से जलने वाले चूल्हों) को एलपीजी और सौर ऊर्जा से चलने वाले विकल्पों से बदल दिया गया, जिससे घर के अंदर वायु प्रदूषण और कार्बन उत्सर्जन में उल्लेखनीय कमी आई।नवीकरणीय ऊर्जा पैदा करने के लिए सार्वजनिक भवनों और घरों पर सौर पैनल लगाए गए, जिससे दैनिक उपयोग के लिए स्वच्छ ऊर्जा का दोहन किया जा सके।गांव ने अपशिष्ट पृथक्करण और खाद बनाने को प्राथमिकता दी, जिससे लैंडफिल में जाने वाले कचरे को कम किया जा सके और कचरे को मूल्यवान संसाधनों में परिवर्तित किया जा सके।वर्षा जल संचयन को लागू किया गया। एकल-उपयोग वाले प्लास्टिक पर प्रतिबंध लगा दिया गया और कचरे को व्यवस्थित रूप से खाद या पुनर्चक्रित सामग्री में परिवर्तित किया गया, जिससे पर्यावरणीय प्रभाव को कम किया जा सके।

वर्तमान में भूटान और सूरीनाम ही दुनिया के वे दो देश हैं जो कार्बन नेगेटिव हैं यानी वे जितना कार्बन उत्सर्जित करते हैं उससे कहीं अधिक अवशोषित करते हैं। दोनों देशों को अपनी कम जनसंख्या और सीमित औद्योगिक गतिविधियों के मुकाबले विशाल वन क्षेत्र का लाभ मिलता है।

दुनिया पर मंडराते वैश्विक संकट के बीच विकासशील देश भी कार्बन उत्सर्जन कम करने में अपना योगदान दे रहे हैं। दुनिया में कार्बन का तीसरा सबसे बड़ा उत्सर्जक होने के नाते जब भारत ने जलवायु संकट से निपटने के लिए अंतरराष्ट्रीय मंच पर लक्ष्य और रणनीतियां तय की थीं। हालांकि, यह ध्यान रखना महत्वपूर्ण है कि अन्य शीर्ष प्रदूषकों की तुलना में भारत के उत्सर्जन में भारी अंतर है। भारत हर साल लगभग 3 गीगाटन उत्सर्जन करता है, जबकि अमेरिका और चीन क्रमशः 5 गीगाटन और 14 गीगाटन उत्सर्जन करते हैं।इसके अलावा, भारत का प्रति व्यक्ति उत्सर्जन सबसे कम (1.9 मीट्रिक टन) है और दुनिया की 17 फीसदी आबादी होने के बावजूद यह वैश्विक प्रदूषण में 7 फीसदी से भी कम योगदान देता है। वास्तव में अमेरिका और चीन की तुलना में भारत के नेट-जीरो लक्ष्य तक पहले पहुंचने की संभावना अधिक है।

प्रधानमंत्री नरेंद्र मोदी ने 5-सूत्रीय रणनीति पंचामृत की जो घोषणा की थी अंततः भारत को 2070 तक नेट-जीरो बनाएगी। भारत 2030 तक गैर-जीवाश्म ऊर्जा क्षमता को 500 गीगावाट तक पहुंचाएगा। वर्तमान में गैर-जीवाश्म ऊर्जा क्षमता 297 गीगावाट है। भारत की 50 फीसदी ऊर्जा खपत नवीकरणीय ऊर्जा से पूरी होगी। भारत ने 2030 तक 1 बिलियन टन कार्बन उत्सर्जन कम करने का लक्ष्य रखा है। 2030 तक भारत कार्बन तीव्रता को 45 फीसदी तक कम करेगा।और इस प्रकार 2070 तक भारत अपना नेट-जीरो लक्ष्य हासिल कर लेगा।

इस वैश्विक संकट से निपटने के लिए भारत कई तरह की कार्रवाई कर रहा है। गुजरात में सबसे बड़ा रिन्यूएबल एनर्जी पार्क खोलने के लिए तैयार है। इसके अलावा कोयले पर निर्भरता कम करने (और नए कोयला ऊर्जा प्लांट न लगाने) और 2030 तक भारतीय रेलवे को डीकाबार्नाइज करने की योजनाएँ सही दिशा में एक कदम हैं।

भारत के लिए सबसे बड़ी चुनौती क्लाइमेट फाइनेंस (जलवायु परिवर्तन से निपटने के लिए फंड) हासिल करना है। एक विकासशील देश होने के नाते भारत कोयले पर अपनी निर्भरता कम करने के लिए नई टेक्नोलॉजी और तरीके विकसित करने के लिए फंड के मामले में विकसित देशों पर निर्भर है।सम्मेलन में प्रधानमंत्री मोदी ने अमीर देशों से जल्द से जल्द 1 ट्रिलियन डॉलर उपलब्ध कराने की मांग की थी। दुर्भाग्य से क्लाइमेट फाइनेंस को लेकर इन देशों के कई वादे अभी भी पूरे नहीं हुए हैं। नीति आयोग की नेट जीरो रिपोर्ट के अनुसार आयोग का लक्ष्य वर्ष 2047 तक भारत को 30 ट्रिलियन अमेरिकी डॉलर की अर्थव्यवस्था के रूप में विकसित करने की रूपरेखा प्रस्तुत करना है। वर्ष 2070 तक भारत को लगभग 22.7 ट्रिलियन अमेरिकी डॉलर (औसतन लगभग 500 बिलियन अमेरिकी डॉलर प्रतिवर्ष) के निवेश की आवश्यकता होगी। इसमें लगभग 6.5 ट्रिलियन अमेरिकी डॉलर का वित्तीय अंतराल अनुमानित है, जिसकी पूर्ति के लिए विदेशी पूंजी निवेश में वृद्धि आवश्यक होगी।

वित्त वर्ष 2014 से वित्त वर्ष 2026 तक देश के नवीकरणीय ऊर्जा क्षेत्र में लगभग 45.72 अरब डॉलर का प्रत्यक्ष विदेशी निवेश (एफडीआई) आकर्षित हुआ है। इसके अतिरिक्त उक्त अवधि में घरेलू वित्तीय संस्थानों (सार्वजनिक क्षेत्र के 12 बैंक, भारतीय अक्षय ऊर्जा विकास संस्था -इरेडा, पावर फाइनेंस कॉर्पोरेशन लिमिटेड-पीएफसी, रूरल इलेक्ट्रीफिकेशन कॉर्पोरेशन लिमिटेड -आरईसी, इंडिया इंफ्रास्ट्रक्चर फाइनेंस कंपनी लिमिटेड-आईआईएफसीएल, राष्ट्रीय अवसंरचना वित्तपोषण और विकास बैंक -नैबफिड और भारतीय लघु उद्योग विकास बैंक-सिडबी ने नवीकरणीय ऊर्जा क्षेत्र में 12.32 लाख करोड़ रुपये का निवेश किया है।

निष्कर्ष के तौर पर नेट जीरो बनने का लक्ष्य किसी भी विकासशील देश के लिए आसान नहीं होगा। हालाँकि, जरूरी आर्थिक मदद के बिना विकासशील देशों के लिए क्रांतिकारी टेक्नोलॉजी बनाना बहुत मुश्किल होगा।इसलिए सामूहिक लक्ष्य को हासिल करने का सही तरीका यह माना जा रहा है कि अमीर देश आगे आएँ और नेतृत्व करें। चूँकि वे शुरूआती रिसर्च और डेवलपमेंट का भारी खर्च उठा सकते हैं, इसलिए विकसित देशों द्वारा इनोवेटिव डीकाबार्नाइजेशन टेक्नोलॉजी बनाने की संभावना ज्यादा है।

भारत को अपने एनर्जी इंफ्रास्ट्रक्चर में भी बदलाव करना होगा। कुछ रणनीतियों के लिए नागरिकों को अपनी जीवनशैली में भी बदलाव करना पड़ सकता है। सही रणनीति और वैश्विक समर्थन के साथ भारत निश्चित रूप से अपने वादों को सफलतापूर्वक पूरा करेगा इसकी पूरी संभावना है। (लेखक स्वतंत्र पत्रकार व स्तंभकार हैं)

बदलता भारत, बनता भारत

डॉ. प्रियंका सौरभ

प्रत्येक स्वतंत्रता दिवस हमें अपने राष्ट्र के अतीत पर चिंतन करने और भविष्य पर विचार करने का अवसर देता है। स्वतंत्रता के पिछले 80 वर्षों में भारत में आए कुछ परिवर्तनों को याद करने का यह मेरा एक प्रयास है। यह परिवर्तन केवल हमारी अर्थव्यवस्था, शहरों या प्रौद्योगिकी में ही नहीं, बल्कि आम भारतीयों की आकांक्षाओं, आत्मविश्वास और दृष्टिकोण में भी देखा गया है। आज का भारत 1947 में औपनिवेशिक शासन से मुक्त हुए भारत से बहुत अलग है।

आर्थिक दृष्टि से सबसे बड़ा अंतर यही है। स्वतंत्रता के बाद के शुरूआती दशकों में संसाधनों की कमी थी, अवसर सीमित थे और विशाल जनसंख्या की बुनियादी जरूरतों को पूरा करना एक चुनौती थी। भारत आज विश्व की महान आर्थिक शक्तियों में से एक है; आधुनिक उद्योग, विकसित होता बुनियादी ढांचा और उद्यमशीलता की नई भावना, महत्वाकांक्षी युवा पीढ़ी। सड़कों, हवाई अड्डों, मेट्रो, डिजिटल नेटवर्क और बेहतर कनेक्टिविटी के कारण स्थान और लोग एक-दूसरे के करीब आ गए हैं। एक युवा ऑनलाइन पढ़ाई कर सकता है, किसी दूसरे शहर की कंपनी में काम कर सकता है और यहां तक कि पूरे देश में लोगों को सेवा प्रदान करने वाला व्यवसाय भी चला सकता है। पिछली पीढ़ियों के लिए ऐसी संभावनाओं की कल्पना करना भी मुश्किल रहा होगा।

शायद इस बदलाव में प्रौद्योगिकी का सबसे बड़ा योगदान है। मोबाइल फोन अब सिर्फ संचार का साधन नहीं रह गया है। यह एक बैंक, कक्षा, बाजार, कार्यालय और सूचना का स्त्रोत बन गया है। ऑनलाइन भुगतान ने हमारे दैनिक जीवन में क्रांति ला दी है और अनेक सार्वजनिक सेवाएं ऑनलाइन उपलब्ध हैं। प्रौद्योगिकी ने भारत को सूचना और अवसरों के मामले में कई मायनों में अधिक जुड़ा हुआ और अधिक लोकतांत्रिक बनाया है। लेकिन प्रगति का सच्चा सूचक प्रौद्योगिकी नहीं है, बल्कि यह है कि प्रौद्योगिकी आम आदमी के जीवन को कैसे प्रभावित करती है। भारतीयों और उनके राष्ट्र के आत्मविश्वास में अद्भुत परिवर्तन आया है। कुछ पीढ़ियों पहले, पश्चिम के प्रति प्रशंसा और कभी-कभी हीनता की भावना प्रचलित थी। आज, हमारे युवा खुद को विश्व के सर्वश्रेष्ठ लोगों के बराबर मानते हैं। विज्ञान एवं प्रौद्योगिकी, उद्यमशीलता, पेशेवर क्षेत्र, कला एवं खेल के क्षेत्र में भारतीय नागरिक विदेशों में अपनी पहचान बना रहे हैं। साथ ही, भारत की संस्कृति, भाषाओं, परंपराओं और इतिहास का पुनरुद्धार हो रहा है। आधुनिकता और जड़ों से जुड़ाव की अवधारणा अब विरोधाभासी नहीं रह गई है।

प्रगति के बावजूद, हमारी समस्याएं कम नहीं हुई हैं। हमारे पास विश्व स्तरीय हवाई अड्डे और डिजिटल बुनियादी ढांचा है, लेकिन कुछ समुदाय अभी भी स्वास्थ्य, शिक्षा और स्वच्छता जैसी चुनौतियों का सामना कर रहे हैं। हमारे पास बेहतरीन व्यवसाय और कुशल कर्मचारी हैं, फिर भी लाखों युवा स्थिर और लाभकारी रोजगार की तलाश में हैं। शहरों के विकास के साथ-साथ, कई शहर प्रदूषण, भीड़भाड़ और खराब शहरी नियोजन से जूझ रहे हैं। आर्थिक विकास ने अपार अवसर पैदा किए हैं, लेकिन सभी नागरिकों को इसका समान लाभ नहीं मिल रहा है। संतुलित आलोचना का महत्व यहीं पर है। अपने देश की कमियों से अवगत हुए बिना उससे प्रेम करना संभव नहीं है। वास्तव में, सच्ची देशभक्ति हमें उन चीजों को स्वीकार करने का साहस देती है जिन्हें बदलने की आवश्यकता है। एक सशक्त लोकतंत्र में असहमति और आलोचना को सहन किया जाना चाहिए। राष्ट्रीय हित केवल आर्थिक विकास, सैन्य शक्ति और अंतरराष्ट्रीय शक्ति तक सीमित नहीं होना चाहिए। इसमें सामाजिक सद्भाव, सुदृढ़ संस्थाएं, समान अवसर, सभी नागरिकों के लिए गरिमा और लोकतांत्रिक प्रक्रियाओं में विश्वास भी शामिल होना चाहिए। यदि देश का कोई भविष्य है तो उसे कठिन प्रश्नों को स्वीकार करने के लिए पर्याप्त आत्मविश्वास होना चाहिए। हमारे लिए भी भारत की यह अवधारणा अनूठी है। भारत केवल आधुनिक युग की एक राजनीतिक इकाई नहीं है, बल्कि हजारों वर्षों के इतिहास, विभिन्न परंपराओं, भाषाओं, दर्शनों और सांस्कृतिक प्रभावों से परिपूर्ण एक सभ्यता है। विविधता को स्वीकार करना और एकरूपता की मांग न करना हमेशा से इसका गुण रहा है। हमारे सामने चुनौती यह है कि हम इस सभ्यतागत स्वरूप को बनाए रखें और साथ ही तेजी से बदलती दुनिया की संभावनाओं को भी स्वीकार करें। कृत्रिम बुद्धिमत्ता, उन्नत प्रौद्योगिकियों और सांस्कृतिक जड़ों के बीच संतुलन होना चाहिए। आधुनिक शहर बनने चाहिए लेकिन उनमें सामुदायिक भावना भी होनी चाहिए। हमें विश्व के साथ अधिक एकीकृत होने की आवश्यकता है लेकिन अपनी संस्कृति को लेकर असुरक्षित नहीं होना चाहिए।

एक स्वतंत्र राष्ट्र के रूप में भारत की सबसे बड़ी सफलता यह रही कि उसने लोकतंत्र को कायम रखा और विकसित किया। अब तक, विभिन्न भाषाओं, धर्मों, भौगोलिक पृष्ठभूमि, समुदायों और आर्थिक स्थिति वाले लोगों से भरा यह विविध राष्ट्र संवैधानिक ढांचे के भीतर अपने मतभेदों को सुलझाने में सक्षम रहा है। हालांकि यह लोकतंत्र अभी पूर्ण नहीं है, फिर भी असहमति एक ताकत हो सकती है। यह इस बात का संकेत हो सकता है कि लोग अभी भी अपने समाज के भविष्य पर विचार-विमर्श कर रहे हैं। हमारा लक्ष्य यह सुनिश्चित करना है कि हमारे मतभेद विभाजन में न बदलें और राजनीतिक प्रतिस्पर्धा भारत की अवधारणा को कमजोर न करे। हमारी यात्रा का अगला कदम प्रभावशाली आंकड़ों और दिखाई देने वाले बुनियादी ढांचे से परे सोचने की आवश्यकता को दर्शाता है। भविष्य के भारत का मूल्यांकन शिक्षा, रोजगार, स्वास्थ्य सेवा और पर्यावरण की गुणवत्ता के आधार पर किया जाएगा। युवाओं को अवसर प्रदान करना, अर्थव्यवस्था में महिलाओं की भागीदारी बढ़ाना, सार्वजनिक संस्थानों की गुणवत्ता को सुदृढ़ करना और समावेशी विकास को बढ़ावा देना आवश्यक है। यदि सभी युवा भारतीयों को सीखने, काम करने और योगदान देने के समान अवसर मिले तो जनसांख्यिकीय लाभांश हमारे लिए वरदान साबित होगा।

भारत के 80वें वर्ष को देखते हुए, मुझे एक ऐसा देश नजर आता है जिसने लंबा सफर तय किया है। हम एक नव स्वतंत्र देश से, जहाँ गरीबी और अभाव एक समस्या थी, एक ऐसे देश के रूप में उभरे हैं जिसके पास महत्वपूर्ण आर्थिक, तकनीकी और रणनीतिक क्षमताएँ हैं। लेकिन यह सफर अभी खत्म नहीं हुआ है। अगली चुनौती न केवल अधिक समृद्ध और शक्तिशाली बनना है बल्कि अधिक न्यायसंगत, अधिक एकजुट और अधिक आत्मविश्वासी बनना भी है।

हमें अपने पूर्वजों से राजनीतिक स्वतंत्रता प्राप्त हुई है। हमारा कर्तव्य है कि हम आने वाली पीढ़ी को अधिक अवसर और अपनेपन की भावना प्रदान करें। हमें एक ऐसा भारत बनाना है जो समृद्ध हो लेकिन उदासीन न हो, शक्तिशाली हो लेकिन अहंकारी न हो, आधुनिक हो लेकिन अपनी जड़ों को न खोए और विविधतापूर्ण हो लेकिन विभाजित न हो। इसलिए, 80वां स्वतंत्रता दिवस हमारी प्रगति का उत्सव होने के साथ-साथ इस बात का स्मरण भी दिलाना चाहिए कि हमें अभी लंबा सफर तय करना है। जो भारत हमें प्राप्त हुआ है, वह पीढ़ियों के बलिदान और प्रयासों का फल है। जो भारत हम पीछे छोड़ेंगे, वही हमारे योगदान का मापदंड होगा।

श्रीगंगानगर के गाँवो की अनोखी पहचान,जीबी नामों में बसा सिंचाई की पद्धति का राज

अमित बिश्नोई

12 जीबी,13 जीबी,14 जीबी,15 जीबी,16 जीबी आदि नामों को सुनकर आपको किसी स्मार्टफोन की स्टोरेज या इंटरनेट डाटा का लगता होगा। लेकिन अगर आपको कोई कहे कि ये गांवों के नाम है तो आप हैरान मत होना, दरअसल ये राजस्थान के श्रीगंगानगर जिल में बसे हुए गांव है इन गांवों के नामों कि पहचान इसलिए अलग है क्योंकि इनका नाम सिंचाई पद्धति के अनुसार रखा गया है, यह नाम श्री गंगानगर और आसपास के इलाकों में सामान्य रूप से प्रचलन में है। लेकिन अगर कोई इस जिले से बाहर के या अन्य राज्य के लोग इसको सुनते है तो सोच में पड़ जाते है। श्रीगंगानगर, राजस्थान का सबसे उत्तरी जिला और शहर, पाकिस्तान सीमा से सटा हुआ एक महत्वपूर्ण क्षेत्र है। जो बीकानेर रियासत के महाराजा गंगा सिंह के नाम से श्रीगंगानगर पड़ा। जो भारत के पहले नियोजित शहरों में से एक है, यह नियोजन पेरिस से प्रेरित माना जाता है।

इस जिले में गंग नहर प्रमुख सिंचाई परियोजनाओं में से एक है। गंग नहर श्रीगंगानगर के खंखा गाँव से राजस्थान में प्रवेश करती है। बीकानेर के महाराजा गंगा सिंह के द्वारा ही गंग नहर का निर्माण हुआ। और सतलुज नदी का पानी राजस्थान में लाया जा सका। 4 दिसम्बर, 1920 को बीकानेर भावलपुर और पंजाब राज्यों के बीच सतलुज नदी घाटी समझौता हुआ। जिसमें गंग नहर की आधारशिला फि रोजपुर हैडबाक्स पर 5 सितम्बर, 1921 को महाराजा गंगासिंह द्वारा रखी गई। 26 अक्टूबर, 1927 को तत्कालीन वॉयसरॉय लॉर्ड इरविन ने श्रीगंगानगर के शिवपुर हैंडबॉक्स पर इस नहर का उद्घाटन किया। यह नहर सतलुज नदी से पंजाब के फिरोजपुर के हुसैनीवाला से निकाली गई है। जो शिवपुर, श्रीगंगानगर, जोरावरपुर, पदमपुर, रायसिंहनगर, सादुलशहर से होती हुई अनूपगढ़ तक जाती है। इसकी कुल लंबाई लगभग 129 किमी, जबकि वितरिकाओं सहित 1280 किमी तक फैली हुई है। लक्ष्मीनारायण जी, लालगढ़, करणीजी समीक्षा नहर की मुख्य शाखा है। श्रीविजयनगर की तहसील श्रीगंगानगर जिले की पूर्वी तहसील के समीप है, जिसमे कई जीबी नंबर वाले सिंचाई से जुड़े गाँव है। श्री विजयनगर तहसील का नाम राजस्थान बीकानेर राज्य से संबंधित राजकुमार विजय सिंह के नाम पर गया गया है। अधिकतर जीबी नंबर वाले गाँव इसी तहसील में हैं। यह क्षेत्र कृषि प्रधान है, जहाँ सिंचाई के लिए गंग नहर महत्वपूर्ण भूमिका निभाती है।

इस नहर के आने से यहां सरसों, कपास, गन्ना, चना, बाजरा और कीनू जैसी फसलों का उत्पादन तेजी से होने लगी। इस क्षेत्र के अनेक गाँव जो जीबी नम्बरो वाले गाँव के नाम से जाने जाते है। इनमें प्रमुख रूप से 15 जीबी , 22 जीबी, 23 जीबी, 24 जीबी, 28 जीबी, 25 जीबी, 11 जीबी , 19 जीबी , 10 जीबी, 20 जीबी 18 जीबी, 17 जीबी, 16 जीबी, 15 जीबी, 21 जीबी, 14 जीबी 12 जीबी नंबर वाले गांव है। जब कोई व्यक्ति इन नामो को पहली बार सुनता है तो कुछ क्षण तो वह सोच में डूब जाता है। लेकिन इनका नाम एक खास सिंचाई पद्धति के अनुसार रखा गया है। इसमे जीबी का मतलब गंग ब्रांच है। जो गाँवों की पहचान और सिंचाई प्रबन्धन के लिए महत्वपूर्ण है। जीबी नाम रखने से नहर की शाखाओं के बीच जल वितरण, मरम्मत, जल प्रवाह नियंत्रण रहता है। जिससे सिंचाई के क्षेत्र को स्पष्ट ब्लॉक में विभाजित किया जा सके। साथ ही इन नामों का प्रयोग राजस्व अभिलेखों, जमाबंदी रिकार्ड सिंचाई विभाग के दस्तावेज और सरकार की योजनाओं में होता है। इसके माध्यम से जल वितरण व्यवस्था पारदर्शी और वैज्ञानिक योजनाबद्ध तरीके से होती है। क्योंकि यह क्षेत्र गंग नहर के आने के बाद आबादी वाला क्षेत्र बना गया है इसलिए सिंचाई के साथ-साथ पीने के पानी की आवश्यकता भी होती है। इसी कारण यह पद्धति योजनाबद्ध तरीके से चल रही है। इस क्षेत्र में सिंचाई व पीने के पानी और सरकारी दस्तावेजों में रिकॉर्डो को संचारू रूप से चलाने के लिए सभी गाँवो का नाम जीबी नम्बरो पर रखा गया है।

अंतरिक्ष यात्रा में चूहों को साथ ले जाया जाता है : उनके बलिदान से खोजी गई कई दवाएं

वीरेंद्र बहादुर सिंह

गणेशोत्सव में जिसकी धार्मिक महिमा गाई जाती है, वह चूहा सामान्य जीव होते हुए भी अपनी विशेषताओं और मनुष्य के साथ अनेक जैविक समानताओं के कारण विज्ञान की दुनिया में बेहद महत्वपूर्ण बन जाता है। चिकित्सा अनुसंधान से लेकर अंतरिक्ष विज्ञान तक इसके प्रयोग ने मानव ज्ञान को आगे बढ़ाने में महत्वपूर्ण भूमिका निभाई है। अंतरिक्ष अनुसंधान में चूहों पर किए गए प्रयोगों ने यह समझने में मदद की है कि अंतरिक्ष का वातावरण मानव शरीर पर किस तरह का प्रभाव डाल सकता है।

इन छोटे जीवों पर किए गए प्रयोगों से मानव जाति को चिकित्सा के क्षेत्र में अनेक लाभ मिले हैं। चूहे और मनुष्य के बीच कई जैविक तथा व्यवहारगत समानताएं हैं। यही कारण है कि कैंसर, मधुमेह, हृदय रोग और तंत्रिका तंत्र से जुड़ी बीमारियों के अध्ययन में लंबे समय से चूहों का इस्तेमाल किया जाता रहा है। आनुवंशिक स्तर पर चूहे और मनुष्य के बीच काफी समानता पाई जाती है। उनके शरीर की कई जैविक प्रक्रियाएं भी मनुष्य से मिलती-जुलती हैं। चूहे का पाचन तंत्र भी मनुष्य के पाचन तंत्र से कई मामलों में समान है। उसकी आंतों और दूसरे आंतरिक अंगों की कार्यप्रणाली का अध्ययन वैज्ञानिकों को मानव शरीर की जटिल प्रक्रियाओं को समझने में मदद करता है। इसी वजह से नई दवाओं और उपचार पद्धतियों के परीक्षण में चूहों को महत्वपूर्ण प्रयोगात्मक मॉडल माना जाता है। व्यवहार की दृष्टि से भी चूहा वैज्ञानिकों के लिए दिलचस्प जीव है। अध्ययनों में चूहों में खुशी, डर, चिंता और तनाव जैसी प्रतिक्रियाएं देखी गई हैं। उनका तंत्रिका तंत्र जटिल है और मस्तिष्क के कई हिस्से मानव मस्तिष्क की तरह ही काम करते हैं। कुछ हालिया अध्ययनों ने यह संकेत भी दिया है कि चूहों में भविष्य की किसी गतिविधि की मानसिक कल्पना करने जैसी क्षमताएं हो सकती हैं। वे किसी स्थान और वहां पहुंचने के रास्ते को याद रख सकते हैं तथा परिस्थितियों के अनुसार अपने व्यवहार में बदलाव कर सकते हैं। उनका मोटर कॉर्टेक्स शरीर की गतिविधियों को नियंत्रित करने में महत्वपूर्ण भूमिका निभाता है।

चूहे सामाजिक जीव भी हैं। वे समूह में रहते हैं और दूसरे चूहों के साथ संवाद तथा सामाजिक व्यवहार करते हैं। इन विशेषताओं के कारण वैज्ञानिकों को मनुष्य के व्यवहार, सीखने, स्मृति और सामाजिक प्रतिक्रियाओं से जुड़े कई पहलुओं का अध्ययन करने में सहायता मिलती है। इन्हीं समानताओं के कारण चूहों का इस्तेमाल दवाओं और उपचारों के परीक्षण में किया जाता है। हालांकि प्रयोगशाला में किसी भी जीव के इस्तेमाल को लेकर नैतिक प्रश्न भी उठते रहे हैं और आधुनिक विज्ञान में पशु-अनुसंधान के लिए कई नियम और मानक निर्धारित किए गए हैं।

अंतरिक्ष अनुसंधान में चूहों का इस्तेमाल कई दशक पुराना है। अंतरिक्ष युग के शुरुआती दौर में वैज्ञानिकों के सामने सबसे बड़ा सवाल यह था कि पृथ्वी से बाहर का वातावरण किसी जीवित प्राणी के शरीर पर किस तरह असर डालता है। 1960 में सोवियत संघ के स्पुतनिक-5 मिशन में जीवित प्राणियों को अंतरिक्ष में भेजकर उनके शरीर पर अंतरिक्ष यात्रा के प्रभावों का अध्ययन किया गया। इसके बाद विभिन्न देशों ने अलग-अलग अंतरिक्ष अभियानों में चूहों और दूसरे छोटे जीवों को शामिल किया। 1961 में फ्रांस ने हेक्टर नामक चूहे को सब-ऑर्बिटल उड़ान पर भेजा। बाद के दशकों में अमेरिका, फ्रांस और सोवियत संघ सहित कई देशों ने अंतरिक्ष में चूहों पर प्रयोग किए। 1977 में कॉस्मॉस-936 मिशन के दौरान बड़ी संख्या में चूहों

को अंतरिक्ष में भेजकर अंतरिक्ष वातावरण के जैविक प्रभावों का अध्ययन किया गया। इन प्रयोगों का उद्देश्य केवल यह देखना नहीं था कि चूहा अंतरिक्ष में जीवित रह सकता है या नहीं, बल्कि यह समझना था कि गुरुत्वाकर्षण में बदलाव, विकिरण और लंबे समय तक अंतरिक्ष में रहने से शरीर के अलग-अलग अंगों पर क्या असर पड़ता है। 1985 में नासा ने स्पेस शटल के एक मिशन में स्प्रेग डॉवली चूहों को अंतरिक्ष में भेजा। इस दौरान अंतरिक्ष में छोटे जीवों को रखने और उन पर वैज्ञानिक प्रयोग करने के लिए विशेष उपकरणों का परीक्षण भी किया गया। 1990 के दशक में स्पेस शटल मिशनों के दौरान चूहों पर माइक्रोग्रैविटी के प्रभावों का अध्ययन किया गया। वैज्ञानिकों ने यह समझने की कोशिश की कि अंतरिक्ष में कम गुरुत्वाकर्षण के कारण हड्डियों का घनत्व, मांसपेशियों की ताकत, रक्त संचार और तंत्रिका तंत्र किस तरह प्रभावित होते हैं। ये अध्ययन इसलिए महत्वपूर्ण हैं, क्योंकि अंतरिक्ष यात्री जब लंबे समय तक अंतरिक्ष में रहते हैं तो उनके शरीर में कई बदलाव होते हैं। हड्डियों का घनत्व कम होना, मांसपेशियों का कमजोर होना और शरीर की दूसरी जैविक प्रक्रियाओं में परिवर्तन लंबे अंतरिक्ष अभियानों के लिए बड़ी चुनौती हैं। यदि भविष्य में मनुष्य को महीनों या वर्षों तक अंतरिक्ष में रहना है अथवा मंगल जैसे ग्रहों की यात्रा करनी है, तो इन समस्याओं को पहले से समझना जरूरी है। चूहों पर होने वाले प्रयोग इसी दिशा में वैज्ञानिकों को महत्वपूर्ण जानकारी देते हैं।

आज भी अंतरराष्ट्रीय अंतरिक्ष स्टेशन पर छोटे जीवों पर वैज्ञानिक प्रयोग किए जाते हैं। विशेष हार्डवेयर और नियंत्रित वातावरण में चूहों पर किए जाने वाले प्रयोगों से अंतरिक्ष में जीवन की परिस्थितियों के प्रभावों को समझने का प्रयास किया जाता है। इन प्रयोगों में जीन में होने वाले बदलाव, रोग प्रतिरोधक क्षमता, हड्डियों और मांसपेशियों पर प्रभाव तथा शरीर की विभिन्न जैविक प्रक्रियाओं का अध्ययन शामिल है। वैज्ञानिक यह जानना चाहते हैं कि लंबे समय तक अंतरिक्ष में रहने के दौरान शरीर किस तरह अपने आपको बदलता और अनुकूलित करता है। भविष्य के मंगल मिशनों को देखते हुए ऐसे प्रयोगों का महत्व और बढ़ गया है। मंगल तक पहुंचने और वहां से लौटने में लंबा समय लग सकता है। इसलिए अंतरिक्ष यात्रियों के स्वास्थ्य को सुरक्षित रखने के लिए पहले से यह जानना जरूरी है कि लंबे समय तक माइक्रोग्रैविटी और अंतरिक्ष विकिरण शरीर को किस तरह प्रभावित करते हैं। चूहे के दांत उसकी एक और अनोखी विशेषता हैं। उसके आगे के दांत लगातार बढ़ते रहते हैं। इस वृद्धि को नियंत्रित रखने के लिए वह कठोर चीजों को कुतरता रहता है। दांतों की यह विशेष संरचना वैज्ञानिकों को दांतों के विकास और उनसे जुड़ी बीमारियों को समझने का अवसर देती है।

चूहे के दांतों की संरचना तथा उनसे संबंधित आनुवंशिक प्रक्रियाओं का अध्ययन मानव दंत रोगों की समझ और उपचार के नए रास्ते खोजने में उपयोगी रहा है। दांतों की संवेदनशीलता और उनका तंत्रिका तंत्र से जुड़ाव भी दर्द तथा तंत्रिका संबंधी प्रक्रियाओं के अध्ययन में महत्वपूर्ण है। अंतरिक्ष में माइक्रोग्रैविटी के कारण दांतों और हड्डियों की खनिज संरचना में होने वाले बदलावों का अध्ययन भी वैज्ञानिकों के लिए उपयोगी है। ऐसे प्रयोगों से यह समझने में मदद मिलती है कि लंबे समय तक अंतरिक्ष में रहने वाले अंतरिक्ष यात्रियों की हड्डियों और दांतों को किस तरह सुरक्षित रखा जा सकता है। चूहे पर किए गए वैज्ञानिक प्रयोगों का सबसे बड़ा योगदान चिकित्सा के क्षेत्र में दिखाई देता है। अनेक बीमारियों के कारणों को समझने, नई दवाओं का परीक्षण करने और उपचार की संभावनाएं तलाशने में चूहों का इस्तेमाल किया गया है। कैंसर से लेकर मधुमेह, हृदय रोग, तंत्रिका संबंधी बीमारियों और प्रतिरक्षा तंत्र से जुड़ी समस्याओं तक कई क्षेत्रों में चूहा प्रयोगशाला अनुसंधान का महत्वपूर्ण हिस्सा रहा है। बेशक, चूहे और मनुष्य पूरी तरह एक जैसे नहीं हैं। किसी दवा का चूहे पर प्रभाव मनुष्य पर भी वैसा ही होगा, यह जरूरी नहीं। इसलिए वैज्ञानिक अनुसंधान में पशु-अध्ययन के बाद अन्य चरणों से गुजरना पड़ता है। फिर भी शरीर की कई समान जैविक प्रक्रियाओं के कारण चूहा अनुसंधान का महत्वपूर्ण मॉडल बना हुआ है।

चूहों की स्मृति, व्यवहार और मस्तिष्क की गतिविधियों को लेकर वैज्ञानिक लगातार अध्ययन कर रहे हैं। चेतना, स्मृति और मस्तिष्क के बीच संबंधों को समझने के लिए पशुओं पर होने वाले प्रयोगों से वैज्ञानिकों को कई संकेत मिलते हैं। पुनर्जन्म जैसी अवधारणाएं धार्मिक और दार्शनिक क्षेत्र से जुड़ी रही हैं। इनके वैज्ञानिक पहलुओं को समझने के लिए चेतना, स्मृति और मस्तिष्क की कार्यप्रणाली पर अलग-अलग स्तरों पर शोध जारी है। हालांकि पुनर्जन्म की वैज्ञानिक पुष्टि अभी एक अलग और जटिल विषय है, जिसे लेकर ठोस निष्कर्ष पर पहुंचना संभव नहीं हुआ है।

चूहे का मनुष्य के जीवन में योगदान जितना दिखाई देता है, उससे कहीं अधिक व्यापक है। जिस जीव को आमतौर पर घरों और खेतों में नुकसान पहुंचाने वाले जीव के रूप में देखा जाता है, वही विज्ञान की प्रयोगशालाओं में मानव जीवन को बेहतर बनाने के लिए महत्वपूर्ण भूमिका निभाता रहा है। यह भी सच है कि चूहे अनेक संक्रामक रोगों के वाहक रहे हैं।

सेहत

प्रतियोगी परीक्षा का तनाव नींद कैसे पूरी हो?

कॉम्पटेटिव एग्जाम के समय किशोरों को तनाव के साथ रातों की नींद हराम हो जाती हैं। ब्रेक-टाइम में व्यायाम करने, टहलने व अच्छी नींद लेने के बजाय किशोर अस्वास्थ्यकर विकल्पों का सहारा लेते हैं जैसे की सोशल मीडिया पर सर्फिंग करना, व्हाट्सएप पर दोस्तों क साथ बातें करते रहना, अधिक मात्रा में कैफीन लेना। यह आमतौर पर किशोरों के बीच अजीब नींद पैटर्न और व्यवहार परिवर्तनों को ट्रिगर करता हैं, जो अंततः उन्हें आराम करने या झपकी लेने के लिए पर्याप्त समय मिलने से रोकता है। ऐसा करने में, किशोर वास्तव में मन और शरीर के विश्राम को प्रोत्साहित करने वाली गतिविधियों में संलग्न होकर, अपनी ऊर्जा के स्तर को पुनर्जीवित करने के लिए मूल्यवान ब्रेक-टाइम का उपयोग करने से चूक जाते हैं।

डॉ. भास्कर आजाद ने कि बताया वैज्ञानिक अनुसंधान से पता चलता है कि किशोरों को दिन में प्रभावी ढंग से 8-10 घंटे की अच्छी नींद की आवश्यकता होती है। हालांकि, कई कारणों से किशोर को नींद की आवश्यक मात्रा नहीं मिल पाती है। इनमें शामिल हैं - जल्दी से बदलती बॉडी क्लॉक, नींद की गलत समझ, स्कूल, घर या उनके पर्यावरण, तकनीक (फोन, टैबलेट) और इसके बाद का दबाव। अस्वस्थ नींद का पैटर्न एक किशोर के दैनिक जीवन पर स्थायी नकारात्मक प्रभाव छोड़ सकता हैं और भावनात्मक असंतुलन जैसी समस्याओं को जन्म दे सकता है। नींद की कमी के साथ बहुत अधिक निष्क्रियता से मोटापा और स्लीप एपनिया जैसे गंभीर विकार हो सकते हैं - जो शरीर के कई महत्वपूर्ण अंगों को प्रभावित करते हैं और स्मृति, एकाग्रता की क्षमता को प्रभावित करते हैं। साथ ही एक उम्र के बाद किशोरों को अवसाद, चयापचय संबंधी विकार और हृदय की समस्याओं का शिकार भी बना सकते हैं ।

जबकि किशोरावस्था में जैविक घड़ी हर बार बदलती है, व्यक्तिगत प्रयासों के माध्यम से वे एक अनुसूचित जीवन शैली और एक स्वस्थ आहार के साथ संयुक्त एक अच्छी नींद, जागरण संतुलन सुनिश्चित करके आवश्यक गति से मेल खाने के लिए घड़ी को सिंक्रनाइज कर सकते हैं; व्यायाम करें। अच्छी नींद स्वच्छता प्रथाओं का पालन करके गुणवत्ता नींद प्राप्त करना वास्तव में आसान है

- बिस्तर पे जाने और जागने का समय निर्धारित करना।
- अनुशंसित नींद की अवधि बनाए रखना।
- नियमित रूप से व्यायाम करना।
- स्वस्थ भोजन करना।
- कैफीन, शराब, तंबाकू और इसी तरह के खतरों के सेवन से बचना।
- एक खेल खेलने जैसे मनोरंजक गतिविधियों में संलग्न।

अच्छी सेहत के लिए जीवन के हर पड़ाव पर एक अच्छी नींद बेहद जरूरी हैं। इन अनुशंसित प्रथाओं का पालन करने से किशोर न केवल आराम से सो पाएंगे, बल्कि जीवन में प्रगति के लिए अपनी वास्तविक क्षमता का अधिकतम लाभ उठाकर लाभांवित होंगे।

पेटदर्द या अपच को कभी हल्के में न लें

पेटदर्द को कभी भी हल्के में नहीं लेना चाहिए। गैस्ट्रोइंटेस्टाइनल कैंसर (पेट की आंतों या पेट के कैंसर) भारत में चौथा सबसे ज्यादा संख्या में लोगों को होने वाला कैंसर बन गया है। पिछले साल जीआई कैंसर के 57,394 मामले सामने आए। यह महिलाओं की तुलना में पुरुषों को ज्यादा प्रभावित करता है।

चिकित्सक बताते हैं कि जीआइ कैंसर के ज्यादातर मरीजों को शुरुआत में गैर-विशिष्ट लक्षण होते हैं, जैसे पेट दर्द और असहज होना, लगातार अपच बने रहना, मलोत्सर्ग की आदत में गड़बड़ी होना।

यह साइलेंट किलर के रूप में धीरे-धीरे बढ़ता जाता है और शरीर के आंतरिक अंगों जैसे बड़ी आंत, मलाशय, भोजन की नली, पेट, गुर्दे, पित्ताशय की थैली, पैनक्रियाज या पाचक ग्रंथि, छोटी आंत, अपेंडिक्स और गुदा को प्रभावित करता है।

डॉक्टर का कहना है, ''हमें जीआई कैंसर की प्रकृति के संबंध में जागरूकता और इसका जल्दी से जल्दी पता लगाने के लिए जांच कार्यक्रमों की उपलब्धता की काफी जरूरत है। अपर जीआई की स्क्रीनिंग, कोलोनोस्कोपी और एनबीआई एंडोस्कोपी की मदद से जीआई कैंसर का जल्द से जल्द पता लगाने में मदद मिलती है। प्रतिरोधी पीलिया और पित्ताशय की थैली में कैंसर की पुष्टि सीटी स्कैन, एमआरआई और ईआरसीपी से नहीं होती। मेडिकल दखल जैसे कोलनगियोस्कोपी की मदद से कैंसर को देखने और उनके ऊतकों का परीक्षण करने में मदद मिलती है। इससे पित्ताशय की थैली के कैंसर का जल्द पता लगाया जा सकता है, जिसका किसी परंपरागत उपकरण या रूटीन जांच से इस कैंसर का पता नहीं लगाया जा सकता।''

गैस्ट्रोइंटेस्ट्रोलॉजी विशेषज्ञ डॉ. वीएम दयाल का कहना है, ''चूंकि जीआई कैंसर रोग की स्थिति और लक्षणों के आधार अलग-अलग हो सकते हैं। इनमें अंतर करने के लिए और कैंसर के खास प्रकार का पता लगाने के लिए मरीजों की जल्द से जल्द जांच करना बेहद आवश्यक है। कोलनगियोस्कोपी की मदद से डॉक्टर पित्ताशय की थैली को देख सकते हैं और इससे उन्हें खास तरह के कैंसर का पता लगाने में मदद मिलती है। इससे वह शरीर में मौजूक ऊतकों और तरल पदार्थ के अध्ययन से किसी खास तरह के कैंसर की जड़ तक पहुंच सकते हैं और उसका उचित

इलाज शुरू कर सकते हैं। इस प्रक्रिया में 1 एमएम के चौड़े वीडियो कैमरा के साथ पतली और लचीली ट्यूब का इस्तेमाल कर डॉक्टर पित्ताशय की थैली की अंदरूनी परत की निगरानी कर सकते हैं। अगर कोई संदिग्ध क्षेत्र पाया जाता है तो डॉक्टर ऊतक का छोटा टुकड़ा लेकर प्रयोगशाला में परीक्षण के लिए भेज सकते हैं।''

डॉ. रोहित गुप्ता के अनुसार, किसी भी कैंसर का इलाज करने के लिए बहुत जरूरी है कि सही समय पर हम उसके इलाज को शुरू करें, परंतु समस्या यही है कि बहुत से लोगों को इसका पता तभी चलता है, जब कैंसर दूसरे या तीसरे स्टेज पर पहुंच जाता है। बढ़ती टेक्नोलॉजी के साथ जब से नए एंडोस्कोपस और हाई डेफिनेशन एंडोस्कोपी एंड कोलोनोस्कोपी की सुविधा उपलब्ध हुई है, डॉक्टर्स के लिए यह बहुत हो गया है, जिससे वह समय रहते इसकी जांच और इलाज कर पा रहे है, क्योंकि जितनी जल्दी जांच होगी, उतनी ही जल्दी हम उसका इलाज कर पाएंगे।

अपच की समस्या के 4 आसान घरेलू उपचार

अदरक

अगर आपको भी अपच परेशान कर रही है तो अदरक इसका रामबाण उपाय है। आपको अपच की समस्या है तो थोडे से अदरक को छील कर धो लें। अब इसे कूटें और एक कप में इसका रस निकाल कर हर रोज पीएं। आपको निश्चित रूप से तुरंत राहत मिलेगी। अदरक को पतला-पतला काटें। इस पतले से टुकड़ों पर काला नमक लगाएं। अब इन टुकड़ों को अपने मुंह में रखें और चबाएं। इसे एकदम से न निगलें, बल्कि चबाते हुए इसके रस को अपने पेट में जाने दें। यह अपच से राहत पाने में मदद करता है।

एलोवेरा

एलोवेरा जैसी जडी-बूटी का नियमित सेवन करने से अपच से छुटकारा पाने में मदद मिलती है। साथ ही एलोवेरा जूस पीने से पेट के कई रोग दूर होते हैं। यह पाचन तंत्रिका को मजबूत बनाता है। और शरीर के एक्स्ट्रा टॉक्सिन्स को बाहर निकालने में मदद करता है। अपच के दौरान दिन में दो बार 10 से 20 मिलीलीटर ताजे एलोवेरा जेल को पिएं। या अपच की समस्या हो जाने पर थो? से एलोवेरा पल्प में आधा चम्मच सेंधा नमक मिलाकर सेवन करने से इस समस्?या से छुटकारा मिल जाता है। सुबह खाली पेट एलोवेरा जूस पीने से शरीर की रोग प्रतिरोधक क्षमता ब?ती है और पेट संबंधी बहुत सी समस्याये दूर हो जाती है।

दालचीनी

कुछ लोग चाय में दालचीनी का इस्तेमाल करते हैं तो कुछ इसे मसाले के रूप में पसंद करते हैं। दालचीनी हर घर में मौजूद होती है। दालचीनी सुगंधित, पाचक, उत्तेजक, और बैक्टीरियारोधी होती है। यह पाचन क्रिया को सुधारती है व पेट में बन रही गैस से निजात दिलाती है। इसे चाय के रूप में बनाने के लिए एक कप गर्म पानी में आधा चम्मच दालचीनी का पाउडर डालें तथा इसे कुछ मिनटों के लिए उबलने दें। फिर इसे पी लें।

सौंफ

सौंफ हमेशा पाचन क्रिया को सुधारने में फायदेमंद रही है। अपने पेट को शांत रखने के लिए खाने के बाद थोडी सी सौंफ अपने मुंह में डालें व इसे अच्छे से चबाकर खाएं। अपच संबंधी विकारों में सौंफ बेहद उपयोगी है। बिना तेल के तवे पर तली हुई सौंफ और बिना तली सौंफ के मिक्चर से अपच के मामले में बहुत लाभ होता है। आधी कच्ची सौंफ का चूर्ण और आधी भुनी सौंफ के चूर्ण में हींग और काला नमक मिलाकर 2 से 6 ग्राम मात्रा में दिन में तीन-चार बार प्रयोग कराएं इससे गैस और अपच दूर हो जाती है।

जानकारी

दिल की सेहत के लिए ठीक नहीं ज्यादा बैठना

डायबिटीज का भी खतरा

अगर आप ऑफिस में घंटों कुर्सी पर डटे रहते हैं तो सावधान हो जाएं। घर पर दिन-रात टीवी, स्मार्टफोन और कंप्यूटर की स्क्रीन से चिपके रहना भी आपकी सेहत के लिए घातक है। अमेरिका स्थित मेयो क्लीनिक के एक अध्ययन में शारीरिक असक्रियता को धूम्रपान जितना नुकसानदायक करार दिया गया है। इसमें कहा गया है कि लोग चलने-फिरने और एक्सरसाइज करने का समय बढ़ाकर कंधे, पीठ एवं कमर में दर्द की समस्या से लेकर टाइप-2 डायबिटीज, हृदयरोग तथा कैंसर जैसी जानलेवा बीमारियों से मौत का खतरा घटा सकते हैं। दिन भर बैठे या लेटे रहने की आदत याददाश्त और तर्क शक्ति के लिए भी घातक पाई गई है।

ब्लड शुगर में इजाफा

मैकमास्टर यूनिवर्सिटी के अध्ययन में पाया गया था कि लगातार दो हफ्ते तक 1000 से कम कदम चलने पर इंसुलिन के खिलाफ प्रतिरोधक क्षमता विकसित होने लगती है। इससे शरीर में पहुंचने वाली शर्करा ऊर्जा में नहीं बदल पाती और व्यक्ति डायबिटीज का शिकार हो जाता है।

बैठने की आदत

- 8 घंटे औसतन कुर्सी पर डटे रहते हैं ज्यादातर वयस्क।
- 10 हजार कदम रोजाना चलना जरूरी है स्वस्थ रहने को।
- 3 घंटे टीवी या मोबाइल पर वीडियो देखने में गुजारते हैं।
- 6 दिन हफ्ते में कम से कम आधा घंटा जरूर व्यायाम करें।

याददाश्त को खतरा

अगस्त 2018 के कैलिफोर्निया यूनिवर्सिटी के अध्ययन में रोजाना 10 से 15 घंटे तक शारीरिक रूप से असक्रिय रहने वाले लोगों के मस्तिष्क का 'मीडियल टेंपोरल लोब भाग काफी छोटा पाया गया था। यह भाग यादें संजोने एवं नई चीजें सीखने की क्षमता निर्धारित करने में अहम माना जाता है।

काम आएंगे यह छोटे-छोटे कदम

बोतल में पानी भरकर न रखें, प्यास लगने पर उठकर पानी पीने जाएं। हर आधे घंटे पर सीट पर खड़े होकर स्ट्रेचिंग करें। सहयोगियों से संवाद को फोन-ईमेल का सहारा लेने के बजाय उनकी सीट पर जाएं। लंच कैंटीन जाकर करें, लिफ्ट के बजाय सीढ़ियों का प्रयोग करें। ब्रेक में फोन पर टहलते हुए बात करना बेहतर रहेगा।

गर्मी में रहना है कूल और दिखना है स्लिम कीवी स्मूदी पीकर घटाएं वजन

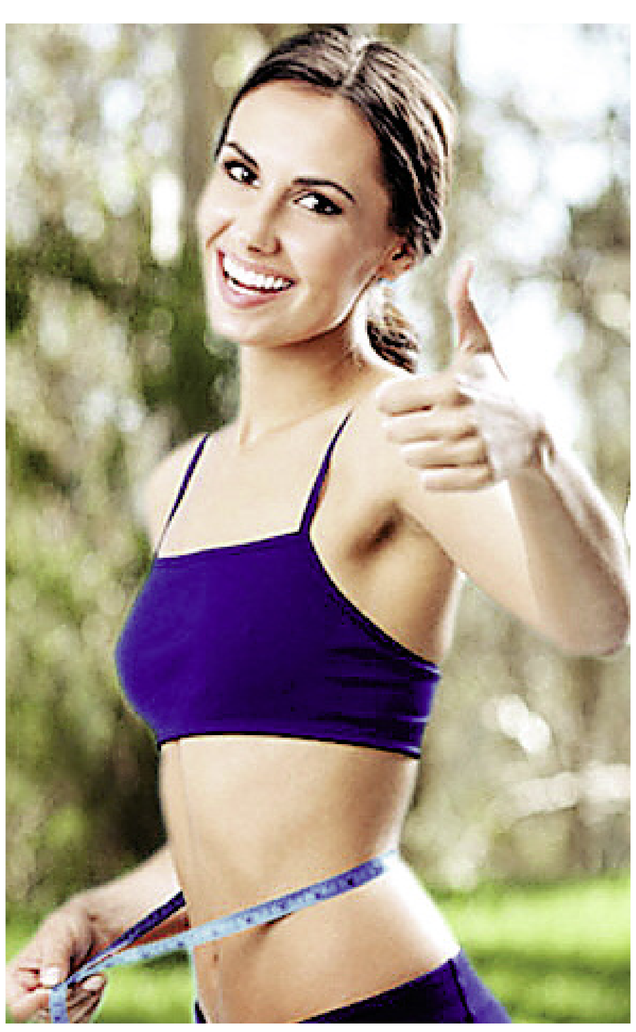

गर्मी में रहना है कूल और दिखना है स्लिम, तो कीवी स्मूदी पीकर घटाएं तेजी से वजन। बढ़ते वजन को कंट्रोल करने और मोटापे को दूर करने में मददगार है यह कीवी स्मूदी। इसके सेवन से आप गर्मियों में कूल और स्मिल दिखने के साथ हेल्दी रह सकते हैं। जानें कीवी स्मूदी बनाने का तरीका।

फिट और स्वस्थ रहने के लिए आजकल अधिकतर लोग कोशिश करते हैं कि ऐसा खाना खाएं जिससे वजन कंट्रोल में रहे और आप फिट रहें, लेकिन कई प्रयासों के बाद भी आप में से बहुत से लोग अपने वजन को कम करने में नाकामयाब रहते हैं, जिसके लिए आप वजन कम करने के लिए कुछ ऐसे तरीकों को भी अपनाते हैं, जो आपके स्वास्थ्य पर बुरा असर पड़ता है। इसलिए वजन कम करने के लिए आप हमेशा ऐसे तरीकों को अपनाएं, जो आपका हेल्दी तरीके से वजन कम करने में मदद करें। वजन कम करने के लिए अपनी दैनिक दिनचर्या और अपनी डाइट में कुछ बदलावों की जरूरत होती है। जैसे आप नियमित व्यायाम को अपनी दिनचर्या का हिस्सा बना सकते हैं। इसके अलावा अपने खानपान में कुछ छोटे-छोटे बदलाव करके वजन को कम किया जा सकता है। यदि आप भी वजन कम करने वालों की दौड़ में शामिल हैं, तो आप कीवी स्मूदी से अपना वजन तेजी से कम कर सकते हैं।

पोषक तत्वों से भरपूर कीवी

पोषक तत्वों से भरपूर कीवी आपको हेल्दी तरीके से वजन कम करने में मदद करती है। इसमें विटामिन सी, विटामिन के, विटामिन ई और फोलेट व पोटैशियम भी भरपूर मात्रा में पाया जाता है। कीवी में एसटिनिडेन एंजाइम होता हैं, जो प्रोटीन को पचाने और वसा के अणुओं को तोड़ने में मदद करता है। इसके अलावा कीवी का सेवन कई बीमारियों को दूर करने में फायदेमंद है। यह शरीर में ब्लड प्लेटलेट्स को बढ़ाने के साथ पाचन में भी सुधार करती है।

तेजी से वजन कम करे कीवी स्मूदी

आपको जानकर हैरानी होगी कि कीवी स्मूदी पीने से वजन को तेजी से कम करने में मदद मिलती है, लेकिन हम आपको बता दें यदि आप रोजाना कीवी स्मूदी पीते हैं, तो यह आपके शरीर से अतिरिक्त चर्बी व वजन को कम करने में मददगार है। इसलिए आप अपने बढ़ते वजन को कंट्रोल करने और मोटापे को दूर करने के लिए रोजाना व्यायाम करें और एक्सरसाइज के बाद कीवी स्मूदी पिएं।

कैसे बनाएं कीवी स्मूदी

कीवी स्मूदी को आसानी से बनाया जा सकता है। इसके लिए आप सबसे पहले ताजी कीवी को छीलकर मैश कर लें। अब आप इस मैश की गई कीवी में दही, शहद और बादाम डालें। इसके अलावा आप इसमें अपनी पंसद के ड्राई फ्रूट्स एवं बाकी चीजें भी मिला सकते हैं। अब आप इन सबको अच्छे से मिला लें और रोजाना सुबह के समय आप इसका सेवन करें। इसके अलावा आप कीवी और बादाम व दूध के साथ भी इस स्मूदी को तैयार कर सकते हैं। इस कीवी स्मूदी को पीने से आपका पेट लंबे समय के लिए भरा रहता है।

रेसिपी

मैंगो आईसक्रीम

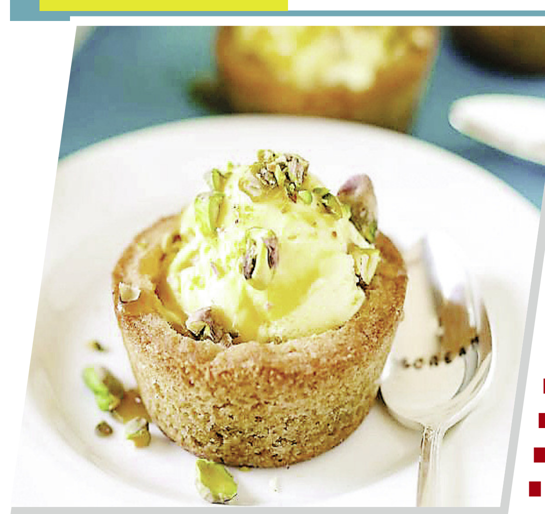

सामग्री

- आम: 400 ग्राम
- दूध: 800 ग्राम
- किशमिश:10 ग्राम
- पिस्ता: 10 ग्राम
- चिरौंजी: 10 ग्राम
- वनीला कस्टर्ड पाउडर:1 कप
- कंडेंस्ड मिल्क: 1 कप
- चीनी:1 कप
- कॉर्नफ्लोर: 4 टीस्पून
- इलायची पाउडर: 3 टीस्पून

विधि

आम को छीलकर उसका पल्प निकालकर ग्राइंड कर लें। एक पैन में दूध डालकर बॉयल करें। जब दूध बॉयल हो जाए तब इसमें चीनी,कंडेस्ड मिल्क, पिस्ता, चिरौंजी, इलायची, किशमिश डालकर दूध को लगातार चलाते हुए दो मिनट तक मीडियम आंच पर पका लें। फिर इसमें कस्टर्ड पाउडर और कॉर्नफ्लोर डालकर अच्छे से मिक्स करें और बीच-बीच में चलाते हुए दूध को गाढ़ा होने तक पका लें। फिर इसे ठंडा होने दें। जब दूध का मिक्सचर ठंडा हो जाए, तब उसमें पिसा हुआ आम डालकर अच्छे से मिक्स कर लें। फिर मिक्सचर को प्लास्टिक कंटेनर में डालें और एक से डेढ़ घंटे तक फ्रीजर में रख दें। फिर कंटेनर को फ्रीजर से निकालें और बीटर से मिक्सचर को थोड़ा सा फेंटकर 4-6 घंटे के लिए फिर से फ्रीजर में रख दें। ड्रायफ्रूट्स से गार्निश करके सर्व करें।

प्याज पराठा

सामग्री

- प्याज बारीक कटी हुई : 2 छोटी
- बेसन: 2 बड़े चम्मच
- लाल मिर्च पाउडर: 1/4 छोटी चम्मच
- नमक: स्वाद के अनुसार
- हरी मिर्च बारीक कटी हुई : 1
- हरी धनिया बारीक कटी हुई

विधि

प्याज बेसन लीजिए, उसमें नमक डालें, लाल मिर्च पाउडर डालें, साथ में हरी धनिया और हरी मिर्च भी मिलाए। आवश्यकतानुसार इसमें पानी इस्तेमाल कर सकते हैं। अब आटे की लोई बनाकर उसे थोड़ा सा बेल लें और इसमें प्याज की स्टफिंग भरें चारो तरफ से बंद कर दें। अब तवे को गैस पर तेज आंच पर रखें। अब उस पर तेल लगाइए और पराठे डालें। जब एक तरफ से लाल हो जाए तब इसे पलटें। अचार, बूंदी रायता या दही के साथ परोसे।

ईडब्ल्यूएस पॉकेट-7 की बैठक में समस्याओं पर मंथन, सीवर और स्ट्रीट लाइट का मुद्दा छाया

ढाई साल से सीवर ओवरफ्लो की समस्या से परेशान हैं पॉकेटवासी, नालियों के जाम होने से मकानों की नींव में पहुंच रहा पानी

गौतमबुद्ध नगर। सेक्टर-82 स्थित ईडब्ल्यूएस पॉकेट-7 में आरडब्ल्यूए की महत्वपूर्ण बैठक आयोजित की गई, जिसमें पॉकेट की बुनियादी समस्याओं और विकास से जुड़े मुद्दों पर विस्तार से मंथन किया गया। बैठक की अध्यक्षता आरडब्ल्यूए अध्यक्ष राघवेंद्र दुबे ने की। बैठक में बड़ी संख्या में पॉकेटवासियों ने भाग लेकर समस्याओं के स्थायी समाधान की मांग उठाई। बैठक में सबसे प्रमुख मुद्दा सीवर ओवरफ्लो और जल निकासी की बदहाल व्यवस्था का रहा। पॉकेटवासियों ने बताया कि लंबे समय से सीवर की समस्या बनी हुई है और कई स्थानों पर सीवर का गंदा पानी गलियों तथा पार्कों में बह रहा है। इससे स्थानीय लोगों को दुर्गंध, गंदगी और संक्रामक बीमारियों के फैलने का खतरा बना हुआ है।

आरडब्ल्यूए अध्यक्ष राघवेंद्र दुबे ने कहा कि पॉकेट में सीवर ओवरफ्लो की समस्या पिछले करीब ढाई वर्षों से लगातार बनी हुई है, लेकिन अब तक इसका स्थायी समाधान नहीं हो सका है। उन्होंने आरोप लगाया कि बार-बार शिकायतों के बावजूद संबंधित प्राधिकरण के अधिकारी समस्या के समाधान को लेकर गंभीरता नहीं दिखा रहे हैं। उन्होंने कहा कि पॉकेट की नालियां भी जगह-जगह जाम हैं, जिसके कारण पानी नाले तक नहीं पहुंच पा रहा है।

नालियों का गंदा पानी आसपास के फ्लैटों की नींव तक पहुंच रहा है, जिससे भवनों की मजबूती को लेकर भी लोगों में चिंता बढ़ रही है। उन्होंने कहा कि बंद नालियों की सफाई के साथ-साथ आवश्यकता के अनुसार नई ड्रेनेज व्यवस्था विकसित कर उसे मुख्य नाले से जोड़ना जरूरी है, ताकि जलभराव की समस्या का स्थायी समाधान हो सके।

बैठक में स्ट्रीट लाइटों की खराब स्थिति का मुद्दा भी प्रमुखता से उठाया गया। पॉकेटवासियों ने बताया कि कई स्ट्रीट लाइटें लंबे समय से बंद पड़ी हैं, जिससे रात के समय आवागमन में परेशानी के साथ सुरक्षा को लेकर भी चिंता बनी रहती है। लोगों ने सभी खराब स्ट्रीट लाइटों को शीघ्र दुरुस्त कराने की मांग की।

बैठक में केवल समस्याओं पर चर्चा ही नहीं, बल्कि पॉकेट के समग्र विकास के लिए नई रणनीति तैयार करने पर भी विचार-विमर्श किया गया। आरडब्ल्यूए पदाधिकारियों एवं निवासियों ने आपसी समन्वय के साथ संबंधित विभागों के समक्ष समस्याओं को प्रभावी ढंग से उठाने और उनके स्थायी समाधान के लिए निरंतर प्रयास करने का निर्णय लिया। बैठक में सुशील पाल, उत्तम चंद्रा, पप्पू सिंह, राजवीर सिंह, देवमणि शुक्ला, घनश्याम जोशी, मिथिलेश राय, हनुमान कुमार, दयानंद शास्त्री, अनूप शर्मा, विष्णु शर्मा, विकास शर्मा, प्रकाश जोशी, जितेंद्र सिंह, बीडी गुप्ता, रमेश गुप्ता, जयराम शुक्ला, बीसी पांडेय, अभय पांडे, मनोज सिंह, पालीवाल, नवीन पंत, रामलखन लखेड़ा** सहित बड़ी संख्या में पॉकेटवासी मौजूद रहे। बैठक में लोगों ने स्पष्ट कहा कि बुनियादी सुविधाओं का स्थायी समाधान अब प्राथमिकता होनी चाहिए, ताकि सेक्टर-82 के ईडब्ल्यूएस पॉकेट-7 के निवासियों को लंबे समय से चली आ रही समस्याओं से राहत मिल सके और क्षेत्र का सुरक्षित एवं व्यवस्थित विकास सुनिश्चित हो।

पुणे में महाराष्ट्र के पहले मॉडल सब-रजिस्ट्रार कार्यालय का शुभारंभ

पुणे। भरोसेमंद टेक्नोलॉजी सर्विस में दुनिया की अग्रणी कंपनी श्त्र्र ग्लोबल ने, जो सरकारों और नागरिकों के लिए सुरक्षित ग्लोबल मोबिलिटी को बढ़ावा देती है, हए एठ्ठी' रड्डा३६ी ढ५३. छ्ग्ं. के साथ मिलकर पुणे में महाराष्ट्र का पहला मॉडल सब-रजिस्ट्रार ऑफिस (रफ्ह) शुरू किया है। इसका मकसद प्रॉपर्टी रजिस्ट्रेशन की प्रक्रिया को आसान बनाना और उसे डिजिटल रूप से बदलकर एक तेज, पारदर्शी और नागरिक-केंद्रित सिस्टम बनाना है।

पुणे में नए मॉडल रफ्ह का उद्घाटन 13 अगस्त 2026 को माननीय श्री चंद्रशेखर बावनकुले, मंत्री, राजस्व विभाग, महाराष्ट्र सरकार द्वारा किया गया। इस अवसर पर श्री रवींद्र बिनवडे, महानिरीक्षक पंजीयन (क्ध्र्फ), महाराष्ट्र सरकार; श्री जितेन व्यास, मुख्य वाणिज्यिक अधिकारी एवं बिजनेस डेवलपमेंट प्रमुख, श्त्र्र ऋ्ंड्ड', तथा महाराष्ट्र सरकार के अन्य गणमान्य व्यक्ति उपस्थित रहे।

इस अवसर पर , महाराष्ट्र सरकार में राजस्व मंत्री माननीय श्री चंद्रशेखर बावनकुले ने कहा पुणे में महाराष्ट्र के पहले मॉडल सब-रजिस्ट्रार कार्यालय (टड्डी' र४-र्फ़्२३११ डाूी) का शुभारंभ संपत्ति पंजीकरण के आधुनिकीकरण और सार्वजनिक सेवाओं को अधिक नागरिक-केंद्रित बनाने के हमारे प्रयासों में एक महत्वपूर्ण मील का पत्थर है। इस पहल के माध्यम से हम सुदृढ़ सरकारी निगरानी के साथ आधुनिक बुनियादी ढाँचे, डिजिटल प्रणालियों और कुशल सेवा-प्रदान व्यवस्था का समन्वय कर रहे हैं, ताकि नागरिकों के लिए अधिक तेज, पारदर्शी और सुविधाजनक अनुभव सुनिश्चित किया जा सके। मॉडल एसआरओ कार्यक्रम का उद्देश्य लंबे समय से चली आ रही भीड़भाड़ और लंबे समय तक प्रतीक्षा जैसी चुनौतियों का समाधान करना है, साथ ही शासन एवं नियामकीय अनुपालन के उच्चतम मानकों को बनाए रखना है। हमें खुशी है कि पहला केंद्र अब कार्यरत हो गया है और हम चरणबद्ध तरीके से इस मॉडल का पूरे राज्य में विस्तार करने के लिए तत्पर हैं।

रणवीर सिंह की नई सर्वाइवल फिल्म प्रलय की शूटिंग शुरू

रणवीर सिंह की महत्वाकांक्षी नई सर्वाइवल फिल्म प्रलय की शूटिंग आज से शुरू हो गई है। अनन्या बिरला के बिरला स्टूडियोज, टू स्टोरी फिल्म्स और मां कसम फिल्म्स द्वारा निर्मित इस फिल्म का निर्देशन जय मेहता कर रहे हैं। प्रलय में खत्म हो जाएगी आपकी जानी-पहचानी दुनिया तैयार हो जाइए इंसानियत के अस्तित्व की लड़ाई देखने के लिए! रणवीर सिंह की मुख्य भूमिका वाली प्रलय एक महत्वाकांक्षी एंड-ऑफ-द-वर्ल्ड एक्शन थ्रिलर है। फिल्म की शूटिंग आधिकारिक तौर पर मुंबई में शुरू हो गई है। इसके साथ ही भारतीय सिनेमा की बड़े पैमाने पर बनाई जा रही फिल्मों में से एक की शूटिंग शुरू हो गई है।

यह फिल्म धुरंधर और धुरंधर द रिवेंज के बाद रणवीर सिंह की अगली बड़ी फिल्म है। दोनों फिल्में अब तक की सबसे ज्यादा कमाई करने वाली फिल्मों में शामिल हैं। प्रलय के साथ रणवीर एक बार फिर ऐसी दुनिया में कदम रख रहे हैं, जिसे भारतीय सिनेमा में पहले इस तरह नहीं देखा गया है। अपनी पीढ़ी के बेहतरीन कलाकारों में गिने जाने वाले रणवीर फिल्म में मुख्य भूमिका निभाने के साथ-साथ इसके निमार्ता भी हैं। यह कहानी उनसे शारीरिक मेहनत के साथ-साथ भावनाओं को भी मजबूती से दिखाने की मांग करती है।

अनन्या बिरला के लिए प्रलय बिरला स्टूडियोज की एक खास फिल्म है। इसके जरिए वह सिनेमा में कुछ नया करने की कोशिश कर रही हैं और भारत के नए दौर के प्रतिभाशाली लोगों के साथ काम कर रही हैं। हंसल मेहता और साहिल सैगल की टू स्टोरी फिल्म्स के लिए प्रलय ऐसी कहानी पेश करने की कोशिश है, जो अपने कंटेंट के जरिए कुछ अलग करे। यही सोच इस फिल्म की सबसे खास बातों में से एक है। प्रलय में लोका से पहचान बनाने वाली अभिनेत्री कल्याणी प्रियदर्शन भी अहम भूमिका में नजर आएंगी। फिल्म में नई पीढ़ी के कई प्रतिभाशाली कलाकार भी साथ आए हैं। भारत और दुनिया भर के बेहतरीन क्रिएटिव और टेक्निकल टैलेंट के साथ बनाई जा रही प्रलय का निर्देशन जय मेहता कर रहे हैं। हंसल मेहता के साथ मिलकर उन्होंने स्कैम 1992 द हर्षद मेहता स्टोरी का निर्देशन किया था और लुटेरे के लिए भी उन्हें काफी सराहना मिली। प्रलय दर्शकों को एक ऐसी रोमांचक कहानी में ले जाएगी, जहां दुनिया के खत्म होने का खतरा सामने है। फिल्म बड़े पैमाने पर बनाई जा रही है, लेकिन इसकी कहानी इंसानी भावनाओं से भी जुड़ी होगी।

मुंबई की पहचान और यहां के अलग-अलग इलाकों की पृष्ठभूमि में बनी प्रलय एक ओरिजिनल कहानी है। फिल्म में बड़े और शानदार दृश्य देखने को मिलेंगे, लेकिन इसके साथ ही कहानी इंसानी भावनाओं पर भी ध्यान देगी। फिल्म की कहानी सर्वाइवल, हिम्मत और उन चीजों के लिए लड़ने की है, जो सबसे ज्यादा मायने रखती हैं, खासकर तब जब दुनिया धीरे-धीरे खत्म होने लगे। फिल्म की शूटिंग मुंबई और उसके आसपास की असली लोकेशन्स पर की जा रही है। मेकर्स असली जगहों पर शूटिंग करके फिल्म को ज्यादा वास्तविक बनाना चाहते हैं। इससे फिल्म में ज्यादा गहराई और रोमांच आएगा और दुनिया के खत्म होने की कगार पर खड़ी इस कहानी को दर्शकों के लिए और भी असली बनाया जा सकेगा। कई महीनों तक तकनीकी और गहन प्री-प्रोडक्शन के बाद अब प्रलय के कैमरे चल पड़े हैं। फिल्म को बहुत बड़े पैमाने पर बनाया जा रहा है। शूटिंग शुरू होने से पहले ही यह भारतीय सिनेमा की सबसे चर्चित और बहुप्रतीक्षित फिल्मों में शामिल हो चुकी है।

एम.बी. रबर प्राइवेट लिमिटेड ने आयोजित की डिस्ट्रीब्यूटर मीट 2026

फुटवियर उद्योग में वर्ष 1988 से अपनी पहचान बना चुकी एम.बी. रबर प्राइवेट लिमिटेड ने नई दिल्ली के होटल ली मेरिडियन, जनपथ में डिस्ट्रीब्यूटर मीट 2026 का सफल आयोजन किया। कंपनी के स्थापित ब्रांड लखानी आयुष्मान और एकता समेत अन्य उत्पादों को लेकर आयोजित इस कार्यक्रम में कंपनी के डिस्ट्रीब्यूटर्स और चैनल पार्टनर्स ने हिस्सा लिया। कार्यक्रम के दौरान कारोबार के विस्तार, आपसी सहयोग और भविष्य की रणनीति को लेकर चर्चा हुई। डिस्ट्रीब्यूटर मीट का उद्देश्य कंपनी और उसके डिस्ट्रीब्यूशन नेटवर्क के बीच संबंधों को और मजबूत करना रहा। इस दौरान कंपनी के चैनल पार्टनर्स के योगदान को सराहा गया और कारोबार को आगे बढ़ाने की संभावनाओं पर चर्चा की गई। डिस्ट्रीब्यूटर्स को कंपनी के नेतृत्व से सीधे संवाद करने और कंपनी के उत्पाद पोर्टफोलियो व भविष्य की योजनाओं की जानकारी हासिल करने का अवसर भी मिला।

इस अवसर पर एम.बी. रबर प्राइवेट लिमिटेड के मैनेजिंग डायरेक्टर श्री विपिन मेहता ने कहा, ह्लहमारे डिस्ट्रीब्यूटर्स और चैनल पार्टनर्स हमारी यात्रा का अहम हिस्सा रहे हैं। डिस्ट्रीब्यूटर मीट उनके योगदान को सम्मान देने, साझेदारी को मजबूत करने और भविष्य के नए अवसरों की दिशा में साथ मिलकर आगे बढ़ने का अवसर है। हम अपने नेटवर्क के लिए गुणवत्तापूर्ण उत्पाद उपलब्ध कराने और लंबे समय तक मजबूत कारोबारी संबंध बनाने के लिए प्रतिबद्ध हैं। एम.बी. रबर प्राइवेट लिमिटेड के डायरेक्टर श्री वासु मेहता ने कहा, ह्लफुटवियर उद्योग तेजी से बदल रहा है और बदलती उपभोक्ता जरूरतों के अनुरूप गुणवत्ता, नवाचार और मजबूत बाजार साझेदारी हमारी प्राथमिकता है। हमारे डिस्ट्रीब्यूटर्स उत्पादों को उपभोक्ताओं तक पहुंचाने में महत्वपूर्ण भूमिका निभाते हैं। आने वाले वर्षों में हम उनके साथ मिलकर कारोबार को और मजबूत करने की दिशा में काम करेंगे।

वर्ष 1988 में स्थापित एम.बी. रबर प्राइवेट लिमिटेड ने उत्तर प्रदेश के साहिबाबाद, गाजियाबाद स्थित अपने औद्योगिक संयंत्र के माध्यम से फुटवियर उद्योग में मजबूत उपस्थिति बनाई है। श्री विपिन मेहता के नेतृत्व में कंपनी ने अगली पीढ़ी के श्री वासु मेहता और श्रीमती कृति मल्होत्रा के साथ मिलकर गुणवत्ता, नवाचार और प्रतिबद्धता पर ध्यान केंद्रित करते हुए अपनी कारोबारी यात्रा को आगे बढ़ाया है।

कंपनी के पोर्टफोलियो में लखानी शूज, प्रोमेक्स, आर्चफीट, लखानी स्कूल स्टाइल, लखानी हवाई और एकता शामिल हैं। डिस्ट्रीब्यूटर मीट के दौरान कंपनी ने अपने उत्पादों को भी प्रदर्शित किया, जिसमें लखानी आयुष्मान हवाई स्लीपर को प्रमुख उत्पाद के रूप में पेश किया गया।

डिस्ट्रीब्यूटर मीट के जरिए कंपनी ने अपने डिस्ट्रीब्यूशन नेटवर्क के साथ मजबूत और सहयोगात्मक कारोबारी संबंधों पर जोर दिया। कंपनी का लक्ष्य चैनल पार्टनर्स के साथ निरंतर जुड़ाव के माध्यम से अपने बाजार विस्तार को गति देना और फुटवियर तथा स्कूल फुटवियर सेगमेंट में अपनी स्थिति को और मजबूत करना है। कंपनी का दीर्घकालिक लक्ष्य स्कूल फुटवियर और एक्सेसरीज के क्षेत्र में एक वैश्विक स्तर पर सम्मानित ब्रांड का निर्माण करना है। इसके लिए कंपनी गुणवत्ता, नवाचार और टिकाऊ कार्यप्रणाली पर ध्यान केंद्रित कर रही है, जिससे छात्रों और समुदायों के लिए सकारात्मक योगदान दिया जा सके।

मनोज कुमार शर्मा को मास कम्युनिकेशन में ऑनरेरी डॉक्टरेट से किया सम्मानि

पीआर गुरु के संस्थापक एवं प्रबंध निदेशक को जनसंपर्क, रणनीतिक संचार, मीडिया और संचार शिक्षा में योगदान के लिए मिला सम्मान

पीआर गुरु के संस्थापक एवं प्रबंध निदेशक मनोज कुमार शर्मा को अमेरिकन ईस्ट कोस्ट यूनिवर्सिटी द्वारा नई दिल्ली के द ललित, कनॉट प्लेस में आयोजित समारोह में मास कम्युनिकेशन में ऑनरेरी डॉक्टरेट से सम्मानित किया गया। यह सम्मान पेशेवर संचार और अकादमिक क्षेत्र में उनके लंबे अनुभव को रेखांकित करता है। मनोज कुमार शर्मा खुद को आजीवन सीखने वाला मानते हैं और उन्होंने जनसंपर्क, विज्ञापन, मीडिया, पत्रकारिता शिक्षा और रणनीतिक संचार के विभिन्न क्षेत्रों में काम किया है। मनोज कुमार शर्मा ने 2018 में पीआर गुरु की स्थापना की और वर्तमान में इसके संस्थापक एवं प्रबंध निदेशक के रूप में संगठन का नेतृत्व कर रहे हैं। उनके नेतृत्व में पीआर गुरु विभिन्न क्षेत्रों के क्लाइंट्स के साथ काम कर रहा है और उनकी जरूरतों के अनुरूप जनसंपर्क, रणनीतिक संचार और मीडिया आउटरीच सेवाएं प्रदान कर रहा है।

पीआर गुरु की स्थापना से पहले मनोज कुमार शर्मा ने 2015 से 2018 तक गोल्डमाइन एडवरटाइजिंग में डायरेक्टर, पीआर के रूप में कार्य किया। उन्होंने भारत सरकार के वाणिज्य एवं उद्योग मंत्रालय में कंसल्टेंट (डिप्टी डायरेक्टर) के रूप में भी काम किया, जहां उनकी जिम्मेदारियों में पाठ्यक्रम, सिलेबस और नए कोर्स तैयार करना तथा स्नातक और स्नातकोत्तर छात्रों को संचार की शिक्षा देना शामिल था शिक्षा भी मनोज कुमार शर्मा के पेशेवर सफर का महत्वपूर्ण हिस्सा रही है।

उन्होंने आईआईएलएम इंस्टीट्यूट ऑफ हायर एजुकेशन में बीए जर्नलिज्म कार्यक्रम के लेक्चरर और फैकल्टी इंचार्ज के रूप में कार्य किया। इसके अलावा, वे विगन एंड लेह कॉलेज में मीडिया विभाग के प्रमुख रहे।

बाद में उन्होंने एनबीए ग्रुप ऑफ इंस्टीट्यूशंस में एसोसिएट प्रोफेसर और मास कम्युनिकेशन विभाग के प्रमुख तथा महाराजा अग्रसेन कॉलेज में एसोसिएट प्रोफेसर के रूप में कार्य किया। उद्योग और शिक्षा के इन दोनों क्षेत्रों के अनुभव ने संचार के प्रति मनोज कुमार शर्मा के दृष्टिकोण को आकार दिया है। उनके काम में निरंतर सीखने, व्यावहारिक ज्ञान और मीडिया उद्योग की बदलती जरूरतों को समझने पर विशेष जोर रहा है।

मनोज कुमार शर्मा ने कहा ऑनरेरी डॉक्टरेट मिलना मेरे संचार और शिक्षा के सफर की एक बेहद महत्वपूर्ण पहचान है। मेरे लिए सीखना हमेशा एक निरंतर प्रक्रिया रही है और यह सम्मान मुझे इस क्षेत्र में योगदान देने की अपनी प्रतिबद्धता को और मजबूत करने के लिए प्रेरित करता है। मीडिया और सामाजिक क्षेत्र में योगदान के लिए मनोज कुमार शर्मा को प्राइड ऑफ इंडिया और भारत श्री जैसे सम्मानों से भी नवाजा जा चुका है। अमेरिकन ईस्ट कोस्ट यूनिवर्सिटी ने मनोज कुमार शर्मा को उनकी उपलब्धियों, मानवता के प्रति सेवाओं और राष्ट्र के विकास में योगदान के लिए मास कम्युनिकेशन के क्षेत्र में ऑनरेरी डॉक्टरेट प्रदान किया। यह सम्मान द ललित में आयोजित समारोह में प्रदान किया गया।

ब्रीफ न्यूज

मंत्रालय में मुख्यमंत्री डॉ. यादव की अध्यक्षता में कैबिनेट बैठक आज

भोपाल, प्रसं। मुख्यमंत्री डॉ. मोहन यादव की अध्यक्षता में मंगलवार सुबह 11 बजे मंत्रालय में कैबिनेट की बैठक आयोजित की जाएगी। कैबिनेट की बैठक में अलग-अलग विभागों के 10 से ज्यादा प्रस्तावों को मंजूरी दी जाएगी। कैबिनेट बैठक से पहले मुख्यमंत्री डॉ. यादव मंत्रियों को अहमदाबाद निवेश संवाद में मध्य प्रदेश को मिले 8 हजार करोड़ रुपए से ज्यादा के निवेश प्रस्तावों की जानकारी देने के साथ ही जन विश्वास अभियान को लेकर चर्चा करेंगे।

लाड़ली बहनों को रक्षाबंधन पर मिलेगा 250 रुपए का तोहफा

भोपाल, प्रसं। मप्र सरकार प्रदेश की 1.25 करोड़ से अधिक लाडली बहनों को रक्षाबंधन का तोहफा देने जा रही है। मुख्यमंत्री डॉ. मोहन यादव 19 अगस्त को लाडली बहना योजना की 39वीं किस्त जारी करेंगे। इस दौरान प्रत्येक हितग्राही महिला के बैंक खाते में 1500 रुपए की मासिक राशि और 250 रुपए रक्षाबंधन उपहार के रूप में भेजे जाएंगे। मुख्यमंत्री मैहर जिले में आयोजित कार्यक्रम के दौरान सिंगल क्लिक के जरिए प्रत्येक लाड़ली बहन के बैंक खाते में कुल 1750 रुपए की राशि जारी करेंगे। सरकार का यह कदम त्योहार के अवसर पर महिलाओं को अतिरिक्त आर्थिक सहायता उपलब्ध कराने के साथ उनके परिवारों को अतिरिक्त संबल देने के उद्देश्य से है।

सीएम खातों में कल ट्रांसफर करेंगे राशि

नितिन नवीन की नई टीम | **उत्तरप्रदेश विधानसभा चुनाव पर ध्यान, पूर्वोत्तर राज्यों पर भी फोकस**

निरंतरता के साथ परिवर्तन का संतुलन बनाने की कोशिश

● भोपाल / जगदीश द्विवेदी

राष्ट्रीय अध्यक्ष बनने के 209 दिन बाद सामने आई नितिन नवीन की नई टीम में अगले साल होने वाले यूपी विधानसभा चुनाव और मिशन 2029 की तैयारियों की स्पष्ट झलक मिलती है। 65 सदस्यीय नई टीम में 14 नेताओं को फिर से जगह दी गई तो 28 नेताओं को विश्राम दिया गया है। भौगोलिक नजरिए से देखें तो नई टीम में 23 राज्यों और केन्द्रशासित प्रदेशों को साथ लेने की कोशिश की गई है। उत्तरप्रदेश में अगले साल होने वाले विधानसभा चुनाव को ध्यान में रख यहां से आठ नेताओं को नई टीम में शामिल किया गया है। इसमें स्मृति ईरानी का नाम प्रमुख है जो दो साल से पार्टी की मुख्यधारा से दूर थीं। वहीं पार्टी का फोकस पूर्वोत्तर राज्यों पर ज्यादा दिखता है।नागालैंड, त्रिपुरा और असम, इन तीन राज्यों एक-एक नेता को टीम में जगह दी गई है।

अनुभव और युवाओं का संगम, भाजपा की नई टीम में भव्यि की नई झलक

3 पूर्व सीएम समेत अनुभवी और युवा नेताओं को जगह

लंबे समय से एबीवीपी कार्यकर्ता रहे विनोद तावड़े को उनके कुशल सांगठनिक क्षमता के लिए फिर से महामंत्री बनाया गया। पश्चिम बंगाल में भारी विजय दिलाने वाले सुनील बंसल को दुबारा महामंत्री की जिम्मेदारी दी गई है, सुनील बंसल को पर्दे के पीछे रहकर काम करने वाला नेता माना जाता है। मध्यप्रदेश से आने वाले आदिवासी समाज के गजेंद्र पटेल को महामंत्री की जिम्मेदारी देकर पार्टी से इस वर्ग को साधने का काम किया है। इसके साथ महाराष्ट्र, पश्चिम बंगाल और आंध्रप्रदेश से भी इस वर्ग के नेताओं को टीम में शामिल किया है। 2024 के लोकसभा चुनाव में अमेठी से चुनाव हारने वाली पूर्व केंद्रीय मंत्री स्मृति ईरानी की महामंत्री के रूप में वापसी हुई है। जाहिर है इस प्रखर वक्ता को भाजपा उत्तरप्रदेश के चुनाव में सक्रिय करेगी। वहीं संघ के प्रचारक रहे लेखक-चिंतक राम माधव की उपाध्यक्ष के रूप में वापसी हुई है। राम माधव 2020 में पार्टी के महासचिव रह चुके हैं। इसके बाद वे वापस आरएसएस में चले गए थे।2024 में पार्टी ने उन्हें जम्मू- कश्मीर चुनाव में जिम्मेवारी सौंपी थी। अब उन्हें उपाध्यक्ष बनाया गया है। माधव को चुनावी प्रबंधन में माहिर माना जाता है। वहीं उत्तर प्रदेश से राज्यसभा सांसद, युवा नेत्री संगीता यादव को राष्ट्रीय सचिव बनाया गया है। उत्तर-पूर्व से युवा नेता मृगांक बर्मन बने को राष्ट्रीय सचिव बनाया गया है। 3 पूर्व मुख्यमंत्रियों को भाजपा की राष्ट्रीय टीम में शामिल किया गया है इनमें वसुंधरा राजे सिंधिया, तीरथ सिंह रावत, बिप्लव देब शामिल हैं।

सामाजिक और क्षेत्रीय संतुलन पर जोर

नई टीम में करीब 40 प्रतिशत से ज्यादा सदस्य वंचित समाज से वास्ता रखते हैं। इसके अलावा अनुसूचित जाति और जनजाति वर्ग के नेताओं को भी नई टीम में पर्याप्त स्थान दिया गया है। वहीं मुस्लिम समाज के वासित अली और तारिक मंसूर को नई टीम में जगह देकर यह संदेश दिया गया है कि पार्टी सभी समुदाय के लोगों को साथ लेकर काम करना चाहती है। केन्द्रीय मंत्री पीयूष गोयल को कोषाध्यक्ष बनाना चौंकाने वाला फैसला है। हालांकि गोयल 2014 में भी पार्टी के कोषाध्यक्ष की जिम्मेवारी संभाल चुके हैं। फिर मोदी सरकार के सत्ता में आने पर उन्हें कोयला मंत्री बनाया गया था। भाजपा में एक व्यक्ति एक पद का सिद्धांत है। ऐसे में गोयल के मंत्रिमंडल से इस्तीफे के भी कयास लगाए जा रहे हैं। इसके अलावा जेएनयू में एबीवीपी कार्यकर्ता रहे और वर्तमान में दिल्ली यूनिवर्सिटी के प्रोफेसर, डॉ. स्वदेश सिंह बने भाजपा की नई टीम में राष्ट्रीय सचिव और कैंसर स्पेशलिस्ट डॉ. मधुचंद्रा को राष्ट्रीय उपाध्यक्ष बनाया गया है। कर्नाटक के प्रोफेसर, एम नागराज को भी राष्ट्रीय उपाध्यक्ष बनाया गया है।

73 साल की बसुंधरा राजे सबसे सीनियर और 35 वर्ष के हिमांग जोशी सबसे कम उम्र के पदाधिकारी

नई टीम में हर उम्र के लोगों को स्थान दिया गया है। 40 से कम उम्र के 6 सदस्य, हैं तो 40 से 49 की उम्र के 15 सदस्य और 50 से 59 के 21 सदस्य को नई टीम में जगह मिली है। इसमें राजस्थान की सीएम रहीं वसुन्धरा राजे सिंधिया उम्र के मामले में सबसे सीनियर है। 73 साल की इस पूर्व मुख्यमंत्री को राष्ट्रीय उपाध्यक्ष बनाया गया है। वहीं सबसे छोटे 35 साल के हिमांग जोशी को युवा मोर्चा का नया प्रमुख बनाया गया है। कुल मिलाकर 2029 के चुनाव की जरूरतों को ध्यान में रखकर टीम का गठन किया गया है। नई टीम में निरंतरता के साथ परिवर्तन का संतुलन भी बनाने की कोशिश की गई है।

326 सांसदों और 14 मुख्यमंत्रियों के खिलाफ आपराधिक मामले

सुप्रीम कोर्ट में रिपोर्ट पेश, लोकसभा के 251 और राज्यसभा के 75 सदस्यों के खिलाफ मामले दर्ज

● नई दिल्ली/ (एजेंसी)

राजनीति के अपराधीकरण पर सुप्रीम कोर्ट में पेश की गई एक रिपोर्ट में बताया गया है कि लोकसभा के 543 में से 251 सदस्यों और राज्यसभा के 233 में से 75 सदस्यों के खिलाफ आपराधिक मामले दर्ज हैं। सांसदों और विधायकों के खिलाफ आपराधिक मामलों के जल्द निपटारे की मांग वाली जनहित याचिका में सुप्रीम कोर्ट के न्याय मित्र नियुक्त वरिष्ठ अधिवक्ता विजय हंसारिया की ओर से दाखिल हलफनामे में यह जानकारी दी गई है।

हलफनामे में कहा गया है कि सांसदों और विधायकों के खिलाफ 4,000 से अधिक आपराधिक मामले लंबित हैं। हलफनामे के अनुसार, 28 में से 14 राज्यों के मुख्यमंत्रियों ने अपने खिलाफ आपराधिक मामलों की जानकारी दी है। इनमें गंभीर मामले भी शामिल हैं। आंकड़ों के मुताबिक, तेलंगाना के मुख्यमंत्री रेवंत रेड्डी के खिलाफ 89 मामले हैं। इसके बाद पश्चिम बंगाल के सीएम शुभेंदु अधिकारी के खिलाफ 29 और कर्नाटक के मुख्यमंत्री डीके शिवकुमार के खिलाफ 19 मामले हैं। हंसारिया ने कहा कि मामलों की जल्द सुनवाई सुनिश्चित करने के लिए सुप्रीम कोर्ट और उच्च न्यायालयों की निगरानी के बावजूद 2018 से सांसदों और विधायकों के खिलाफ लंबित आपराधिक मामलों की संख्या लगभग उसी स्तर पर बनी हुई है।विभिन्न उच्च न्यायालयों से आंकड़े जुटाकर न्याय मित्र ने सुप्रीम कोर्ट को बताया कि 2025 में 1,243 आपराधिक मामलों का निपटारा हुआ, जबकि उसी साल 1,050 नए मामले दर्ज किए गए। उन्होंने अदालत को बताया कि पूर्व और मौजूदा सांसदों के साथ विधायकों के खिलाफ कुल 4,192 मामले लंबित हैं।

सांसदों और विधायकों से जुड़े कुल 4,192 मामले लंबित

सांसदों के खिलाफ गंभीर आपराधिक मामले कितने? : हलफनामे में एसोसिएशन फॉर डेमोक्रेटिक रिफॉर्म्स की रिपोर्ट का हवाला देते हुए कहा गया है, लोकसभा में 543 सदस्यों में से 251 सदस्यों के खिलाफ आपराधिक मामले हैं।

वंदे मातरम के अपमान का मामला

सोनिया और राहुल गांधी के खिलाफ मुंबई में शिकायत

● मुंबई, (एजेंसी)

स्वतंत्रता दिवस के अवसर पर नई दिल्ली स्थित कांग्रेस मुख्यालय में वंदे मातरम के गायन के दौरान कथित व्यवधान को लेकर राजनीतिक विवाद गहराता जा रहा है।

बीजेपी नेता और मुंबई बीजेपी के सचिव एडवोकेट अखिलेश चौबे ने इस मामले में सोनिया गांधी, राहुल गांधी और कांग्रेस अध्यक्ष मल्लिकार्जुन खड़गे के खिलाफ पुलिस में शिकायत देकर एफआईआर दर्ज करने और निष्पक्ष जांच की मांग की है। दिल्ली पुलिस ने भी इस शिकायत की जांच शुरू की है। शिकायतकर्ता अखिलेश चौबे का आरोप है कि वीडियो में सोनिया गांधी मंच पर मौजूद नेताओं से बातचीत और इशारे करती दिखाई दे रही हैं। आरोप है कि वह वंदे मातरम् के शुरुआती हिस्से के बाद गायन समाप्त करने का संकेत देती नजर आती हैं। शिकायत में राहुल गांधी की ओर से भी गायन जारी रहने के संदर्भ में इशारे किए जाने का दावा किया गया है। हालांकि, इन आरोपों की पुष्टि जांच के बाद ही हो सकेगी।

राष्ट्रीय सम्मान के अपमान की रोकथाम अधिनियम, 1971 (या राष्ट्रीय गौरव अपमान निवारण अधिनियम) कहा जाता है। यह 23 दिसंबर 1971 को पारित हुआ एक केंद्रीय कानून है जो राष्ट्रीय प्रतीकों के अपमान को रोकता है। संसद द्वारा पारित संशोधन के तहत वंदे मातरम् को भी राष्ट्रीय गान की तरह वैधानिक संरक्षण के दायरे में लाया गया है।

जेएसएससी-सीजीएल एग्जाम कैंसिल TDPL के जरिए हुईं भर्तियां भी रद्द

● रांची/ (एजेंसी)

झारखंड के रांची में 24 दिनों से जारी छात्र आंदोलन के बाद राज्य सरकार ने बड़ा फैसला लिया है। शुरुआती जानकारी के मुताबिक, सीएम हेमंत सोरेन ने एजेंसी टीडीपीएल के जरिए कराई गई जेएसएससी-सीजीएल सहित सभी परीक्षाओं और उनके नतीजों को रद्द करने का ऐलान किया है।

सोरेन सरकार ने मानी छात्रों की मांगें

साथ ही साल 2014 से अब तक हुई सभी भर्ती परीक्षाओं में हुई गड़बड़ियों की सीआईडी जांच कराने के निर्देश दिए गए हैं। इस फैसले के बाद रांची के जयपाल सिंह मुंडा स्टेडियम में लंबे समय से धरना दे रहे छात्रों में खुशी का माहौल देखने को मिला। प्रतियोगी परीक्षाओं में कथित धांधली और पेपर लीक के मामलों को लेकर राज्य भर के अभ्यर्थी पिछले 24 दिनों से राजधानी रांची की सड़कों पर डटे हुए थे।

कैबिनेट सहयोगियों के साथ अहम बैठक के बाद युवाओं के हक में यह फैसला सुनाया गया। सरकार के इस फैसले के बाद छात्र नेता देवेंद्र मेहतो ने अपनी भूख हड़ताल खत्म कर दी है। इसी बीच राजधानी रांची में सीआईडी ने जेपीएससी की पूर्व सदस्य डॉ. अजीता भट्टाचार्य के पीए बीएन राम को गिरफ्तार किया है।

जांच में क्या सामने आएगा?

सरकार का कहना है कि पुरानी परीक्षाओं की जांच इसलिए जरूरी है, ताकि यह पता चल सके कि कहीं पहले भी नियमों की अनदेखी तो नहीं हुई। जांच में अगर कोई गड़बड़ी सामने आती है, तो उसके आधार पर आगे कार्रवाई की जाएगी। हेमंत सोरेन ने कहा कि सरकार छात्रों की शिकायतों को गंभीरता से ले रही है। उनका कहना है कि सरकार के पास परीक्षा कराने के लिए एसओपी यानी तय नियम पहले से मौजूद हैं। इन नियमों का सही तरीके से पालन नहीं हुआ। इसी वजह से हाल की कुछ परीक्षाओं में अनियमितताएं सामने आईं। अब सरकार का जोर ऐसी व्यवस्था बनाने पर है, जिसमें परीक्षा की पूरी प्रक्रिया साफ तरीके से चले। छात्रों को शिकायत होने पर अपनी बात रखने का रास्ता भी मिले।

रिटायर्ड जज की अध्यक्षता में कमेटी: परीक्षा में हुई गड़बड़ियों की जांच के लिए रिटायर्ड जज की अध्यक्षता में एक कमेटी बनाई जाएगी। यह समिति मामले की पूरी जांच करेगी। सरकार ने कहा है कि जांच की प्रक्रिया पारदर्शी रखी जाएगी। इसके साथ ही परीक्षा व्यवस्था में सुधार की जिम्मेदारी भारतीय प्रशासनिक सेवा के अधिकारी अमिताभ कौशल को दी गई है। वह सरकार की ओर से शुरू किए जाने वाले सुधार अभियान को आगे बढ़ाएंगे। छात्रों की शिकायतों के लिए बनाया गया पोर्टल भी काम कर रहा है।

गंगा और यमुना के उफान से प्रयागराज में मचा हाहाकार

● प्रयागराज/ (एजेंसी)

प्रयागराज में गंगा और यमुना का जलस्तर लगातार बढ़ रहा है। बढ़ते जलस्तर का सबसे ज्यादा असर अब दारागंज इलाके की गरीब बस्तियों पर दिखाई देने लगा है। बाढ़ का पानी झोपड़ियों में घुस गया है, जिससे लोगों का जनजीवन पूरी तरह अस्त-व्यस्त हो गया है। लोग अपने घरों का सामान बचाने में जुटे हैं, जबकि प्रशासन ने बाढ़ राहत चौकियों को सक्रिय कर हालात पर नजर बनाए रखने की बात कही है। संगम नगरी प्रयागराज में गंगा और यमुना उफान पर हैं।

झोपड़ियों में घुसा बाढ़ का पानी, खुले आसमान के नीचे रहने को मजबूर गरीब

जलस्तर में लगातार हो रही बढ़ोतरी के चलते दारागंज की निचली बस्तियां बाढ़ की चपेट में आ गई हैं। गरीब परिवारों की झोपड़ियों में पानी भर गया है और कई झोपड़ियां पूरी तरह डूब चुकी हैं। लोग अपने बच्चों और घरेलू सामान को सुरक्षित स्थानों पर पहुंचाने में लगे हैं। बाढ़ के पानी ने लोगों की रोजमर्रा की जिंदगी को मुश्किल बना दिया है। बाढ़ प्रभावित लोगों का कहना है कि हर साल यही स्थिति बनती है, लेकिन स्थायी समाधान नहीं निकल पाता। उनका आरोप है कि मुश्किल की इस घड़ी में उन्हें पर्याप्त मदद भी नहीं मिलती। कई परिवार खुले आसमान के नीचे रहने को मजबूर हैं और अपने सामान को ऊंचे स्थानों पर ले जाकर किसी तरह सुरक्षित रखने की कोशिश कर रहे हैं।

मुख्यमंत्री पद छोड़ने की अटकलों के बीच पीएम मोदी से मिले फडणवीस

● नई दिल्ली/ (एजेंसी)

महाराष्ट्र के मुख्यमंत्री देवेंद्र फडणवीस ने दिल्ली में अपने दौरे और केंद्र में मंत्री बनाए जाने की अटकलों पर साफ जवाब दिया है।

फडणवीस ने साफ कहा- पीएम मोदी ने मुझे महाराष्ट्र की जिम्मेदारी सौंपी है, मैं इसका निर्वहन करता रहूंगा

उन्होंने कहा कि जिसे जितनी अटकलें लगानी हैं, जिसे जितनी पतंग उड़ानी है और जिसे जितनी अफवाह फैलानी है, वह यह काम करता रहे। मुझे महाराष्ट्र की जनता ने चुनकर भेजा है और हमारे नेता नरेंद्र मोदी ने मुझे महाराष्ट्र की जिम्मेदारी सौंपी है। मैं इस जिम्मेदारी का निर्वहन करता रहूंगा। देवेंद्र फडणवीस ने साफ कहा कि वह मुंबई में हैं, महाराष्ट्र में हैं और महाराष्ट्र में ही रहेंगे। उनके इस बयान के बाद केंद्र में मंत्री बनाए जाने की चर्चाओं पर फिलहाल विराम लगता दिखाई दे रहा है। फडणवीस ने बताया कि दिल्ली में आज उनकी प्रधानमंत्री नरेंद्र मोदी से मुलाकात हुई। इस दौरान महाराष्ट्र में चल रहे इंफ्रास्ट्रक्चर प्रोजेक्ट्स की समीक्षा की गई और आने वाले प्रोजेक्ट्स को लेकर केंद्र सरकार के साथ चर्चा हुई। इसके अलावा सीएम ने पर्यावरण मंत्री भूपेंद्र यादव से भी मुलाकात की।

शहजाद भट्टी के नेटवर्क पर भारत ने किया कड़ा प्रहार

14 राज्यों से 250 से अधिक ऑपरेटिव गिरफ्तार, केंद्रीय गृहमंत्री शाह बोले- शहजाद भट्टी का नेटवर्क खत्म

● नई दिल्ली/ (एजेंसी)

भारतीय सुरक्षा एजेंसियों ने पाकिस्तान की खुफिया एजेंसी आईएसआई के लिए काम करने वाले कुख्यात गैंगस्टर शहजाद भट्टी के नेटवर्क पर कड़ा प्रहार किया है। सोमवार को अधिकारियों की ओर से दी गई जानकारी के मुताबिक, देशभर में भट्टी के नेटवर्क के लिए काम करने वाले करीब 253 लोगों को हिरासत में लिया जा चुका है। यह कार्रवाई 14 राज्यों में कई गई है। सुरक्षा एजेंसियों ने भारी मात्रा में विस्फोटक, हथियार और निगरानी उपकरण भी बरामद किए हैं।

अधिकारियों का दावा है कि बरामदगी में कथित तौर पर आईईडी, पाकिस्तान ऑर्डनेंस फैक्ट्री के निशान वाले ग्रेनेड, पिस्तौल, जिंदा कारतूस और सीसीटीवी कैमरे शामिल हैं, जिनका इस्तेमाल जासूसी के लिए किया जाना था। इस सामान के इस्तेमाल के लिए सीमा पार से इशारे का इंतजार किया जा रहा था। सोमवार को केंद्रीय गृह मंत्री अमित शाह ने भी सोशल मीडिया प्लेटफॉर्म एक्स पर एक पोस्ट के जरिए बताया कि मोदी सरकार ने स्वतंत्रता दिवस से पहले आईएसआई के सपोर्ट वाले आतंकी ग्रुप शहजाद भट्टी नेटवर्क को खत्म कर दिया और 200 से अधिक ऑपरेटिव्स को गिरफ्तार किया है। शाह के मुताबिक, इस गिरफ्तारी के बाद सीमा पार से रची जा रही आतंकी हमलों की साजिश भी नाकाम हुई है। शाह ने कहा कि यह कार्रवाई आतंकवाद के प्रति भारत की जीरो-टॉलरेंस पॉलिसी की मिसाल है।

सबसे अधिक गिरफ्तारियां यूपी में

अधिकारियों के मुताबिक, शहजाद भट्टी नेटवर्क के सबसे अधिक ऑपरेटिव यूपी से गिरफ्तार हुए हैं। अधिकारियों की ओर से दी गई जानकारी के मुताबिक, उत्तर प्रदेश में 62, हरियाणा में 52, दिल्ली में 51, पंजाब में 44, राजस्थान में 15, महाराष्ट्र में आठ, उत्तराखंड में पांच, कर्नाटक, गुजरात और बिहार में तीन-तीन, और तेलंगाना, हिमाचल प्रदेश, जम्मू और कश्मीर और केरल में दो-दो लोगों को हिरासत में लिया गया। केंद्रीय गृह मंत्रालय (एमएचए) के अनुसार, 12 अगस्त को राज्य पुलिस के साथ मिलकर देशभर में एक बड़ा ऑपरेशन चलाया गया जिसका मकसद स्वतंत्रता दिवस के आसपास एसबीएन से जुड़े कथित नेटवर्क की गतिविधियों और संभावित खतरनाक हमलों को रोकना था। एमएचए के प्रवक्ता ने कहा कि यह कार्रवाई एक रियल-टाइम इंटेलिजेंस-शेयरिंग सिस्टम के जरिए कोऑर्डिनेट की गई और इसके चलते दिल्ली और कर्नाटक में नई एफआईआर दर्ज की गई।

कौन है शहजाद भट्टी : पिछले कुछ सालों से भारतीय सुरक्षा एजेंसियों के लिए सिर दर्द बन चुका शहजाद भट्टी पाकिस्तान का एक सोशल मीडिया इन्फ्लुएंसर, कथित कुख्यात गैंगस्टर, कारोबारी और स्वयंभू धर्म का समर्थक बताने वाले शख्स है। 45 साल का भट्टी भारतीय सुरक्षा एजेंसियों की कई जांचों के केंद्र में है। एजेंसियों का आरोप है कि खुद को न गैंगस्टर और न ही माफिया बताने वाला यह शख्स अब सीमा पार अपराध और आतंक से जुड़े नेटवर्क का अहम हिस्सा बन चुका है।

सर्वाधिक घटने वाले शेयर

एचसीएल	2.66 प्रतिशत
सन फार्मा	2.53 प्रतिशत
टीसीएस	2.20 प्रतिशत
टेक महिंद्रा	1.87 प्रतिशत
आईटीसी	1.77 प्रतिशत

सर्राफा

सोना (प्रति दस ग्राम)स्टैंडर्ड	1,56,155
बिटुर	88,730
गिन्नी (प्रति आठ ग्राम)	39,795
चांदी (प्रति किलो) टंच हाजिर	2,37,500
वायदा	70,857
चांदी सिक्का लिवाली	900
बिकवाली	880

मुद्रा विनिमय

मुद्रा	क्रय	विक्रय
अमेरिकी डॉलर	96.67	93.6
पौंड स्टर्लिंग	130.97	126.35
यूरो	111.95	107.8
चीन युआन	15.05	13.33

अनाज

देसी गेहूँ एमपी	2400-3000
गेहूं दडा	2862.70
आटा	2800-2900
मैदा	2900-2950
चोकर	2000-2100

मोटा आनाज

बाजरा	1300-1305
मक्का	1350-1500
ज्वार	3100-3200
जौ	1430-1440
काबुली चना	3500-4000

शुगर

चीनी एस	4293.58
चीनी एम	4500-4600
मिल डिलीवरी	3620-3720
गुड़	4986.64

दाल-दलहन

चना	5700-5800
दाल चना	7798.23
मसूर काली	8109.74
उड़द दाल	10982.42
मूंग दाल	10178.50
अरहर दाल	11305.20

पुराने वाहनों के लिए ई10 पेट्रोल उपलब्ध कराने की जरूरत : सीईए नागेश्वरन

ई20 पेट्रोल पुराने वाहनों के लिए अच्छा नही

■ **पुराने वाहनों के लिए कम मिश्रण वाला ईंधन रखा जाएगा**

पुराने दोपहिया वाहनों को ध्यान में रखते हुए ई10 पेट्रोल को वापस लाने का प्रस्ताव रखते हुए कहा कि इससे पुराने वाहनों के इंजन की सुरक्षा सुनिश्चित होगी और एथेनॉल मिश्रित ईंधन को लेकर लोगों की चिंताएं भी कम होंगी: नागेश्वरन, सीईए भारत

नई दिल्ली, 17 अगस्त (एजेंसियां)। भारत के मुख्य आर्थिक सलाहकार (सीईए) वी. अनंत नागेश्वरन ने देश के पुराने वाहन बेड़े, विशेषकर पुराने दोपहिया वाहनों को ध्यान में रखते हुए ई20 पेट्रोल के साथ ई10 पेट्रोल को वापस लाने का प्रस्ताव रखा है। उनका कहना है कि इससे पुराने वाहनों के इंजन की सुरक्षा सुनिश्चित होगी और एथेनॉल मिश्रित ईंधन को लेकर लोगों की चिंताएं भी कम होंगी।

मीडिया में आलेख में नागेश्वरन ने कहा कि ई20 पेट्रोल से वाहनों के इंजन को व्यापक नुकसान पहुंचने की आशंकाओं का समर्थन उपलब्ध वैज्ञानिक और परीक्षण संबंधी प्रमाण नहीं करते। उन्होंने कहा कि सोशल मीडिया पर ई20 को लेकर कई दावे किए गए हैं, लेकिन वास्तविक आंकड़े उनसे काफी अलग हैं।

नागेश्वरन के अनुसार, एथेनॉल में पेट्रोल की तुलना में लगभग दो-तिहाई ऊर्जा सामग्री होती है। इस कारण ई20 पेट्रोल के उपयोग से ईंधन दक्षता पर कुछ असर पड़ता है, लेकिन यह प्रभाव लगभग 7 प्रतिशत तक सीमित है, न कि उतना अधिक जितना कई मंचों पर दावा किया जाता है। उन्होंने बताया कि अमेरिका और भारत में किए गए परीक्षणों में यह नहीं पाया गया कि ई20 के लिए प्रमाणित नहीं किए गए वाहनों में इंजन घिसाव या यांत्रिक क्षति में कोई उल्लेखनीय वृद्धि हुई हो। हालांकि, उन्होंने एक वास्तविक चिंता की ओर ध्यान आकर्षित किया। उनके अनुसार, भारत में करीब 7.5 से 8 करोड़ पुराने दोपहिया वाहन अभी भी चलन में हैं, जिन्हें बीएस-IV मानकों से पहले बनाया गया था और जिनमें कार्ब्यूरेटर तकनीक का उपयोग होता है। नागेश्वरन ने कहा कि कार्ब्यूरेटर अतिरिक्त ऑक्सीजन वाली एथेनॉल मिश्रित ईंधन संरचना के अनुसार खुद को समायोजित नहीं कर पाता। परिणामस्वरूप ई20 का उपयोग करने पर इंजन को आवश्यक अनुपात में ईंधन नहीं मिल पाता और वह अपेक्षाकृत अधिक गर्म होकर चल सकता है। इसके अलावा पुराने वाहनों में लगे कुछ रबर सील और पुर्जे एथेनॉल के लंबे संपर्क में आने पर प्रभावित हो सकते हैं। उन्होंने कहा कि सरकार के मूल एथेनॉल मिश्रण रोडमैप में यह अनुमान लगाया गया था कि पुराने वाहनों के लिए कम मिश्रण वाला ईंधन उपलब्ध रखा जाएगा। लेकिन समय के साथ यह विकल्प अधिकांश पेट्रोल पंपों से लगभग समाप्त हो गया।

अपने लेख में नागेश्वरन ने लिखा, 'पेट्रोल पंपों पर ई20 के साथ ई10 पेट्रोल का विकल्प दोबारा उपलब्ध कराया जाना चाहिए। इससे लोगों की चिंताएं कम होंगी, पुराने वाहन बेड़े को सुरक्षा मिलेगी और रेट्रोफिटिंग कार्यक्रम को लागू करने के लिए पर्याप्त समय भी मिलेगा।' उन्होंने यह भी कहा कि फिलहाल भारत को ई20 स्तर पर ही स्थिर रहना चाहिए और उससे आगे एथेनॉल मिश्रण बढ़ाने से पहले विस्तृत लागत-लाभ विश्लेषण किया जाना चाहिए।

'विकसित भारत 2047' विजन में बैंकिंग सेक्टर की भूमिका तय करने को लेकर जल्द बनेगी उच्च स्तरीय कमेटी: सीतारमण

■ **पब्लिक सेक्टर बैंकों और वित्तीय संस्थानों के प्रमुखों के दो दिवसीय सम्मेलन को सम्बोधित किया**

यह कमिटी 'विकसित भारत' के लक्ष्य को हासिल करने में बैंकों की भूमिका पर विचार करेगी। 2047 का लक्ष्य बहुत दूर नहीं है। अभी 2026 चल रहा है, यानी हमारे पास 20 साल से भी कम समय बचा है: निर्मला सीतारमण, वित्त मंत्री

नई दिल्ली, 17 अगस्त (एजेंसियां)। वित्त मंत्री निर्मला सीतारमण ने कहा कि जल्द ही एक उच्च स्तरीय कमेटी का गठन किया जाएगा, जो यह तय करेगी कि 'विकसित भारत 2047' के विजन को साकार करने में देश का बैंकिंग सेक्टर क्या भूमिका निभा सकता है।

राष्ट्रीय राजधानी में पब्लिक सेक्टर बैंकों और वित्तीय संस्थानों के प्रमुखों के दो दिवसीय सम्मेलन के उद्घाटन समारोह को संबोधित करते हुए सीतारमण ने कहा, 'एक बार जब समिति अपनी रिपोर्ट सौंप देगी, तो हम उसकी सिफारिशों पर तेजी से काम करेंगे।' वित्त मंत्री सीतारमण ने 2026-27 के केंद्रीय बजट को पेश करते हुए बैंकिंग सेक्टर के लिए एक उच्च स्तरीय कमिटी बनाने का प्रस्ताव रखा था, ताकि भारत के विकास लक्ष्यों के साथ इस सेक्टर के तालमेल की समीक्षा की जा सके। वित्त मंत्री ने कहा, 'यह कमिटी 'विकसित भारत' के लक्ष्य को हासिल करने में बैंकों की भूमिका पर विचार करेगी। 2047 का लक्ष्य बहुत दूर नहीं है। अभी 2026 चल रहा है, यानी हमारे पास 20 साल से भी कम समय बचा है।' उन्होंने बैंकिंग सेक्टर में एसेट क्वालिटी में आए मजबूत सुधार का भी जिक्र किया और कहा कि यह सुधार अब बैंकिंग सेक्टर में सुधारों को आगे बढ़ाने का एक बेहतरीन मौका देता है। उन्होंने सरकारी बैंकों से कहा कि वे अपनी मजबूत बैलेंस शीट का इस्तेमाल आर्थिक विकास के अगले चरण को सहारा देने और बैंकिंग सुधारों की तैयारी के लिए करें।

भारत बना दुनिया का दूसरा सबसे बड़ा मत्स्य उत्पादक देश : सरकार

वैश्विक उत्पादन में 8 प्रतिशत का योगदान

नई दिल्ली, 17 अगस्त (एजेंसियां)। भारत का मत्स्य और जलीय कृषि (फिशरीज एंड एक्वाकल्चर) क्षेत्र तेजी से देश की अर्थव्यवस्था का महत्वपूर्ण स्तंभ बनकर उभरा है। सरकार ने सोमवार को कहा कि भारत आज दुनिया का दूसरा सबसे बड़ा मछली उत्पादक देश है और वैश्विक मत्स्य उत्पादन में उसकी करीब 8 प्रतिशत हिस्सेदारी है। इसके अलावा भारत जलीय कृषि उत्पादन में भी दुनिया में दूसरे स्थान पर है, जबकि झींगा उत्पादन और निर्यात में वैश्विक स्तर पर अग्रणी देशों में शामिल है। मत्स्य पालन, पशुपालन एवं डेयरी मंत्रालय के अनुसार, यह क्षेत्र देश में लगभग 3 करोड़ मछुआरों और मत्स्य किसानों की आजीविका से जुड़ा हुआ है। साथ ही मत्स्य मूल्य शृंखला के विभिन्न चरणों में बड़े पैमाने पर रोजगार के अवसर भी उपलब्ध कराता है।

सरकार ने बताया कि वर्ष 2015 से अब तक मत्स्य क्षेत्र के सतत विकास और आधुनिकीकरण के लिए 39,272 करोड़ रुपए का संचयी निवेश किया गया है। यह निवेश ब्लू रिवोल्यूशन योजना, फिशरीज एंड एक्वाकल्चर इंफ्रास्ट्रक्चर डेवलपमेंट फंड (एफआईडीएफ), प्रधानमंत्री मत्स्य संपदा योजना (पीएमएमएसवाई) तथा इसकी उप-योजना प्रधानमंत्री मत्स्य किसान समृद्धि सह-योजना (पीएम-एमकेएसएसवाई) के माध्यम से किया गया है।

आरबीआई एफसीएनआर (बी) में निवेश 80 अरब डॉलर से अधिक हो सकता है

नई दिल्ली, 17 अगस्त (एजेंसियां)। भारतीय रिजर्व बैंक (आरबीआई) द्वारा विदेशी मुद्रा गैर-निवासी (बैंक), यानी एफसीएनआर(बी) जमा योजना के लिए विशेष स्वैप विंडो को तय समय से पहले बंद करने के फैसले के बावजूद, इस योजना के तहत आने वाला विदेशी मुद्रा प्रवाह 80 अरब डॉलर से अधिक तक पहुंच सकता है। यह अनुमान बैंक ऑफ अमेरिका (बोफा) सिक्योरिटीज की एक नई रिपोर्ट में जताया गया है।

रिपोर्ट के अनुसार, पहले एफसीएनआर(बी) जमा के जरिए लगभग 70 अरब डॉलर तक के निवेश का अनुमान लगाया गया था। हालांकि योजना शुरू होने के बाद अपेक्षा से कहीं अधिक मजबूत निवेश प्रवाह देखने को मिला है। इसी कारण बोफा ने अपना अनुमान बढ़ाते हुए कहा है कि कुल प्रवाह 80 अरब डॉलर से भी अधिक हो सकता है।

ब्रोकरेज फर्म ने कहा, 'मजबूत प्रवाह को देखते हुए हमने अपने अनुमान को बढ़ाकर 80 अरब डॉलर से अधिक कर दिया है।' हालांकि उसका यह भी मानना है कि यदि आरबीआई यह सुविधा सितंबर के अंत तक जारी रखता, तो कुल प्रवाह का आंकड़ा इससे भी अधिक हो सकता था। गौरतलब है कि आरबीआई ने एफसीएनआर(बी) जमा पर उपलब्ध शून्य-लागत हेजिंग सुविधा का उपयोग करने की अंतिम तिथि 30 सितंबर से घटाकर 31 अगस्त कर दी है। यानी बैंकों को इस विशेष सुविधा का लाभ उठाने के लिए पहले की तुलना में कम समय मिलेगा।

इसके बावजूद, जमा जुटाने की रफ्तार काफी मजबूत बनी हुई है। रिपोर्ट के अनुसार, 8 जून से 13 अगस्त के बीच बैंकों ने एफसीएनआर(बी) जमा के माध्यम से 52.3 अरब डॉलर जुटाए हैं। यह दर्शाता है कि विदेशी मुद्रा जमा योजनाओं में अनिवासी भारतीयों और वैश्विक निवेशकों की रुचि मजबूत बनी हुई है।

सार संक्षेप

पैरामोटर डिजिटल टेक्नोलॉजी ने एनएसडीएल पेमेंट्स बैंक लि. के साथ को-ब्रांडेड साझेदारी समझौता किया

मुंबई। उपभोक्ता खर्च प्रबंधन, रिवॉर्ड, लॉयल्टी प्लेटफॉर्म और डिजिटल गिफ्टिंग पर केंद्रित फिनटेक कंपनी पैरामोटर डिजिटल टेक्नोलॉजी लिमिटेड ने आज एनएसडीएल पेमेंट्स बैंक लिमिटेड के साथ को-ब्रांडेड साझेदारी समझौते की घोषणा की। इस समझौते के तहत पूरे भारत में सह-ब्रांडेड प्रीपेड कार्ड जारी किए जाएंगे। इससे पैरामोटर के उपभोक्ता खर्च प्रबंधन, डिजिटल गिफ्टिंग और रिवॉर्ड एवं लॉयल्टी प्लेटफॉर्म को मजबूती मिलने की उम्मीद है। यह को-ब्रांडेड समझौता पैरामोटर के कारोबार के विस्तार में सहयोग करेगा और उपभोक्ता खर्च प्रबंधन, डिजिटल गिफ्टिंग तथा रिवॉर्ड एवं लॉयल्टी सेवाओं में उसकी क्षमताओं को मजबूत करेगा। इस समझौते से पैरामोटर के मूल्य प्रस्ताव को मजबूती मिलने की उम्मीद है। पैरामोटर डिजिटल टेक्नोलॉजी लिमिटेड के प्रमोटर एवं प्रबंध निदेशक राहुल आनंद ने कहा, 'यह समझौता पैरामोटर की यात्रा में एक महत्वपूर्ण पड़ाव है और इससे हमारे सभी वर्टिकली इंटीग्रेटेड प्लेटफॉर्म को मजबूती मिलने की उम्मीद है।

एलजी ने प्रीमियम टीवी पोर्टफोलियो का किया विस्तार

नई दिल्ली। एलजी इलेक्ट्रॉनिक्स इंडिया लिमिटेड ने अपने 2026 एआई टीवी लाइनअप की घोषणा की है। नए पोर्टफोलियो में क्यूएनईडी ईवो मिनी एलईडी, ओएलईडी ईवो, माइक्रो आरजीबी ईवो/मिनी आरजीबी ईवो और नैनो 4के यूएचडी तकनीकों के तहत 25 अल्ट्रा-लार्ज टीवी मॉडल शामिल हैं। लाइनअप का मुख्य आकर्षण 292 सेमी (115-इंच) का क्यूएनईडी ईवो मिनी एलईडी फ्लैगशिप टीवी है, जो भारत में एलजी की अब तक की सबसे बड़ी मिनी एलईडी स्क्रीन है। क्यूएनईडी ईवो मिनी एलईडी रेंज में डायनामिक क्यूएनईडी कलर प्रो, प्रिसिजन डिमिंग अल्ट्रा और चुनिंदा मॉडल्स में 330 हर्ट्ज़ तक मोशन बूस्टर जैसी सुविधाएं दी गई हैं, जो स्पोर्ट्स और गेमिंग के अनुभव को बेहतर बनाती हैं। एलजी को भारत में बड़े स्क्रीन वाले टीवी की बढ़ती मांग से अपने प्रीमियम टीवी सेगमेंट को मजबूत करने की उम्मीद है। कंपनी का लक्ष्य एआई-पावर्ड पिक्चर क्वालिटी, स्मार्ट फीचर्स और अल्ट्रा-लार्ज स्क्रीन के जरिए भारतीय उपभोक्ताओं को बेहतर होम एंटरटेनमेंट अनुभव देना है।

जियोब्लैकरॉक अपनी सभी म्यूचुअल फंड स्कीम में शुरू करेगी रेगुलर प्लान

मुंबई। जियो फाइनेंशियल सर्विसेज लिमिटेड (जेएफएसएल) और ब्लैकरॉक की बराबर हिस्सेदारी वाली संयुक्त उपक्रम कंपनी जियो ब्लैकरॉक एसेट मैनेजमेंट प्राइवेट लिमिटेड ने सोमवार को बताया कि आज से वह अपनी सभी योग्य म्यूचुअल फंड स्कीम में रेगुलर प्लान शुरू करेगी। कंपनी ने बताया कि रेगुलर प्लान शुरू होने के बाद निवेशक पंजीकृत म्यूचुअल फंड वितरकों के जरिये भी निवेश कर सकेंगे। इससे निवेशकों को यह चुनने की ज्यादा आजादी मिलेगी कि वे जियोब्लैकरॉक के निवेश विकल्पों से किस तरीके से जुड़ना चाहते हैं।

शेयर बाजारों में लगातार दूसरे दिन गिरावट सेंसेक्स 78 हजार अंक से नीचे फिसला

मुंबई, 17 अगस्त (एजेंसियां)। कच्चे तेल में रही तेजी के बीच घरेलू शेयर बाजारों में सोमवार को गिरावट देखी गयी और बीएसई का सेंसेक्स 78 हजार अंक से नीचे आ गया। सेंसेक्स 116 अंक की गिरावट में खुला और पूरे दिन लाल निशान में रहा। एक समय यह 550 अंक से अधिक टूट गया

■ **सेंसेक्स 281.09 अंक नीचे 77,728.16 पर बंद हुआ**

■ **निफ्टी 78.35 अंक फिसलकर 24,287.65 पर बंद हुआ**

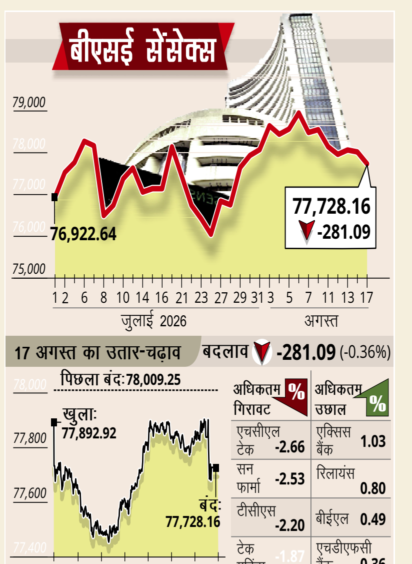

था, लेकिन अंत में 281.09 अंक (0.36 प्रतिशत) नीचे 77,728.16 अंक पर बंद हुआ।

नेशनल स्टॉक एक्सचेंज का निफ्टी-50 सूचकांक भी 78.35 अंक यानी 0.32 प्रतिशत फिसलकर 24,287.65 अंक पर बंद हुआ। यह दोनों प्रमुख सूचकांकों का 29 जुलाई के बाद का न्यूनतम बंद स्तर है। प्रमुख सूचकांकों के विपरीत वृहत बाजार में ज्यादातर सूचकांक हरे निशान में बंद हुए। निफ्टी मिडकैप-50 सूचकांक 0.10 प्रतिशत और स्मॉलकैप-100 सूचकांक 0.36 प्रतिशत की बढ़त में रहा।

सेक्टर आधारित सूचकांकों में आईटी का सूचकांक 1.75 प्रतिशत और एफएमसीजी का 1.05 प्रतिशत टूट गया। फार्मा, सार्वजनिक बैंकों, स्वास्थ्य और टिकाऊ उपभोक्ता उत्पाद समूहों में भी गिरावट रही। रियल्टी का सूचकांक 1.46 प्रतिशत और धातु का 1.26 प्रतिशत की बढ़त में रहा। सेंसेक्स की कंपनियों में इंफोसिस और एचसीएल टेक्नोलॉजीज के शेयर ढाई प्रतिशत से ज्यादा लुढ़क गये। सन फार्मा में भी दो प्रतिशत से अधिक की गिरावट रही। टीसीएस, टेक महिंद्रा, आईटीसी, ट्रेंट, एनटीपीसी, हिंदुस्तान यूनीलिवर, भारती एयरटेल, महिंद्रा एंड महिंद्रा और बजाज फिनसर्व के शेयर एक से दो प्रतिशत तक टूट गये।

इंडिगो, अल्ट्राटेक सीमेंट, एशियन पेंट्स, मारुति सुजुकी, भारतीय स्टेट बैंक और कोटक महिंद्रा बैंक के शेयर भी लाल निशान में रहे। टाटा स्टील का शेयर करीब डेढ़ फीसदी और एक्सिस बैंक का एक प्रतिशत की बढ़त में बंद हुआ। रिलायंस इंडस्ट्रीज, बीईएल, एचडीएफसी बैंक और एलएंडटी के शेयर भी मजबूत रहे।

भारत के डीपटेक क्षेत्र ने वर्ष 2015 से अब तक 11.4 अरब डॉलर का निवेश आकर्षित किया

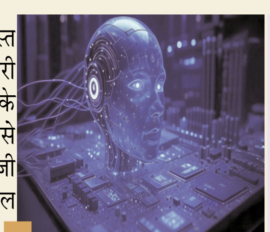

■ **इंडियन वेंचर एंड अल्टरनेट कैपिटल एसोसिएशन (आईवीसीए) की एक रिपोर्ट में दावा**

2016 के बाद से डीपटेक क्षेत्र में निवेश गतिविधियों में तेज वृद्धि देखी गई है, जो दुनिया भर में उभरती अत्याधुनिक तकनीकों की ओर बढ़ते निवेश रुझान को दर्शाती है: आईवीसीए

नई दिल्ली, 17 अगस्त (एजेंसियां)। सोमवार को जारी एक रिपोर्ट के अनुसार, भारत के डीपटेक सेक्टर ने वर्ष 2015 से 2026 के बीच अब तक निजी इक्विटी (पीई) और वेंचर कैपिटल (वीसी) निवेश में लगभग 11.4 अरब डॉलर आकर्षित किए हैं। रिपोर्ट के मुताबिक, स्टार्टअप फंडिंग में व्यापक सुस्ती के बावजूद 2025 डीपटेक निवेश के लिए अब तक का सबसे मजबूत वर्ष बनकर उभरा है।

इंडियन वेंचर एंड अल्टरनेट कैपिटल एसोसिएशन (आईवीसीए) की एक रिपोर्ट में कहा गया है कि 2016 के बाद से डीपटेक क्षेत्र में निवेश गतिविधियों में तेज वृद्धि देखी गई है, जो दुनिया भर में उभरती अत्याधुनिक तकनीकों की ओर बढ़ते निवेश रुझान को दर्शाती है। भारत में विशेष रूप से आर्टिफिशियल इंटेलिजेंस (एआई), जेनरेटिव एआई, इलेक्ट्रिक व्हीकल (ईवी) और बैटरी टेक्नोलॉजी ने निवेशकों को सबसे अधिक आकर्षित किया है। इसके अलावा, सेमीकंडक्टर और स्पेसटेक ऐसे क्षेत्र रहे हैं जिन्होंने सबसे तेज विकास दर्ज किया है। भारत सरकार की सेमीकंडक्टर और अंतरिक्ष क्षेत्र को प्रोत्साहित करने वाली नीतियों ने भी निवेशकों का भरोसा बढ़ाने में महत्वपूर्ण भूमिका निभाई है।

आईवीसीए के अध्यक्ष रजत टंडन ने कहा कि भारत का डीपटेक इकोसिस्टम अब केवल संभावनाओं तक सीमित नहीं है, बल्कि तेजी से निवेश योग्य अवसरों वाले क्षेत्र के रूप में विकसित हो रहा है। उन्होंने कहा कि संस्थागत निवेशकों की बढ़ती भागीदारी इस परिवर्तन का स्पष्ट संकेत है। टंडन के अनुसार, भारत को वैश्विक स्तर की डीपटेक कंपनियां तैयार करने के लिए कुछ प्रमुख चुनौतियों पर ध्यान देना होगा।

वैश्विक अनिश्चितता के बीच कीमती धातुओं में तेजी, सोने-चांदी में 1 प्रतिशत तक की बढ़त

मुंबई, 17 अगस्त (एजेंसियां)। पश्चिम एशिया में अमेरिका-ईरान संघर्ष को लेकर जारी अनिश्चितता के बीच भारतीय कमोडिटी बाजार में सोमवार के सत्र में कीमती धातुओं में तेजी देखने को मिली। इस बीच, पीले धातु (सोने) और सफेद धातु (चांदी) की कीमतों में 1 प्रतिशत तक की बढ़त दर्ज की गई। शुरुआती कारोबार में मल्टी कमोडिटी एक्सचेंज (एमसीएक्स) पर अक्टूबर डिलीवरी वाला सोना पिछले बंद 1,54,506 रुपए से 1,649 रुपए यानी 1.06 प्रतिशत की तेजी के साथ 1,56,155 रुपए प्रति 10 ग्राम पर खुला, जो कि दिन का हाई रहा। खबर लिखे जाने तक गोल्ड 0.40 प्रतिशत यानी 614 रुपए की तेजी के साथ 1,55,120 रुपए पर ट्रेड करते नजर आया। हालांकि मौजूदा कीमतें अभी भी इस वर्ष के रिकॉर्ड उच्च स्तर 1,80,779 रुपए प्रति 10 ग्राम से काफी नीचे हैं। वहीं, चांदी की कीमतों में भी अच्छी तेजी दर्ज की गई। सितंबर डिलीवरी वाला सिल्वर अपने पिछले बंद 2,35,924 रुपए 1,576 रुपए यानी 0.66 प्रतिशत की उछाल के साथ 2,37,500 रुपए प्रति किलोग्राम पर खुला, और दिन के कारोबार में यह 1.08 प्रतिशत यानी 2,555 रुपए की तेजी के साथ 2,38,479 रुपए का उच्चतम स्तर छुआ। चांदी का वार्षिक रिकॉर्ड उच्च स्तर 4,20,048 रुपए प्रति किलोग्राम रहा है, जिससे मौजूदा भाव अभी काफी कम है। विश्लेषकों ने सोने और चांदी की कीमतों के लिए सकारात्मक दृष्टिकोण बनाए रखा है, साथ ही हालिया बढ़त के बाद अस्थिरता और स्थिरीकरण की संभावना पर भी जोर दिया है। इन कारण से सोने और चांदी की कीमतों पर नजर बनी हुई है।

पिछले सप्ताह, एमसीएक्स पर सोने के वायदा भाव में लगभग 2 प्रतिशत की वृद्धि दर्ज की गई, जबकि चांदी में 1.9 प्रतिशत की बढ़ोतरी हुई।

भारत के प्रमुख ऑफिस मार्केट्स में किराया 2026 की दूसरी तिमाही में 10 प्रतिशत तक बढ़ा, बेंगलुरु सबसे आगे

■ **बेंगलुरु, मुंबई और दिल्ली-एनसीआर में संयुक्त रूप से लीजिंग गतिविधि 9.8 मिलियन स्क्वायर फीट के करीब रही**

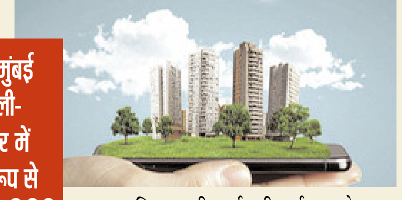

नई दिल्ली, 17 अगस्त (एजेंसियां)। भारत के प्रमुख ऑफिस मार्केट्स में 2026 की दूसरी तिमाही में किराए में 10 प्रतिशत तक की वृद्धि देखने को मिली है। इस दौरान स्पेस की मांग भी 10 मिलियन स्क्वायर फीट के आसपास रही है। यह जानकारी सोमवार को जारी एक रिपोर्ट में दी गई। नाइट फ्रैंक की रिपोर्ट के अनुसार, 2026 की दूसरी तिमाही में बेंगलुरु, मुंबई और दिल्ली-एनसीआर में संयुक्त रूप से लीजिंग गतिविधि 9.8 मिलियन स्क्वायर फीट के करीब रही है। हालांकि, इसमें 2025 में देखी गई बहुत अधिक लीजिंग की तुलना में कुछ कमी आई, लेकिन 70 लाख वर्ग फीट से ज्यादा नई जगह तैयार होने के बावजूद, खाली जगह का स्तर स्थिर रहने से लीजिंग का काम मजबूत बना रहा। भारतीय शहरों में बेंगलुरु में किराए में सबसे अधिक बढ़ोतरी सालाना आधार पर 10.7 प्रतिशत की दर्ज की गई, इसके बाद दिल्ली-एनसीआर 7.6 प्रतिशत के साथ दूसरे और मुंबई 4 प्रतिशत के साथ तीसरे स्थान रहा। बेंगलुरु में प्राइम ऑफिस का किराया 163 रुपए प्रति वर्ग फुट प्रति माह तक पहुंच गया। दूसरी तिमाही में 2025 में बेंगलुरु के ऑफिस मार्केट में प्राइम किराया सालाना आधार पर 7.9 प्रतिशत बढ़कर 148 रुपए प्रति वर्ग फुट प्रति माह हो गया। भारत के प्रमुख ऑफिस मार्केट में ग्लोबल कैपेबिलिटी सेंटर्स (जीसीसी) ने ऑफिस स्पेस की मांग को बनाए रखा। इसके अलावा, बेंगलुरु, दिल्ली-एनसीआर और मुंबई में लीजिंग वॉल्यूम में फ्लेक्स स्पेस ऑपरेटर्स की हिस्सेदारी 30 प्रतिशत से अधिक रही, जिससे वे फाइनेंशियल सर्विसेज को पीछे छोड़कर सबसे बड़े ऑक्यूपायर ग्रुप्स में से एक बन गए। बड़ी कंपनियों द्वारा फ्लेक्सिबल वर्कप्लेस रणनीतियों को तेजी से अपनाना पोर्टफोलियो प्लानिंग में एक बड़े बदलाव को दिखाता है, क्योंकि संगठन बदलते वर्कप्लेस की जरूरतों के बीच ज्यादा तेजी से काम करने की क्षमता चाहते हैं।

एशिया-प्रशांत क्षेत्र में, 2026 की दूसरी तिमाही के दौरान प्राइम ऑफिस के किराए में तिमाही आधार पर 0.6 प्रतिशत की बढ़ोतरी हुई, और ट्रैक किए गए 24 शहरों में से 19 शहरों में किराए का स्तर स्थिर रहा या उसमें बढ़ोतरी दर्ज की गई। पूरे क्षेत्र में सालाना किराया बढ़ने के मामले में बेंगलुरु, हांगकांग एसएआर और टोक्यो सबसे आगे रहे, जबकि टेक्नोलॉजी और एआई से जुड़ी कंपनियों की ओर से प्रीमियम ऑफिस स्पेस की मांग बनी रही।

भारतीय मतदाता संसद

भारतीय मतदाताओं का अपना संसद

जनसभा

जनसभा ही क्यों ?

जब दो बिभिन्न विचारधारा की राजनीतिक पार्टी गठबन्धन कर सरकार बना सकती हैं। तो फिर मतदाता भी भी ऐसा क्यों नहीं कर सकता ?

करके देखें ! ऐसा करने से अच्छे जनप्रतिनिधि को भी अवसर मिलेगा ! मुठितन्त्र वाली सरकार से जनप्रतिनिधि आजाद होगा ! जनप्रतिनिधि मुठितन्त्र के लिए नही लोकतंत्र के लिए होगा ! तब बदलेगा भारत

अब भारतीय मतदाता हारेगा नही, कियोंकि अपने जनसभा संसद में बैठकर अपनी और दूसरे का विचारधारा बदलेगा, फिर एक विचारधारा बनाएगा

वर्तमान राजनीतिक व्यवस्था और जनसभा राजनीतिक व्यवस्था में अंतर

वर्तमान व्यवस्था

- किसी विशेष राजनितिक पार्टी या समर्थक के रूप में मतदाता को संगठित किया जाता है। जिस कारण मतदाता को अपना बेहतर और अनुभवी जन प्रतिनिधि के रूप में चुनने का विकल्प नही रहता इसीलिये लोकतंत्र लोकतंत्र न रहकर मुट्ठितंत्र बन जाता है।
- अधिकतर मतदाता अपना मत का अधिकार किसी विशेष पार्टी या राजनितिक के कार्यकर्ता या समर्थक के रूप में करता है जिस कारण अपने प्रतिनिधि की छवि या अनुभव महत्व नही रखता।
- भारतीय लोकतंत्र में जनता राजा है पर आज जनता नही कुछ मुट्ठी भर लोग राज कर रहे हैं।
- मुट्ठी भर लोग राज करने से जनता द्वारा चुने प्रतिनिधि का अधिकार कम हुआ।
- जनप्रतिनधि बनने के इच्छुक चुनाव के समय ही अपनी कुशलता केवल प्रचार के माध्यम से करता है। जिसमें अधिक रुपया खर्चा करना पड़ता है।
- राजनीति में धन-बल का प्रयोग ज्यादा होता है, जिससे विकास और एक समान मूल अधिकार में बाधा उत्पन होती है।

जनसभा व्यवस्था

- मतदाता मतदाता के रूप में संगठित रहेगा इसीलिये मतदाता को अपना बेहतर और अनुभवी जन प्रतिनिधि के रूप में चुनने का विकल्प रहेगा तब लोकतंत्र मुट्ठीतंत्र न बनकर लोकतंत्र रहेगा।
- अधिकतर मतदाता अपना मत का अधिकार अपने प्रतिनिधि की छवि या अनुभव के आधार पर मत का प्रयोग करेगा।
- भारतीय लोकतंत्र का जो सपना है मुट्ठी भर लोग राज नहीं आम जनता राज करे यह सपना साकार होगा।
- आम जनता का राज होने से जनता द्वारा चुने प्रतिनिधि का अधिकार बढ़ेगा।
- जनप्रतिनधि बनने के इच्छुक को अपनी कुशलता रुपया या प्रचार के माध्यम से नहीं जनता की अधिक समय सेवा कर दिखाने का अवसर मिलेगा।
- राजनीति में धन-बल का प्रयोग कम होगा जिससे सभी का विकास और एक समान मूल अधिकार सबको मिलेगा।

करके देखें मुठितन्त्र से आजाद होगा हमारा जनप्रतिनिधि फिर भारत बदलेगा

आज ही शब्दवाणी समाचार के स्थाई पाठक बनकर भारतीय मतदाता का अपना संसद जनसभा के सदस्य बनें

शब्दवाणी समाचार विज्ञापन नहीं पाठकों को प्रमुख मानता है इसलिए औरों से अलग है

आज ही शब्दवाणी समाचार (हिंदी दैनिक) के स्थाई पाठक बनें, मात्र 300 रूपये मासिक पर

सम्मान के साथ मिलेगा बहुत कुछ, लेकर देखें

अधिक जानकारी के लिए सम्पर्कर करें

RNI. NO.DELHIN/2003/09049
हिन्दी दैनिक
शब्दवाणी समाचार
Website : Shabdawanisamachar.page
(नई सोच, नई उम्मीद, बेहतर भविष्य, बेहतर भारत)

बैडमिंटन वर्ल्ड चैंपियनशिप में पहले दिन ही आयुष शेट्टी ने कर दिया बड़ा उलटफेर

मौजूदा विश्व चैंपियन और दुनिया के नंबर-1 खिलाड़ी शी यू ची को 21-14, 13-21, 21-19 से दी करारी शिकस्त

● नई दिल्ली / (एजेंसी)

इंदिरा गांधी स्टेडियम में चल रही बैडमिंटन वर्ल्ड चैंपियनशिप के पहले दिन भारत के युवा शटलर आयुष शेट्टी ने बड़ा उलटफेर करते हुए मौजूदा विश्व चैंपियन और दुनिया के नंबर-1 खिलाड़ी चीन के शी यू ची को हरा दिया।

पहली बार वर्ल्ड चैंपियनशिप में खेल रहे 21 वर्षीय आयुष ने राउंड ऑफ-64 के रोमांचक मुकाबले में शी यू ची को 21-14, 13-21, 21-19 से मात देकर पुरुष सिंगल्स के दूसरे दौर में जगह बनाई।

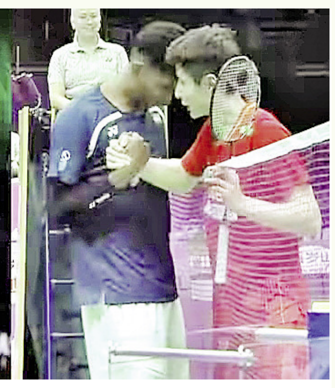

निर्णायक गेम में दिखाया संयम

घरेलू दर्शकों के समर्थन के बीच आयुष ने पहले गेम से ही आक्रामक खेल दिखाया। उन्होंने शानदार कोर्ट कवरेज, नेट प्ले और सटीक स्मैश के दम पर शुरुआत में 11-5 की बढ़त बनाई और पहला गेम 21-14 से अपने नाम किया। इस दौरान शी यू ची कई बार शटल को नेट में या कोर्ट से बाहर मार बैठे। दूसरे गेम में चीनी खिलाड़ी ने अपने अनुभव का फायदा उठाते हुए वापसी की। उन्होंने लंबी रैलियों के जरिए आयुष को थकाने की कोशिश की और भारतीय खिलाड़ी से गलतियां करवाते हुए 21-13 से गेम जीत लिया। इसके साथ मुकाबला 1-1 की बराबरी पर पहुंच गया। तीसरे और निर्णायक गेम में आयुष ने एक बार फिर शानदार शुरुआत की और ब्रेक तक 11-5 की बढ़त बना ली। इसके बाद उन्होंने अपनी बढ़त को 15-5 तक पहुंचाया। हालांकि, शी यू ची ने जबरदस्त वापसी करते हुए स्कोर 20-15 कर दिया। चीनी खिलाड़ी ने लगातार चार अंक जीतकर अंतर 20-19 तक ला दिया, लेकिन निर्णायक क्षणों में आयुष ने धैर्य बनाए रखा और अगला अंक हासिल कर मुकाबला 21-19 से अपने नाम कर लिया। यह आयुष शेट्टी के करियर की सबसे बड़ी जीतों में से एक है। इससे पहले वे ली शी फेंग, जोनाथन क्रिस्टी और कुनलावुत विटिडसर्न जैसे बड़े खिलाडियों को हरा चुके हैं।

पीवी सिंधु ने भी जीत से किया आगाज

दो बार की ओलंपिक पदक विजेता पीवी सिंधु ने भी वर्ल्ड चैंपियनशिप में शानदार शुरुआत की। उन्होंने आयरलैंड की सोफिया नोबल को महज 29 मिनट में 21-7, 21-11 से हराकर राउंड ऑफ-32 में प्रवेश किया। अगले दौर में सिंधु का सामना कनाडा की वेन यू झांग से होगा। मेंस डबल्स में हरिहरन अम्साकरुणन और एमआर अर्जुन ने आयरलैंड की जोड़ी के खिलाफ पहला गेम 21-16 से जीता। दूसरे गेम में भारतीय जोड़ी 6-4 से आगे थी, तभी विपक्षी खिलाड़ी के चोटिल होने के कारण मुकाबला समाप्त हो गया। विमेंस डबल्स में त्रिषा जॉली और गायत्री गोपीचंद ने स्पेन की जोड़ी को 21-9, 21-13 से हराकर अगले दौर में जगह बनाई।

पहला टेस्ट- तीसरा दिन : पहली पारी से भारत को मिली 178 रन की बढ़त

दिनुषा की दीवार के बावजूद 284 पर सिमटा श्रीलंका, मानव सुथार ने चटकाए चार विकेट

● गॉल / (एजेंसी)

गॉल टेस्ट के तीसरे दिन भारतीय गेंदबाजों ने श्रीलंका पर शिकंजा कस दिया। एक समय 99 रन पर पांच विकेट गंवा चुकी मेजबान टीम के सामने पारी जल्द खत्म होने का खतरा मंडरा रहा था, लेकिन सोनल दिनुषा ने शानदार शतकीय पारी खेलकर भारत की राह मुश्किल कर दी। हालांकि, अंततः श्रीलंका की पहली पारी 284 रन पर सिमट गई और भारत ने 178 रन की मजबूत बढ़त हासिल कर ली।

भारत की पहली पारी 462 रन पर खत्म हुई। जवाब में श्रीलंका ने दूसरी ही गेंद पर निशान फर्नांडो का विकेट गंवा दिया। मोहम्मद सिराज की बाहर जाती गेंद पर फर्नांडो बल्ला लगा बैठे और देवदत्त पडिक्कल ने कैच लपक लिया। इसके बाद बाएं हाथ के युवा स्पिनर मानव सुथार ने श्रीलंकाई बल्लेबाजों पर दबाव बना दिया। उन्होंने दिमुथ चांदीमल को पहली ही गेंद पर ऋषभ पंत के हाथों कैच कराया। लाहिरु उदारा को भी सुथार ने गली में यशस्वी जायसवाल के हाथों कैच कराया। कुलदीप यादव ने कामिंदु मेंडिस को शुभमन गिल के शानदार कैच के जरिए पवेलियन भेजा, जबकि रवींद्र जडेजा ने कप्तान धनंजय डी सिल्वा को केएल राहुल के हाथों स्लिप में कैच कराया। श्रीलंका 99 रन पर पांच विकेट गंवा चुका था और भारत पूरी तरह हावी नजर आ रहा था। इसके बाद सोनल दिनुषा और निरोशन डिकवेला ने मोर्चा संभाला। दोनों ने भारतीय स्पिनरों के खिलाफ संयम से बल्लेबाजी की और छठे विकेट के लिए 146 रन की महत्वपूर्ण साझेदारी की। डिकवेला ने 115 गेंदों में 80 रन बनाए। डिकवेला के आउट होने के बाद भी दिनुषा ने धैर्य नहीं खोया।

उन्होंने 167 गेंदों में अपना पहला अंतरराष्ट्रीय शतक पूरा किया। हालांकि, शतक पूरा करने के तुरंत बाद रवींद्र जडेजा की गेंद पर वह एलबीडब्ल्यू हो गए। दिनुषा ने 168 गेंदों में 100 रन की महत्वपूर्ण पारी खेली और श्रीलंका को संकट से बाहर निकाला। भारत की ओर से अपना पहला टेस्ट खेल रहे मानव सुथार ने प्रभावशाली गेंदबाजी की। उन्होंने 76 रन देकर चार विकेट लिए। जडेजा ने 57 रन देकर तीन विकेट झटके।

पंत ने तोड़ा गिलक्रिस्ट का रिकॉर्ड, अब 100 टेस्ट छक्कों से सिर्फ दो कदम दूर

गॉल टेस्ट में ऋषभ पंत भले ही बड़ी पारी नहीं खेल सके, लेकिन उनके एक छक्के ने इतिहास बदल दिया। 62 गेंदों में 39 रन बनाने वाले पंत ने विदेशी धरती पर टेस्ट क्रिकेट में अपना 57वां छक्का जड़ते ही ऑस्ट्रेलिया के दिग्गज एडम गिलक्रिस्ट (56) को पीछे छोड़ दिया। अब पंत इस मामले में बेन स्टोक्स (69 छक्के) के बाद दूसरे नंबर पर हैं। क्रिस गेल 51 छक्कों के साथ चौथे स्थान पर हैं। पंत के टेस्ट करियर में अब कुल 98 छक्के हो चुके हैं। वे 100 टेस्ट छक्के पूरे करने वाले इतिहास के सिर्फ चौथे बल्लेबाज बनने से महज दो छक्के दूर हैं। उनसे पहले स्टोक्स (138), ब्रेंडन मैकुलम (107) और गिलक्रिस्ट (100) यह मुकाम हासिल कर चुके हैं।

चलते मैच में अचानक बदला गया अंपायर

गॉल टेस्ट के तीसरे दिन भारत-श्रीलंका मैच में अचानक अंपायर बदलना पड़ा। ऑस्ट्रेलियाई अंपायर रॉड टकर की तबीयत खराब होने के कारण वह मैदान पर नहीं उतर सके। उनकी जगह पाकिस्तान के अनुभवी अंपायर अहसान रजा ने टीवी अंपायर की जिम्मेदारी छोड़कर ऑन-फील्ड अंपायरिंग संभाली। रजा ने शरफुद्दौला सैकत के साथ तीसरे दिन मैच में अंपायरिंग की। वे अब तक 28 टेस्ट, 66 वनडे और 91 टी20 इंटरनेशनल में ऑन-फील्ड अंपायर की भूमिका निभा चुके हैं।

350+ विकेट और 4000+ रन... रवींद्र जडेजा ने कपिल देव के खास क्लब में बनाई जगह

गॉल टेस्ट के तीसरे दिन रवींद्र जडेजा ने 350 टेस्ट विकेट पूरे कर इतिहास रच दिया। वह 4000 से ज्यादा रन और 350 से ज्यादा विकेट लेने वाले सिर्फ दूसरे भारतीय बन गए हैं। उनसे पहले यह उपलब्धि केवल कपिल देव ने हासिल की थी। जडेजा अब दुनिया के सिर्फ चार खिलाड़ियों के एलीट क्लब में शामिल हैं। इस सूची में कपिल देव, इयान बॉथम और डेनियल विटोरी के बाद जडेजा का नाम है। उनके नाम अब 4108 टेस्ट रन और 351 विकेट हैं। इसके साथ ही जडेजा 350 टेस्ट विकेट लेने वाले सिर्फ पांचवें भारतीय बने। उनसे आगे अनिल कुंबले (619), रविचंद्रन अश्विन (537), कपिल देव (434) और हरभजन सिंह (417) हैं। बाएं हाथ के स्पिनरों में भी जडेजा 351 विकेट के साथ तीसरे नंबर पर पहुंच गए हैं। उनसे आगे रंगना हेराथ (433) और डेनियल विटोरी (362) हैं। श्रीलंका के खिलाफ जडेजा ने 57 रन देकर तीन विकेट लिए।

इंग्लैंड से 4-2 से हारा भारत

एफआईएच पुरुष हॉकी वर्ल्ड कप 2026

● एम्सटेलवीन / (एजेंसी)

एफआईएच पुरुष हॉकी वर्ल्ड कप 2026 में भारतीय पुरुष हॉकी टीम को इंग्लैंड के खिलाफ 4-2 से हार का सामना करना पड़ा।

पूल-डी के दूसरे मुकाबले में भारतीय टीम ने पहले हाफ में शानदार प्रदर्शन करते हुए 2-1 की बढ़त बनाई, लेकिन दूसरे हाफ में इंग्लैंड ने जोरदार वापसी करते हुए लगातार तीन गोल दागे और मुकाबला अपने नाम कर लिया।

32 साल से जीत का इंतजार

वर्ल्ड कप में इंग्लैंड के खिलाफ यह भारत की लगातार निराशाजनक नतीजों में एक और कड़ी है। भारतीय टीम ने इस टूर्नामेंट में इंग्लैंड के खिलाफ छठी हार झेली है और पिछले 32 साल से जीत का इंतजार कर रही है। भारत ने टूर्नामेंट में अपने पहले मुकाबले में वेल्स को 3-1 से हराया था। वहीं, इंग्लैंड ने पाकिस्तान के खिलाफ 4-1 से जीत दर्ज की थी।

पहले हाफ में भारत का दबदबा

इंग्लैंड ने मैच की शुरुआत आक्रामक अंदाज में की। पहले क्वार्टर के आखिरी पलों में निकोलस बंडुराक ने फील्ड गोल कर इंग्लैंड को 1-0 की बढ़त दिलाई। दूसरे क्वार्टर में भारत ने वापसी की। कप्तान हरमनप्रीत सिंह ने पेनल्टी कॉर्नर को गोल में बदलकर स्कोर 1-1 कर दिया। इसके बाद दिलप्रीत सिंह ने शानदार मूव को गोल में तब्दील करते हुए भारत को 2-1 से आगे कर दिया।

दूसरे हाफ में पलटा मैच

हाफ टाइम तक बढ़त बनाए रखने के बावजूद भारतीय टीम दूसरे हाफ में अपनी लय बरकरार नहीं रख सकी। इंग्लैंड ने लगातार दबाव बनाया और तीसरे क्वार्टर में स्टुअर्ट रशमेयर ने गोल कर स्कोर 2-2 कर दिया। इसके बाद हेनरी क्रॉफ्ट ने गोल दागकर इंग्लैंड को 3-2 की बढ़त दिला दी। चौथे क्वार्टर में निकोलस बंडुराक ने पेनल्टी कॉर्नर को गोल में बदलकर अपना दूसरा गोल किया और इंग्लैंड की बढ़त 4-2 कर दी। इसके बाद भारतीय टीम वापसी नहीं कर सकी।

अब 19 अगस्त को पाकिस्तान से महामुकाबला

इंग्लैंड के खिलाफ हार के बाद भारत के लिए पूल-डी का समीकरण अहम हो गया है। भारतीय टीम का अगला मुकाबला 19 अगस्त को पाकिस्तान से होगा। राउंड-2 में जगह मजबूत करने के लिए भारत को इस मुकाबले में जीत हासिल करनी होगी। हालांकि, अगर वेल्स इंग्लैंड को नहीं हरा पाता है, तो पाकिस्तान के खिलाफ ड्रॉ भी भारत के लिए अगले दौर में पहुंचने के लिए पर्याप्त हो सकता है।

घरेलू क्रिकेट में फिक्सिंग का खतरा

टी-20 लीग्स पर बीसीसीआई ने बढ़ाई निगरानी

● नई दिल्ली / (एजेंसी)

भारतीय क्रिकेट में भ्रष्टाचार और फिक्सिंग के खतरे को देखते हुए बीसीसीआई ने राज्य स्तरीय टी-20 लीग्स पर निगरानी बढ़ा दी है। बीसीसीआई की एंटी-करप्शन एंड सिक्योरिटी यूनिट अब हर मैच पर नजर रख रही है। खासकर तमिलनाडु प्रीमियर लीग में संदिग्ध गतिविधियों के बाद यह सख्ती बढ़ाई गई है। एंटी-करप्शन एंड सिक्योरिटी यूनिट की नजर खिलाड़ियों के साथ-साथ सट्टेबाजों, टीम मालिकों और मैनेजर्स पर भी है। एजेंसी को ऐसी कोशिशों की जानकारी मिली है, जिनमें संदिग्ध लोग खिलाडियों और टीम से जुड़े लोगों से संपर्क कर रहे हैं। बीसीसीआई का मकसद घरेलू टी-20 लीग्स को फिक्सिंग और सट्टेबाजी के प्रभाव से बचाना और खिलाडियों के लिए सुरक्षित माहौल सुनिश्चित करना है। इससे पहले भी तमिलनाडु प्रीमियर लीग समेत घरेलू लीग्स में खिलाडियों से संपर्क के मामले सामने आ चुके हैं।

शुभ-रुद्राक्ष को संयुक्त बढ़त, भोपाल के मेदांत नंबर-2

मप्र राज्य जूनियर शतरंज चयन स्पर्धा

● भोपाल / (एजेंसी)

अखिल भारतीय शतरंज महासंघ के तत्वावधान में भोपाल जिला शतरंज संघ द्वारा आयोजित मध्य प्रदेश राज्य जूनियर शतरंज चयन स्पर्धा में मुकाबले अब निर्णायक दौर में पहुंच गए हैं। भोपाल के सेज इंटरनेशनल स्कूल में आयोजित आठ राउंड की इस अंतरराष्ट्रीय रेटिंग प्रतियोगिता में पांच राउंड के बाद ग्वालियर के शुभ खत्री और रुद्राक्ष गर्ग पांच-पांच जीत के साथ संयुक्त रूप से शीर्ष पर हैं। पांचवें राउंड में पहले बोर्ड पर शुभ

खत्री ने विदिशा के आराध्य गुप्ता को, जबकि दूसरे बोर्ड पर रुद्राक्ष गर्ग ने इंदौर के अक्ष शर्मा को हराकर लगातार पांचवीं जीत दर्ज की। कटनी के अथर्व पल्टा ने शहडोल के सारांश तिवारी को तथा मेजबान भोपाल के मेदांत जैन ने कटनी के सत्यार्थ शर्मा को पराजित किया। दोनों खिलाड़ी 4.5 अंकों के साथ संयुक्त रूप से दूसरे स्थान पर हैं और खिताब की दौड़ में बने हुए हैं। वहीं, ग्वालियर के जतिन मालखानी ने भोपाल के आराध्य खांडवे तथा इंदौर के प्रीत पाल ने इंदौर की अविका पवार को हराकर 4.5 अंक हासिल किए हैं।

प्रतियोगिता क्लासिकल टाइम कंट्रोल में खेली जा रही है, जिससे खिलाड़ियों को राष्ट्रीय स्तर की प्रतियोगिता जैसा माहौल मिल सके। प्रत्येक खिलाड़ी को बाजी के लिए 90 मिनट का समय दिया जा रहा है तथा हर चाल पर 30 सेकंड का अतिरिक्त समय जोड़ा जा रहा है।

मैनचेस्टर सुपर जायंट्स पहली बार बनी द हंड्रेड चैंपियन

नई दिल्ली (आरएनएन)। मैनचेस्टर सुपर जायंट्स ने पहली बार द हंड्रेड का खिताब अपने नाम कर लिया। लॉर्ड्स में खेले गए फाइनल में संजीव गोयनका की टीम ने ट्रेंट रॉकेट्स को 5 विकेट से हराया। ट्रेंट रॉकेट्स ने पहले बल्लेबाजी करते हुए 8 विकेट पर 158 रन बनाए। जवाब में टिम सीफर्ट ने सिर्फ 38 गेंदों में 72 रन की तूफानी पारी खेलकर मैनचेस्टर की जीत की नींव रखी।

राजधानी (न्यू बॉम्बे)

दिन	रात
338 = 4	240 = 6
125 = 8	460 = 0

शुभांक

दिन	रात
157 = 3	123 = 6
689 = 3	449 = 7

भाग्यांक

2 4 8 9

www.kalyangame.com

1479 किमी साइकिल चलाकर रोहित शर्मा से मिलने पहुंचा फैन

रोहित ने लगाया गले

● नई दिल्ली / (एजेंसी)

रोहित शर्मा के एक फैन का जुनून देखकर हर कोई हैरान रह गया। ओडिशा के सुनील नाम के फैन ने साइकिल से करीब 1479 किलोमीटर का सफर तय कर मुंबई पहुंचकर रोहित से मुलाकात की।

सुनील अपने साथ ओडिशा से शॉल, जगन्नाथ जी और राधा-कृष्ण की तस्वीरों के साथ रोहित और उनकी पत्नी रितिका की एक खास फ्रेम की गई तस्वीर भी लेकर आया

था। जब रोहित को पता चला कि फैन इतनी दूर साइकिल चलाकर उनसे मिलने आया है, तो वह हैरान रह गए और बोले, बाप रे बाप! इतनी दूर से आए हो!

इसके बाद रोहित ने सुनील को गले लगा लिया। इस मुलाकात का वीडियो सोशल मीडिया पर वायरल हो रहा है।

समारोह घर में बेहद निजी अंदाज में चार लोगों के सामने रचाई थी शादी

रोनाल्डो-जॉर्जिना की शादी की तस्वीरें आईं सामने

● नई दिल्ली / (एजेंसी)

फुटबॉल स्टार क्रिस्टियानो रोनाल्डो और जॉर्जिना रोड्रिगेज ने करीब 10 साल के रिश्ते के बाद शादी कर ली है। दुनिया के चर्चित सेलिब्रिटी कपल्स में शामिल रोनाल्डो और जॉर्जिना ने किसी आलीशान होटल या महल के बजाय पुर्तगाल के कास्केस स्थित अपने घर में शादी की। समारोह को बेहद निजी रखा गया था। अब वोग ने पहली बार शादी की तस्वीरें जारी की हैं।

दोनों ने 11 अगस्त को शादी की। यह तारीख उनकी प्रेम कहानी के लिए भी खास है। ठीक 10 साल पहले इसी दिन मैड्रिड के एक गुची स्टोर में दोनों की पहली मुलाकात हुई थी। उस समय जॉर्जिना वहां सेल्स असिस्टेंट के तौर पर काम

करती थीं। पहली मुलाकात के बाद दोनों करीब आए और उनका रिश्ता धीरे-धीरे दुनिया भर में चर्चा में आ गया। शादी का समारोह 11 अगस्त को दोपहर करीब 1.30 बजे हुआ। इसमें उनके पांच बच्चों के अलावा सिर्फ चार गवाह शामिल हुए। इनमें रोनाल्डो के लंबे समय से दोस्त मिगुएल पैक्साओ, जॉर्जिना की बहन इवाना रोड्रिगेज और उनके दोस्त जोस रोड्रिगेज सांगिल तथा मोनिका गोंजालेज मार्टिनेज शामिल थे।

जॉर्जिना ने वोग को बताया कि बचपन में वह बेहद भव्य शादी का सपना देखती थीं। उनकी कल्पना में बड़ा महल, शानदार बग्घी, लंबी ड्रेस और हीरों का ताज हुआ करता था। हालांकि, समय के साथ उनकी सोच बदल गई। उनका कहना है कि आज ये सभी लग्जरी चीजें उनकी जिंदगी का हिस्सा हैं। ऐसे में जॉर्जिना के लिए सबसे कीमती चीज रोनाल्डो और बच्चों के साथ इस खास पल को निजी तौर पर जीना था। यही वजह रही कि दोनों ने अपने घर पर चुनिंदा लोगों की मौजूदगी में शादी की।

युवराज, डिविलियर्स, वॉर्नर समेत कई दिग्गज फिर लौटेंगे मैदान में

डब्ल्यूसीएल के तीसरे सीजन का ऐलान

● नई दिल्ली / (एजेंसी)

क्रिकेट के कई दिग्गज एक बार फिर मैदान पर वापसी करने वाले हैं। वर्ल्ड चैंपियनशिप ऑफ लीजेंड्स (डब्ल्यूसीएल) का तीसरा सीजन 3 से 18 अक्टूबर 2026 तक खेला जाएगा। हालांकि, टूर्नामेंट के आयोजन स्थल का ऐलान अभी नहीं हुआ है। इस सीजन में डिविलियर्स, युवराज, ब्रावो, आफरीदी, मोईन अली, वॉर्नर जैसे सितारे खेलते नजर आएंगे। वहीं, बांग्लादेश चैंपियंस के जुड़ने से लीग में एक नई टीम भी शामिल हुई है। डब्ल्यूसीएल के पहले दो सीजन में भारत और द.अफ्रीका ने खिताब जीता था। दोनों टीमों ने फाइनल में पाकिस्तान चैंपियंस को हराया। तीसरे सीजन का आयोजन पहली बार यूके से बाहर होगा। आयोजकों को उम्मीद है कि इस बार लीग को पिछले सीजन से भी ज्यादा वैश्विक दर्शक मिलेंगे और क्रिकेट के पुराने सितारों की वापसी से रोमांच कई गुना बढ़ेगा।

इमरान हाशमी ने ली आवारापन से 10 गुना ज्यादा फीस! दिशा और शबाना आजमी की फीस भी आई सामने

इमरान हाशमी की कल्ट क्लाकिस फिल्म 'आवारापन' का सीक्वल 'आवारापन 2' जल्द सिनेमाघरों में दस्तक देने वाला है। फिल्म में दिशा पटानी और शबाना आजनी भी अहम किरदारों में नजर आएंगी। जानिए इन एक्टर्स ने फिल्म के लिए कितनी फीस चार्ज की है। फिल्म 'आवारापन 2' को लेकर दर्शकों के बीच काफी बज बना हुआ है। फिल्म की रिलीज से पहले अब इसकी स्टारकास्ट की कथित फीस को लेकर भी जानकारी सामने आई है। रिपोर्ट के मुताबिक, इमरान हाशमी फिल्म के सबसे ज्यादा फीस लेने वाले एक्टर हैं।

रिपोर्ट के मुताबिक, इमरान हाशमी को 'आवारापन 2' में अपने आइकॉनिक किरदार शिव पंडित को दोबारा निभाने के लिए करीब 12 करोड़ रुपये फीस दी जा रही है। रिपोर्ट में दावा किया गया है कि यह फीस उन्हें 2007 में आई पहली फिल्म 'आवारापन' के लिए मिली रकम से करीब 10 गुना ज्यादा है।

दिशा पटानी की फीस कितनी

फिल्म में दिशा पाटनी भी अहम भूमिका में नजर आएंगी। रिपोर्ट के मुताबिक, उन्हें 'आवारापन 2' के लिए करीब 5 करोड़ रुपये फीस मिल रही है। दिग्गज अभिनेत्री शबाना आजमी भी 'आवारापन 2' का हिस्सा हैं। रिपोर्ट में दावा किया गया है कि फिल्म में अहम भूमिका निभाने के लिए उन्हें करीब 2 करोड़ से 5 करोड़ रुपये के बीच फीस दी गई है। फिलहाल ये सभी फीस के आंकड़े रिपोर्ट्स पर आधारित हैं और मेकर्स या कलाकारों की तरफ से इनकी आधिकारिक पुष्टि नहीं हुई है।

'आवारापन 2' में इमरान हाशमी एक बार फिर शिवम पंडित के किरदार में नजर आएंगे। उनके साथ दिशा पटानी, शबाना आजमी, सुविंदर विक्की, विजयंथ कोहली, अनिरुद्ध रावल और अतुल कुमार भी फिल्म का हिस्सा हैं। फिल्म का म्यूजिक मिथून, जीत गांगुली, अमाल मलिक और अखिल सचदेवा ने दिया है, जबकि डायरेक्शन नितिन कक्कड़ कर रहे हैं।

रुक्मिणी वसंत ने निन पाउली के साथ अपनी अगली फिल्म की शूटिंग की शुरू

रुक्मिणी वसंत का करियर रुकने का नाम ही नहीं ले रहा! एक के बाद एक नए प्रोजेक्ट्स के साथ अब एक्ट्रेस ने अपनी अगली फिल्म की शूटिंग भी शुरू कर दी है, यानी उनकी बढ़ती-चढ़ती फिल्मोग्राफी में एक और एक्साइटिंग प्रोजेक्ट की एंट्री हो गई है। हाल ही में रुक्मिणी ने अपनी इंस्टाग्राम स्टोरी पर फिल्म के क्लैपबोर्ड की एक झलक शेयर करते हुए शूटिंग शुरू होने की ऑफिशियल अनाउंसमेंट कर दी। इस अनटाइटल्ड मलयालम फिल्म में रुक्मिणी के साथ मलयालम स्टार निन पाउली नजर आएंगे। यानी साउथ के दो टैलेंटेड स्टार्स का ये कॉम्बिनेशन पहले से ही काफी इंटरेस्टिंग लग रहा है। सेट से एक झलक शेयर करते हुए रुक्मिणी ने लिखा, 'और बस, ये सफर शुरू हो गया। किसी ऐसी जगह का हिस्सा बनना, जिसे आपने इतने लंबे समय तक दूर से निहारा और सराहा हो, अपने आप में बेहद खास एहसास है। और अब उसी जगह का एक छोटा सा हिस्सा बन पाना मेरे लिए वाकई बहुत स्पेशल फर्स्ट है। इस प्रोजेक्ट के लिए दिल से शुक्रगुजार हूँ '। अब फिल्म की टीम भी इसकी एक्साइटमेंट को और बढ़ा रही है। इस प्रोजेक्ट को चार्ली और नयट्ट जैसी शानदार फिल्मों के लिए पहचाने जाने वाले फिल्ममेकर-प्रोड्यूसर मार्टिन प्रक्कट का सपोर्ट मिला है। वहीं जय जय जय जय जय हे के राइटर्स में शामिल रहे नाशिद इस फिल्म को डायरेक्ट कर रहे हैं। रुक्मिणी वसंत और निन पाउली के साथ इन नामों का जुड़ना इक्क1 को मलयालम सिनेमा की मोस्ट इंटरेस्टिंग अपकमिंग फिल्मों में से एक बना रहा है। सप्त सागरदाचे एलो और कंतारा जैसी फिल्मों में अपनी शानदार परफॉर्मेंस से रुक्मिणी ने अपनी अलग पहचान बनाई है। कभी सिर्फ एक प्रॉमिसिंग कन्नड़ टैलेंट के तौर पर देखी जाने वाली रुक्मिणी अब धीरे-धीरे पूरे साउथ इंडियन सिनेमा में सबसे ज्यादा डिमांड वाली यंग एक्ट्रेसेस में अपनी जगह बना चुकी हैं। रुक्मिणी अब टॉक्सिक: ए फेयरी टेल फॉर ग्रोन-अप्स को लेकर भी तैयार हैं। इसके अलावा उनके खाते में मच-अवेटेड बिग-टिकट फिल्म ड्रैगन भी है। शानदार परफॉर्मेंस, अलग-अलग तरह के किरदार और बड़े पैन-इंडियन प्रोजेक्ट्स के साथ रुक्मिणी का करियर फुल स्पीड में आगे बढ़ रहा है। ऐसे में उनका ये नया मलयालम प्रोजेक्ट उनकी तेजी से शानदार होती करियर जर्नी में एक और एक्साइटिंग चैप्टर जोड़ता नजर आ रहा है।

पति हिमांशु मल्होत्रा संग तलाक की खबरों पर फूटा अमृता खानविलकर का गुस्सा

अभिनेत्री अमृता खानविलकर और हिमांशु मल्होत्रा काफी वक्त से अपनी निजी जिंदगी को लेकर सुर्खियों में हैं। बी-टाउन में काफी वक्त से ऐसी अटकलें लग रही हैं कि इनके रिश्ते में दरार आ गई है और तलाक हो रहा है। इन्हें अमृता ने निराधार बताया है। साथ निजी जिंदगी को लेकर ऐसी अफवाहें प्रसारित करने वालों को भी चेताया है।

लीगल टीम ने जारी की चेतावनी

अभिनेत्री अमृता के इंस्टाग्राम अकाउंट से एक पोस्ट शेयर किया गया है। इसमें उनकी लीगल टीम की तरफ से इस तरह की खबरों को एकदम निराधार बताया गया है। साथ ही अफवाहें फैलाने वालों के खिलाफ कानूनी एक्शन लेने की चेतावनी भी दी है।

अमृता की कानूनी टीम ने नोट साझा करते हुए लिखा है, 'आधिकारिक कानूनी बयान - 10 अगस्त 2026 से लागू। हमारे ध्यान में आया है कि कुछ ऑनलाइन, सोशल मीडिया और डिजिटल प्लेटफॉर्म अमृता खानविलकर और उनके निजी जीवन के बारे में ऐसा कंटेंट फैला रहे हैं, जो बेबुनियाद है। यह प्रतिष्ठा को ठेस पहुंचाने वाला है और उनकी प्राइवेसी का उल्लंघन करता है। आगे लिखा है, अभिव्यक्ति की स्वतंत्रता का सम्मान किया जाता है, लेकिन अमृता खानविलकर के बारे में मानहानि वाले बयान, अफवाहें, बिना पुष्टि वाले आरोप या गुमराह करने वाली जानकारी फैलाने या शेयर करने के लिए इस स्वतंत्रता का कोई भी गलत इस्तेमाल गंभीरता से लिया जाएगा। जहां भी उपलब्ध सबूतों से पुष्टि होती है, वहां ऐसे कंटेंट को बनाने, फैलाने या शेयर करने के लिए जिम्मेदार व्यक्तियों, संस्थाओं या संगठनों के खिलाफ लागू कानून के अनुसार उचित कानूनी कार्रवाई शुरू की जाएगी। ऐसे सभी मामलों पर नजर रखी जा रही है और उचित कानूनी कार्रवाई के लिए उनका रिकॉर्ड रखा जा रहा है।

मराठी फिल्म जगत की चर्चित अभिनेत्री अमृता खानविलकर की शादी हिमांशु मल्होत्रा के साथ साल 2015 में हुई थी। दोनों की मुलाकात साल 2004 में हुई थी। लंबे वक्त तक दोनों रिलेशनशिल में रहे। फिर साल 2015 में शादी का फैसला लिया।

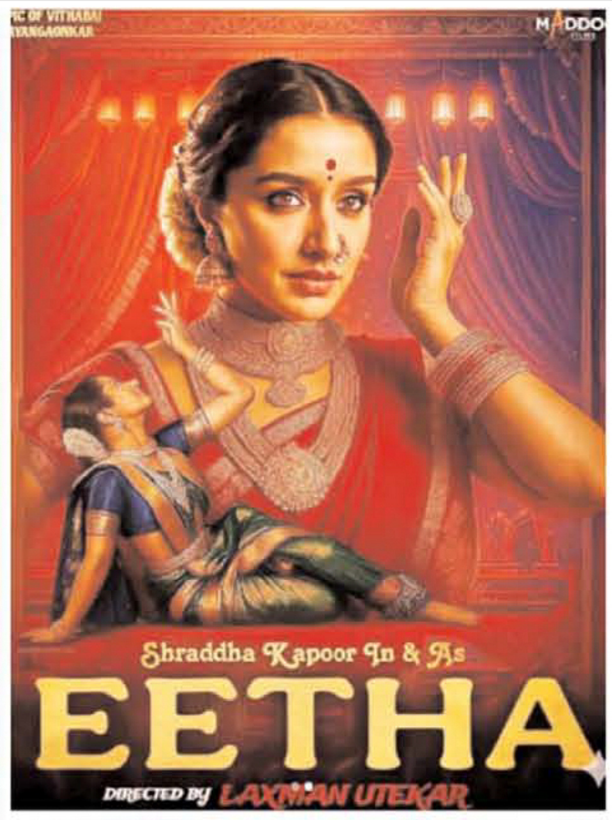

'टॉक्सिक' से नहीं होगी 'ईठा' की टक्कर
आयुष्मान की 'उड़ता तीर' की भी रिलीज डेट अनाउंस

बॉलीवुड की दो मच अवेटेड फिल्मों की रिलीज डेट मेकर्स ने अनाउंस की। जहां एक और आयुष्मान खुराना और सारा अली खान की फिल्म 'उड़ता तीर' के मेकर्स ने इसकी रिलीज डेट तय की। वहीं दूसरी तरफ श्रद्धा कपूर की फिल्म 'ईठा' के मेकर्स ने इसकी रिलीज डेट आगे बढ़ा ली। अब ये दोनों फिल्में कब रिलीज होगी

कब रिलीज होगी फिल्म 'ईठा'

श्रद्धा कपूर की बहुप्रतिक्षित फिल्म 'ईठा' का फैंस बेसब्री से इंतजार कर रहे हैं। यह फिल्म लावणी साम्रज्ञी विठाबाई नारायणगावकर के जीवन पर आधारित है, जिन्होंने पांच दशक तक लावणी लोककला को अपना जीवन समर्पित किया। 'टॉक्सिक' से टाला क्लैश पहले यह फिल्म इसी महीने 28 अगस्त को रिलीज होने वाली थी, जहां इसकी टक्कर 26 अगस्त को रिलीज होने जा रही मल्टीस्टारर फिल्म 'टॉक्सिक' से होती। अब मेकर्स ने इसे 4 दिसंबर 2026 को रिलीज करने का फैसला किया है। इस फिल्म का निर्देशन लक्ष्मण उतेकर ने किया है। फिल्म में श्रद्धा के अलावा रणदीप हुड्डा और मोहम्मद जीशान अय्यूब भी मुख्य भूमिकाओं में नजर आएंगे।

सिनेमाघर में प्रभास की फिल्म में होगा सामना

भले ही फिल्म 'ईठा' ने 'टॉक्सिक' से टकराव बचा लिया है पर 4 दिसंबर को इसका टकराव प्रभास की फिल्म 'फौजी' से होगा। फिलहाल 'फौजी' की रिलीज डेट 3 दिसंबर 2026 है। 'फौजी' का निर्देशन हनु राघवपुडी ने किया है। फिल्म की कास्ट में प्रभास के अलावा मिथुन चक्रवर्ती, जया प्रदा और अनुपम खेर भी हैं।

कब रिलीज होगी फिल्म 'उड़ता तीर'

फिल्म 'उड़ता तीर' से आयुष्मान खुराना और सारा अली खान एक बार फिर पर्दे पर साथ नजर आने वाले हैं। यह एक स्पाई-कॉमेडी फिल्म है जो 9 अक्टूबर 2026 को सिनेमाघरों में रिलीज होगी। फिल्म का निर्देशन आकाश ए. कौशिक ने किया है। वहीं फिल्म में निर्माताओं की लंबी लिस्ट है। फिल्म का निर्माण करण जौहर, अदार पूनावाला, अपूर्व मेहता, गुनीत मोंगा कपूर और अचिन जैन मिलकर कर रहे हैं।

व्यक्तित्व अधिकारों की सुरक्षा मामले में तब्बू के बाद जान्हवी कपूर को राहत

आर्टिफिशियल इंटेलिजेंस ने तमाम सहूलियतें दी हैं, तो इसके नुकसान भी हैं। एआई के जरिए किसी की तस्वीरों व वीडियो आदि से छेड़छाड़ कर गलत इस्तेमाल किया जा सकता है। किसी की प्रतिष्ठा दांव पर लग सकती है। इसके नुकसान को लेकर फिल्मी सितारे काफी सतर्क हैं और उन्होंने अदालत का रुख किया है। बीते दिनों तब्बू ने कोर्ट का दरवाजा खटखाया था। कोर्ट ने उन्हें राहत भी दी। इसके बाद जान्हवी कपूर ने भी अपने व्यकित्व अधिकारों की सुरक्षा की मांग की।

जान्हवी कपूर ने क्या मांग की?

जान्हवी कपूर ने अपने व्यक्तित्व अधिकारों की सुरक्षा के लिए दिल्ली हाईकोर्ट का रुख किया था।अभिनेत्री ने 5,000 से अधिक वेबपेज, पोस्ट और एआई कंटेंट हटाने की मांग की थी। साथ ही फैन पेज पर रोक लगाने की भी मांग की। बीते दिन मंगलवार को कोर्ट ने जान्हवी से जुड़े अश्लील और पोर्नोग्राफिक ऑनलाइन कंटेंट को हटाने का अंतरिम आदेश दिया।

अभिनेत्री जान्हवी कपूर ने 5,000 से अधिक वेबपेज, सोशल मीडिया पोस्ट, एआई-जनरेटेड पोर्नोग्राफिक कंटेंट, फर्जी अकाउंट, नकली बुकिंग एजेंसियों और चैटबॉट्स को हटाने की मांग की थी। अदालत ने कहा कि याचिका में मांगी गई राहत और दलीलें व्यापक हैं। अदालत ने जान्हवी कपूर के वकील को उन वेबपेजों की सूची देने को कहा गया, जिन पर स्पष्ट रूप से अश्लील कंटेंट है अथवा उनके व्यक्तित्व का इस्तेमाल कर वस्तुओं या सेवाओं की बिक्री की जा रही है। हालांकि, अदालत ने फैन पेज हटाने से इनकार कर दिया है। ऐसा करते हुए कोर्ट ने अभिव्यक्ति की स्वतंत्रता का हवाला दिया।

तब्बू ने भी खटखटाया था दरवाजा

इससे पहले व्यक्तिव अधिकारों को लेकर तब्बू ने भी दिल्ली हाईकोर्ट में याचिका दायर की थी। इस मामले में अदालत ने अभिनेत्री को राहत दी। कोर्ट ने तब्बू के नाम, तस्वीर, आवाज या व्यक्तित्व की अन्य विशेषताओं का बिना अनुमति व्यावसायिक या अनुचित इस्तेमाल करने पर रोक लगा दी है। इसी के साथ अदालत ने गूगल, एक्स (ट्विटर) और रेडिट समेत कई डिजिटल प्लेटफॉर्म्स को आदेश दिया गया है कि वे तब्बू से जुड़े एआई जेनेरेटिड, डीपफेक, अपमानजनक व आपत्तिजनक कंटेंट को तुरंत हटाएं।

ये सितारे भी पहुंचे अदालत की शरण में

इससे पहले बीते महीने ही अभिनेत्री प्रीति जिंटा ने अपनी एआई से बनीं डीपफेक तस्वीरों और मॉर्फ्ड कंटेंट के खिलाफ अदालत का रुख किया। उन्होंने याचिका दायर कर इस किस्म के कंटेंट पर तुरंत रोक लगाने की मांग की। इस मामले में उन्हें भी अदालत से राहत मिली। पब्लिसिटी और व्यक्तित्व अधिकारों की रक्षा की मांग करते हुए अभिषेक बच्चन और ऐश्वर्या राय भी अदालत का दरवाजा खटखटा चुके हैं। इनके अलावा ऋतिक रोशन, करण जौहर, अक्षय कुमार, कुमार सानू और अक्किनेनी नागार्जुन समेत तमाम सितारे अपने व्यक्तित्व अधिकार की सुरक्षा की मांग करते हुए अदालत की शरण में पहुंच चुके हैं।

मोहम्मद जोशी के लिय टाइम्स मास कम्युनिकेशन प्राइवेट लिमिटेड द्वारा पंजीकृत कार्यालय जे 85 सीमापुरी, दिल्ली से प्रकाशित इंकलाब भारत प्रेस जे एण्ड के दिलशाद गार्डन दिल्ली से मुद्रित संपादकीय कार्यालय समाचार भवन एफ-126 शाहिद नगर, चिकम्बरपुर, साहिबाबाद, गाजियाबाद, उत्तर प्रदेश-201006 ईमेल : shabdwanisamchaarw2003gmail.com www. shabdawanisamachar.page संपादक मोहम्मद जोशी ,सलाहकार संपादक : अशोक लालवानी

refresh MATTRESS ™
SLEEP HEALTHY. Wake beautiful.
HDFC BANK
We understand your world
Mega Exchange Offer
Limited time only
Zero Down Payment &
EMI Available on Selected Models
• Get Value upto ₹12000/- for Old Mattress
• Assured Gifts upto ₹12448/-
• Total Exchange Benifits ₹24448/-
BLOSSOM
refresh
Premium
PRISTINE
PRISTINE
PRISTINE
PRISTINE
Offer available on
1pc of 72" x 60" or 2pcs of 72" x 30"
and above
Hurry !!! Rush to your nearest dealer
Customer care no. : 18001209630